जबलपुर
सोमवार 13 जुलाई 2026
- आषाढ़ मास कृष्ण पक्ष-14
- वर्ष : 21, अंक : 72
- पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 *

मौसम
अधि. 30
न्यून. 24

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com भोपाल, सोमवार 13 जुलाई 2026

मप्र की सबसे बड़ी साइबर ठगी

ग्वालियर के बुजुर्ग सीए से 21 करोड़ रु. हड़पे

अशोक विजयवर्गीय

लड़की ने ऑनलाइन निवेश और भारी मुनाफे का झांसा देकर जाल में फंसाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ ग्वालियर

हैलो... मैं दिव्या बोल रही हूं, सोशल मीडिया पर आए इसी एक मैसेज से शुरू हुई चैटिंग ने मध्य प्रदेश चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के मुख्य निर्वाचन अधिकारी और सीनियर चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) अशोक विजयवर्गीय को कंगाल बना दिया। ऑनलाइन निवेश और भारी मुनाफे का झांसा देकर शातिर साइबर ठगों ने 70 वर्षीय बुजुर्ग सीए से 21 करोड़ 6 लाख रुपए हड़प लिए।

नेतृत्व के बुलावे पर दिल्ली पहुंचे, नितिन नबीन के सामने रखा अपना पक्ष

नरोत्तम बोले- भाजपा में पैदा हुआ, यहीं मरूंगा, इधर-उधर की कोई बात ही नहीं

- रविवार को समर्थन में बंद रहा दतिया बाजार
- आज आशुतोष के नामांकन में शामिल होंगे

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

शनिवार को राजधानी में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल और प्रभारी संगठन महामंत्री अजय जामवाल से मुलाकात के बाद दतिया के टिकट से वंचित पूर्व गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा रविवार को दिल्ली पहुंच गए। समर्थकों के उत्पात के बाद केंद्रीय नेतृत्व ने उन्हें तलब किया था।

दिल्ली में उन्होंने भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन से मुलाकत कर अपना पक्ष रखा। मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि उन्हें

नरोत्तम मिश्रा

जिससे मिलना था, मिल चुका। अब वापस दतिया जा रहा हूं और सोमवार को भाजपा प्रत्याशी आशुतोष शर्मा के नामांकन दाखिल करने के दौरान साथ रहूंगा। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि मैं भाजपा में पैदा हुआ हूं और भाजपा में ही मरूंगा। इधर-उधर की कोई बात ही नहीं। न निर्दलीय न आजाद, भाजपा के लिए काम करूंगा।

उधर, दतिया में समर्थक भी शांत हो गए हैं। मप्र भवन में मीडिया से चर्चा में नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि मैंने उनको समझाया है वो मान भी गए हैं। वो क्षणिक आवेश था। इधर, भाजपा ने दतिया में डैमेज कंट्रोल शुरू कर दिया है।

नरोत्तम के काम आगे बढ़ाऊंगा : आशुतोष

भाजपा प्रत्याशी घोषित होने के बाद आशुतोष तिवारी रविवार को पहली बार पीतांबरा पीठ पहुंचे। मां पीतांबरा के दर्शन कर आशीर्वाद लिया और चुनाव अभियान की शुरुआत का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि पूर्व गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने क्षेत्र के विकास के लिए जो काम किए हैं, चुनाव जीतने के बाद उन्हें आगे बढ़ाया जाएगा।

बसपा नहीं लड़ रही चुनाव, सपा कांग्रेस के साथ

बसपा सुप्रीमो मायावती ने दतिया उपचुनाव से दूरी बनाते हुए मध्य प्रदेश इकाई को साल 2028 के विधानसभा चुनाव पर फोकस करने के निर्देश दिए हैं। यहां बसपा के चुनाव न लड़ने का बड़ा फायदा आजाद समाज पार्टी के प्रत्याशी दामोदर यादव को मिल सकता है, जो दलित और अन्य पिछड़ा वर्ग के वोटों के बिखराव को रोककर अपने पाले में करने की स्थिति में आ गए हैं।

खबर संक्षेप

नीमच में लग्जरी बस से 105 किलो डोडाचूरा जब्त

नीमच। फोरलेन पर लग्जरी बस से 105 किलोग्राम अवैध अफीम डोडाचूरा जब्त किया है। पुलिस ने बस, डोडाचूरा और मोबाइल सहित कुल 65.85 लाख रुपए का मशरूका जब्त कर एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। टीम ने फार्म फिल्स ढाबे के पास घेराबंदी कर बस को रोका।

महिला से अश्लील हरकत करने वाला एजेंट गिरफ्तार

बेंगलुरु। मराठहल्ली थाना क्षेत्र में एक डिलीवरी एजेंट द्वारा अकेली रहने वाली महिला के फ्लैट में जबरदस्ती घुसकर अश्लील हरकत करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी विजय मल्लिकार्जुन कामत (22) को गिरफ्तार कर लिया है।

मुख्यमंत्री ने 1.25 करोड़ लाड़ली बहनों के खातों में ट्रांसफर किए 1835 करोड़ रुपए

मप्र में इसी महीने से लागू होगी समान नागरिक संहिता : सीएम

प्रदेश भर से समिति के पास यूसीसी के लिए दस लाख से ज्यादा सुझाव आए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भारत में एक देश-एक विधान-एक प्रधान-एक राष्ट्रगान होना चाहिए। हिंदू-मुस्लिम-ईसाई का कानून अलग-अलग नहीं हो सकता। किसी को दो-तीन-चार शादियों का हक न हो। उन्होंने कहा कि इसी महीने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करेंगे। मप्र उन बड़े राज्यों में से होगा, जिसका कानून सबको समानता का अधिकार देगा। इसमें मुस्लिम बहनों की भी जिंदगी बेहतर होगी। उन्होंने कहा कि हमारी समिति पूरे प्रदेश में घूमी। उसके पास यूसीसी के लिए दस लाख से ज्यादा सुझाव आए। इन सुझावों में मुस्लिम बहनों के भी सुझाव आए। उन्होंने कहा कि भैया ये कानून जल्दी लागू करो। इस कानून से हमारी जिंदगी सुरक्षित होगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रविवार को भिंड जिले के लहार से लाड़ली बहनों के बैंक खातों में 1835 करोड़ रुपए की राशि अंतरित की। उन्होंने भिंड जिले को बड़ी सौगात दी। उन्होंने 322.29 करोड़ के 56 विकास कार्यों का भूमि-पूजन और लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरु पूर्णिमा पर भिंड को 4 सांदीपनि विद्यालयों की सौगात मिलेगी। लहार के कॉलेज में पीजी कोर्स शुरू किया जाएगा।

सीएम ने कहा कि कांग्रेसी बेशर्मी से बोलते हैं कि लाड़ली बहनों को पैसे मत दो, कांग्रेस अध्यक्ष को डूब मरना चाहिए। ये माता-बहनों का अपमान है

यूसीसी के लिए दस लाख से ज्यादा सुझाव आए

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सिंगल क्लीक से बहनों के खातों में पैसे ट्रांसफर करते हुए

- *मुख्यमंत्री ने किया 56 विकास कार्यों का भूमि-पूजन, लोकार्पण*
- *भिंड को दी 322.29 करोड़ की सौगात*
- *भिंड जिले के लहार में हुआ कार्यक्रम का आयोजन*

कांग्रेसी बहनों के कष्ट में कभी शामिल नहीं हुए

सीएम ने कहा कि कांग्रेसियों के परिवार ने गरीबी नहीं देखी, बहनों के कष्ट में भी कभी शामिल नहीं हुए। किसी लाड़ली बहना के परिवार में जाकर कांग्रेसी पूछें कि पैसे का क्या महत्व होता है। हमने कई बार कहा है कि लाड़ली बहनों के लिए जो बन पड़ेगा, वो सब करेंगे। कांग्रेसी बेशर्मी से बोलते हैं कि लाड़ली बहनों को पैसे मत दो, वो इन रुपयों से शराब पीती हैं। कांग्रेस अध्यक्ष को डूब मरना चाहिए। ये माता-बहनों का अपमान है। कांग्रेस की नीति और नीयत सदैव इसी भावना की रहती है।

सरकारी बस सेवा इसी महीने से शुरू होगी

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम किसानों की बेहतरी के लिए काम कर रहे हैं। जब से हमारी सरकार आई है, हमने किसानों से अन्न खरीदा। कांग्रेस के शासनकाल में 55 साल में गेहूं का भाव 400 रुपए भी नहीं बढ़ा। जबकि, हमारी सरकार के 20 साल के कार्यकाल में गेहूं 2625 रुपए क्विंटल खरीद रहे हैं। आप गोशाला संचालित करेंगे, तो सरकार आपकी सहायता करेगी। कांग्रेस के शासनकाल में सरकारी बसें बंद हो गई थीं, लेकिन हमारी सरकार इसी महीने इसे दोबारा शुरू कर रही है। हमारी सरकार सब वर्गों के लिए काम कर रही है।

यदि कोई पीएम और सीएम जेल जाए तो...

संसदीय समिति की सिफारिश हटाने के बजाए हो 'निलंबन'

संसदीय समिति रिपोर्ट के जल्द स्वीकृत किए जाने के आसार

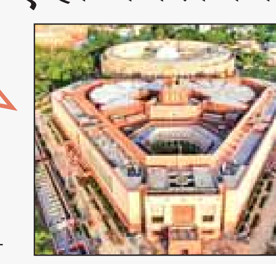

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

विपक्षी दलों की चिंताओं के बीच संसद की एक कमेटी ने सिफारिश की है कि यदि प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्री और मुख्यमंत्री किसी गंभीर अपराध के आरोप में लगातार 30 दिनों तक हिरासत में रखे जाते हैं, तो उन्हें उनके पद से हटाने की जगह निलंबित किया जाना चाहिए। कमेटी ने एक ऐसी व्यवस्था का भी प्रपोजल दिया है, जिसके अंतर्गत अगर ऐसे लोगों को आरोपों से बरी कर दिया जाता है या मुकदमे की कार्यवाही तय समयसीमा के अंदर आगे नहीं बढ़ती है, तो निलंबन खुद ही खत्म हो जाएगा। दरअसल, 130वें संविधान संशोधन विधेयक की समीक्षा कर रही पार्लियामेंट की ज्वॉइंट कमेटी ने 2 खास और 3 सामान्य सिफारिशें कीं।

गैंगरेप-डकैती के विरोध में फूटा गुस्सा

नगर बंद कर निकाली बाइक रैली- दोषियों को 'फांसी' दो

इंदौर में जिंदगी की जंग लड़ रही पीड़िता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ आलीराजपुर

बाइक से प्रदर्शन

जिले के बोरी थाना क्षेत्र में एक बेवा महिला के साथ गैंगरेप, डकैती और अमानवीय बर्बरता के खिलाफ रविवार को जनता का भारी आक्रोश फूट पड़ा। स्थानीय ग्रामीणों और युवाओं ने एकजुट होकर विशाल बाइक रैली निकाली और पूरे नगर को बंद रखा। प्रदर्शनकारियों ने पीड़िता को न्याय दो और दोषियों को फांसी दो के नारों के साथ क्षेत्र को गुंजा दिया।

कांग्रेस ने गठित की जांच कमेटी

इस संवेदनशील मामले पर अब सियासी पारा भी चढ़ गया है। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता अमित चौरसिया ने बताया कि पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने घटना की जमीनी हकीकत और पुलिस कार्रवाई की जांच के लिए पांच सदस्यीय विशेष समिति का गठन किया है, जो जल्द ही अपनी रिपोर्ट सौंपेगी।

जहरीला पदार्थ का किया सेवन

विवाहिता ने की आत्महत्या मेहंदी में बयां किया दर्द

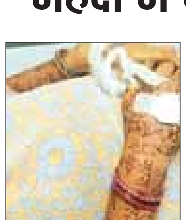

हरिभूमि न्यूज ▶▶ छिंदवाड़ा

चौरई इलाके में 32 वर्षीय विवाहिता प्रीति वर्मा ने जहरीला पदार्थ पीकर आत्महत्या कर ली। चौंकाने वाली बात यह है कि कदम उठाने से पहले महिला ने अपने हाथों पर मेहंदी से अपना दुख-दर्द लिखा, जिसे पुलिस अब सुसाइड नोट मानकर जांच कर रही है। 13 वर्ष पहले शादीशुदा प्रीति कुछ समय पूर्व अपने बेटे की मौत के बाद से गहरे मानसिक तनाव में थी।

महिला ने सुसाइड से पहले अपने हाथों पर लिखा

दिल्ली एम्स की फॉरेंसिक रिपोर्ट में खुलासा

जिम्नास्टिक बेल्ट पर मिले स्किन टिशू, रिपोर्ट सीबीआई को सौंपी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

ट्विशा शर्मा मौत मामले में दिल्ली एम्स की फॉरेंसिक टीम ने अपनी 11 पन्नों की अंतिम गोपनीय रिपोर्ट सीबीआई को सौंप दी है। इस रिपोर्ट में एक ऐसा चौंकाने वाला खुलासा हुआ है, जो केस की पूरी दिशा बदल सकता है। स्टिोपैथोलॉजिकल जांच में फंदे के रूप में इस्तेमाल की गई ।

न्यायपालिका के लिए होगा अहम सबूत

फीफा वर्ल्ड कप 2026: सेमीफाइनल का रोमांचक मोड़

अर्जेंटीना के सामने इंग्लैंड और फ्रांस से भिड़ेगा स्पेन

चारों टीम जबरदस्त फॉर्म में

नई दिल्ली। 48 टीमों की कड़ी चुनौती के बाद फीफा वर्ल्ड कप 2026 अब अपने अंतिम रोमांचक दौर में पहुंच चुका है। टूर्नामेंट में अब सिर्फ चार महाशक्तियां बची हैं। फुटबॉल के इस महाकुंभ के सेमीफाइनल में डिफेंडिंग चैंपियन अर्जेंटीना का सामना इंग्लैंड से होगा, जबकि दूसरे हाई-प्रोफाइल मुकाबले में पूर्व चैंपियन फ्रांस के सामने स्पेन की चुनौती होगी। लियोनेल मेसी की अगुवाई वाली अर्जेंटीना ने शानदार रणनीति और दमदार खेल के दम पर अंतिम चार में जगह बनाई है।

मां-बेटे के संदिग्ध हालात में मिले शव

देवास। लसुल्डिया नरसला काकड़ गांव में रविवार सुबह 45 वर्षीय राधेश्याम और उनकी 70 वर्षीय मां उमराव बाई के शव संदिग्ध परिस्थितियों में एक कच्ची सड़क पर पड़े मिले। पास ही खड़ी उनकी बाइक से एक बोतल मिली है, जिसमें जहरीला पदार्थ होने की आशंका है। परिजनों के मुताबिक, राधेश्याम का पत्नी से विवाद चल रहा था, वह मां के साथ इंदौर में अपनी बहन के घर रह रहा था। शनिवार शाम दोनों शिप्रा जाने का कहकर निकले थे।

प्रदेश में हालात और बिगड़े : अगले 3 से 4 दिन बारिश में कमी बनी रहेगी

1 जून से 8 जुलाई तक औसत से 10 फीसदी अधिक बारिश... अब घटकर मात्र एक प्रतिशत

जून में अच्छी बारिश जुलाई के कोटे को कवर कर रही

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी सहित प्रदेशभर में दो दिन से बारिश में कमी के साथ मानसून मीटर के आंकड़े पिछड़ने लगे हैं। रविवार तक कुछ जिलों को छोड़कर शेष स्थानों पर बारिश की स्थिति और बिगड़ गई है।

इससे पहले एक जून से 8 जुलाई तक प्रदेश में औसत से 10 फीसदी अधिक बारिश दर्ज हुई थी, जो अब घटकर मात्र एक प्रतिशत रह गई है। बारिश में कमी के बीच रविवार तक यह पूर्वी मप्र में औसत 14 प्रतिशत कम और

पश्चिमी हिस्से में 15 फीसदी अधिक है। जून में अच्छी बारिश हो चुकी है, जो अब जुलाई के कोटे को फिलहाल कवर कर रही है। मौसम केंद्र के अनुसार प्रदेश में अब तक दीर्घावधि औसत से एक प्रतिशत अधिक बारिश हुई है।

भोपाल में एक जुलाई से अब तक कुल 129 मिमी तक बारिश हुई है। यह जुलाई में अब तक के कोटे से 122.7 मिमी ज्यादा है। एक जून से अब तक भोपाल में कुल 400.3 मिमी पानी बरस गया है। मौसम विशेषज्ञ एके शुक्ला के अनुसार अगले तीन से चार दिन बारिश में कमी बनी रहेगी।

आज यहां हल्की बौछारें पड़ेंगी

सोमवार को भोपाल, सीहोर, राजगढ़, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, बुरहानपुर, खंडवा, खरगोन, बड़वानी, आलीराजपुर, धार, इंदौर, देवास, शाजापुर, ग्वालियर, दतिया, भिंड, मुरैना, सिंगरौली, सीधी, रीवा, सतना, मैहर, अनुपपुर, शहडोल, डिंडोरी, छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला, I लाघाट, पन्ना दमोह, सागर, छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी, पांढुर्णा में हल्की बारिश हो सकती है।

कांग्रेस में बगावत की आग और भड़की

आखिरकार... बागियों को नहीं मना पाए बघेल,12 विधायकों और 3 सांसदों के साथ चन्नी ने किया शक्ति प्रदर्शन, अब मामले का दिल्ली दरबार में ही होगा निराकरण

पूर्व मुख्यमंत्री ने चंडीगढ़ में पंजाब कांग्रेस के प्रभारी को दिखाई ताकत

एजेंसी ▶▶ चंडीगढ़

पंजाब कांग्रेस में बगावत की आग और भड़क गई है। मोरिंडा के बाद पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी गुट के नाराज नेताओं ने शनिवार को चंडीगढ़ में कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं पंजाब कांग्रेस के प्रभारी भूपेश बघेल के सामने शक्ति प्रदर्शन किया। शनिवार को बघेल जब वह विधायक राणा गुरजीत सिंह के घर पहुंचे तो वहां चन्नी के साथ 92 विधानसभा क्षेत्रों में से 82 हलका प्रभारी, 12 विधायक, 3सांसद तथा कई पूर्व विधायक और पूर्व मंत्री पहले से मौजूद थे। बैठक में पंजाब मामलों के सह प्रभारी सूरज सिंह ठाकुर भी मौजूद रहे। बैठक में चन्नी गुट के सभी नेताओं ने बारी-बारी से अपनी बात रखी।

बघेल हाईकमान से मिलेंगे

बघेल ने नेताओं को भरोसा दिया कि उनकी भावनाओं से हाईकमान को अवगत कराया जाएगा। ऐसे में पंजाब कांग्रेस की इस अंदरूनी खींचतान को खत्म करने की जिम्मेदारी अब कांग्रेस नेता राहुल गांधी के पाले में पहुंच गई है।

समझौतावादी नेता नहीं चाहिए

चन्नी गुट ने किया शक्ति प्रदर्शन

नेताओं ने कहा कि उन्हें समझौतावादी नेता नहीं चाहिए। विधानसभा चुनाव जीतना है तो प्रदेश संगठन का नेतृत्व ऐसे नेता के हाथ में होना चाहिए, जो सरकार के खिलाफ मजबूती से लड़ सके। नेताओं ने कहा कि चन्नी पंजाब में सर्वस्वीकार्य चेहरा हैं। इस पर नेताओं ने हाथ खड़े कर समर्थन जताया। परगट सिंह ने कहा,इसे बगावत नहीं बल्कि परिस्थितियों के संदर्भ में नेताओं और कार्यकर्ताओं के मतभेद के रूप में देखा जाना चाहिए।

कई बार फैसले वापस लेने पड़ते हैं : रंधावा

पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा ने कहा कि उनकी प्रदेशाध्यक्ष अमरिंदर से कोई व्यक्तिगत दुश्मनी नहीं है, लेकिन प्रदेश नेतृत्व राज्य सरकार के खिलाफ अपेक्षित आक्रामकता नहीं दिखा रहा। यदि पंजाब में कांग्रेस की सरकार बनानी है तो इस फैसले पर भी पुनर्विचार करना होगा।

तेल देखेंगे, तेल की धार देखेंगे : चन्नी

चन्नी ने कहा कि प्रभारी भूपेश बघेल के साथ बातचीत हो गई है। सभी नेताओं ने अपने मन की बात उनके सामने रख दी है। अब फैसला हाईकमान को करना है। उन्होंने कहा कि 'अब तेल देखेंगे, तेल की धार देखेंगे', यानी आगे पार्टी नेतृत्व की प्रतिक्रिया का इंतजार करेंगे।

फैसले में कोई बदलाव नहीं होगा : बघेल

बघेल ने कहा कि परिवार में बातें होती रहती हैं, जिन्हें बाहर नहीं बोला जा सकता। हाईकमान ने चुनाव संबंधी समितियों के गठन में जो फैसला लिया है, उसमें बदलाव नहीं होगा। सभी की बात पार्टी नेतृत्व तक पहुंचा दी जाएगी। पार्टी में कोई भी कॉम्प्रोमाइज्ड नेता नहीं रहेगा। यदि ऐसा मिला तो उसे हर हाल में बाहर किया जाएगा।

खबर संक्षेप

डूंगरपुर में नहाने गए 4 बच्चे तालाब में डूबे

डूंगरपुर। जिले के धम्बोला थाना क्षेत्र के लिखी बड़ी गांव में रविवार सुबह एक दर्दनाक हादसे ने पूरे इलाके को गमगीन कर दिया। वात्रक तालाब में नहाने गए 6 बच्चों में से 4 की डूबने से मौत हो गई, जबकि2 बच्चों को ग्रामीणों ने समय रहते बचा लिया। मृतकों में तीन सगे भाई-बहन और उनकी फुफेरी बहन शामिल हैं।

जोधपुर एयरपोर्ट पर उतरी पहली फ्लाइट

जोधपुर। प्रधानमंत्री के उद्घाटन के 8 दिन बाद रविवार को जोधपुर के नए एयरपोर्ट टर्मिनल से नियमित उड़ानों का संचालन शुरू हो गया। सुबह बेंगलुरु से आई पहली फ्लाइट ने नए टर्मिनल पर लैंडिंग की, जबकि कुछ ही देर बाद पहली उड़ान बेंगलुरु के लिए रवाना हुई। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने स्वागत किया।

बदरीनाथ चढ़ावा चोरी अहम सुराग मिले

बदरीनाथ। मंदिर के चढ़ावे की हेराफेरी मामले की जांच अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच गई है। पुलिस को मंदिर परिसर और गणना कक्ष में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज से अहम साक्ष्य मिले हैं। फुटेज में बीकेटीसी कर्मचारी प्रमोद नौटियाल मोबाइल फोन के नीचे नोटों की गड्डी, सोने-चांदी जैसे सिक्के और वस्तुएं लेकर निकलता दिखा है।

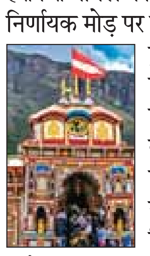

7 कर्मचारी राज्य बीमा स्वास्थ्य सेवाएं कल से

नई दिल्ली । केंद्रीय श्रम और रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया 14 जुलाई को तेलंगाना के सनथनगर स्थित कर्मचारी राज्य बीमा निगम अस्पताल से देशभर में 7 कर्मचारी राज्य बीमा स्वास्थ्य सेवा परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे। वे नए ओपीडी ब्लॉक का प्रत्यक्ष उद्घाटन करेंगे।

गृहमंत्री शाह ने अहमदाबाद में की पौधरोपण कार्यक्रम की शुरुआत

'मिशन फाइव मिलियन ट्रीज' शुरू किया करोड़ों के विकास प्रोजेक्ट की सौगात दी

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने भारत का हरित आवरण बढ़ाने के लिए 'एक पेड़ मां के नाम' पहल शुरू की थी और यह जन आंदोलन बन गई। अर्धसैनिक बलों ने 7 वर्ष में 7 करोड़ पेड़ लगाने का लक्ष्य पूरा किया

अहमदाबाद में विज्ञान भवन, साइंस सिटी, सोला में आयोजन किया गया

एजेंसी ▶▶ अहमदाबाद

केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रविवार को गुजरात के अहमदाबाद में 'मिशन फाइव मिलियन ट्रीज' के तहत पौधरोपण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने करीब 405 करोड़ रुपए की कई विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास भी किया। अहमदाबाद महानगर निगम की ओर से 'मिशन फाइव मिलियन ट्री' के तहत विज्ञान भवन, साइंस सिटी, सोला में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री शाह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। मंच पर उनका भव्य स्वागत किया गया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने भारत का हरित आवरण बढ़ाने के लिए 'एक पेड़ मां के नाम' पहल शुरू की थी और यह जल्द ही जन आंदोलन बन गई। शाह ने कहा कि केंद्रीय अर्धसैनिक बलों ने सात वर्ष में सात करोड़ पेड़ लगाने का लक्ष्य शनिवार को पूरा किया।

101 ऑक्सीजन पार्क और हेरिटेज पार्क का ई-लोकार्पण किया

शाह ने 101 ऑक्सीजन पार्क और हेरिटेज पार्क का ई-लोकार्पण किया। इसके अलावा अहमदाबाद नगर निगम, औडा और सड़क व भवन विभाग की लगभग 405 करोड़ रुपए की विभिन्न विकास परियोजनाओं का ई-लोकार्पण और शिलान्यास किया। सीएम भूपेंद्र पटेल, मेयर हितेश बारोट, कई मंत्री, सांसद, विधायक, पदाधिकारी और वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

परियोजनाओं का उद्घाटन करते केंद्रीय गृहमंत्री शाह

22 लाख 71 हजार से अधिक पौधे लगाए गए

अहमदाबाद नगर निगम की ओर से विकसित 101 ऑक्सीजन पार्कों में लगभग 9 लाख 66 हजार वर्गमीटर क्षेत्र में 22 लाख 71 हजार से अधिक पौधे लगाए गए हैं। इनमें से 62 पार्क गांधीनगर लोकसभा क्षेत्र में हैं, जहां लगभग 16 लाख पौधरोपण किया गया है। इन पार्कों से शहर में हरित क्षेत्र बढ़ेगा।

इलेक्ट्रिक बीआरटीएस बसों का शुभारंभ भी किया

शाह ने 80 नई एयर-कंडीशंड इलेक्ट्रिक बीआरटीएस बसों का शुभारंभ किया। जेबीएम कंपनी की ओर से जीसीसी मॉडल के तहत संचालित इन बसों पर हर वर्ष लगभग 42 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। इन बसों के शुरू होने से यात्रियों को आधुनिक, आरामदायक, वातानुकूलित और प्रदूषण मुक्त यात्रा की सुविधा मिलेगी।फिलहाल यहां 333 बसें हैं, जिनमें 200 संचालित हो रही हैं। अब पहले चरण में 80 नई इलेक्ट्रिक एसी बसें शामिल की जा रही हैं। भविष्य में पूरी बीआरटीएस सेवा को इलेक्ट्रिक फ्लीट में बदलने की योजना बनाई गई है। इसके लिए एएमटीएस और बीआरटीएस के लिए कुल 325 इलेक्ट्रिक एसी बसों की मंजूरी पहले ही दी जा चुकी है।

एक पेड़ मां के नाम अब जन आंदोलन बन गया

शाह ने कहा कि भारत का हरित आवरण बढ़ाने के उद्देश्य से शुरू किया गया 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान जन आंदोलन बन चुका है और भावी पीढ़ियों के लिए पृथ्वी को रहने योग्य बनाए रखने की दृष्टि से यह बेहद महत्वपूर्ण है। गृहमंत्री शाह ने अहमदाबाद नगर निगम के पौधरोपण कार्यक्रम और विकास परियोजनाओं की शुरुआत करते हुए कहा कि वह 2029 तक अपने संसदीय क्षेत्र गांधीनगर में हरित आवरण 20 प्रतिशत बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

योगी ने शुरू किया 'पौधरोपण महायज्ञ'

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ ने रविवार को गोरखपुर से 'प्रदेशव्यापी पौधरोपण महायज्ञ-2026' का शुभारंभ किया। उन्होंने गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे के समीप और आरकेबीके के पास ताल रिंग रोड के किनारे 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधा लगाया। सीएम योगी के साथ मंत्री संजय निषाद व अरुण कुमार सक्सेना समेत कई लोग मौजूद रहे।

संसद का मानसून सत्र

19 जुलाई को सर्वदलीय बैठक में सरकार बताएगी विधायी एजेंडा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

संसद के मानसून सत्र की शुरुआत से एक दिन पहले 19 जुलाई को सरकार ने सर्वदलीय बैठक बुलाई है। यह बैठक सुबह 11 बजे शुरू होगी। संसद के प्रत्येक सत्र से पहले आयोजित होने वाली इस बैठक में सरकार अपने विधायी एजेंडे की जानकारी देगी, जबकि विपक्षी दल उन मुद्दों को सामने रखेंगे जिन्हें वे सत्र के दौरान उठाना चाहते हैं।अधिकारियों का कहना है कि सरकार का विधायी एजेंडा इस बार काफी व्यापक है और सत्र के दौरान कई अहम विधेयकों पर चर्चा होने की संभावना है। कुछ विपक्षी दलों में मतभेद और विभाजन के कारण सत्र हंगामेदार रह सकता है। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू पहले ही घोषणा कर चुके हैं कि संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से 13 अगस्त तक चलेगा। उन्होंने कहा था कि भारत सरकार की सिफारिश पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संसद के दोनों सदनों का मानसून सत्र 20 जुलाई 2026 से 13 अगस्त 2026 तक बुलाने को मंजूरी दी है।

बंगाल चुनावों के बाद हो रहा सत्र

विधानसभा चुनावों में हार के बाद तृणमूल कांग्रेस में उथल-पुथल देखने को मिली है। पार्टी के 20 सांसदों ने 'नेशनल सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया' में विलय कर लिया है। इन सांसदों ने लोकसभा में अलग aबैठने की व्यवस्था की मांग भी की है। इसके अलावा, पार्टी के तीन सांसदों ने राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा देकर भाजपा का दामन थाम लिया है।

विपक्ष इन मुद्दों को उठाएगा

शिवसेना (यूबीटी) में भी विभाजन हुआ है। लोकसभा में पार्टी के 6 सांसद महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल हो गए हैं। राज्यसभा में आपके 7 सांसद पहले ही भाजपा में शामिल हो चुके हैं। सत्र के दौरान विपक्ष की ओर से नीट-यूजी पेपर लीक का मामला और ऑपरेशन सिंदूर में हुई हताहतों को लेकर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की टिप्पणियों का मुद्दा उठाए जाने की संभावना है। कांग्रेस ने रक्षा मंत्री के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस भी दिया है। प्रस्तावित 130वें संविधान संशोधन विधेयक की जांच कर रही संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के 17 जुलाई को अपनी रिपोर्ट अपनाने की उम्मीद है। इसके बाद समिति संसद में अपनी रिपोर्ट पेश करेगी।

कर्नाटक में परिवहन मंत्री ही शिकार

छुट्टे पैसे नहीं दे सकते तो उतरो कंडक्टर ने बस से नीचे उतारा

एजेंसी ▶▶ बेंगलुरु

कर्नाटक के परिवहन मंत्री बायराथी सुरेश ने बेंगलुरु में शनिवार रात एक औचक निरीक्षण करने निकले और वह एक बस में चढ़े। कंडक्टर ने मंत्री को बस से नीचे उतरने की हिदायत दे दी। मंत्री ने बेंगलुरु में 2 घंटे तक 10 से अधिक बीएमटीसी बसों में मास्क पहनकर सफर किया, ताकि सेवाओं का निरीक्षण कर सकें। ड्राइवर और कंडक्टर को सस्पेंड कर दिया। खुले पैसे न होने से उन्हें उतार दिया।

मंत्री चुपचाप उतर गए

100 रुपए का नोट देख कंडक्टर ने उनसे खुल्ले पैसे मांगे। जब मंत्री ने कहा कि उनके पास खुल्ले पैसे नहीं है तो कंडक्टर ने कहा उसके पास भी छुट्टा पैसे नहीं है। उसने कहा कि अगर उनके पास छुट्टा पैसे नहीं है तो वह बस से उतर जाएं। कंडक्टर को इस बात का जरा भी आभास नहीं था कि वह राज्य के परिवहन मंत्री हैं। इसके बाद मंत्री चुपचाप बस से उतर गए।

कोलकाता में 'स्पेशल 26' की तरह लूट

पुलिस के भेष में आए लुटेरों ने कारोबारी से लूटे 2 करोड़

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

राजधानी कोलकाता के एक कारोबारी के दफ्तर में शुक्रवार को पुलिस का भेष बनाकर आए लुटेरों ने रेड के बहाने कथित तौर पर 2 करोड़ रुपए लूट लिए। यह घटना फिल्म स्पेशल 26 से मेल खाती है। पुलिस ने कहा कि लुटेरों ने दक्षिणी कोलकाता के कारोबारी को बताया कि वे पुलिस डिटेक्टिव हैं और प्रतापादित्य रोड पर स्थित उनके ऑफिस में भारी मात्रा में कैश की तलाशी लेने आए हैं।

कारोबारी और कर्मचारियों के फोन जब्त कर लिए

पुलिस ने बताया कि लुटेरों ने पहले कारोबारी को फर्जी पहचान पत्र दिखाए और फिर कारोबारी और उनके कर्मचारियों के फोन भी जब्त कर लिए। लुटेरों ने कर्मचारियों को धमकाया कि उनसे ऑफिस में रखे कैश के बारे में पूछताछ की और पता लगाया कि वह एक वॉल्ट (तिजोरी) में रखा है।

दो शहरों में महिलाओं ने पार्टी पर लगाए सनसनीखेज आरोप

यूटीबी के पूर्व सांसद पर बहू के गंभीर आरोप

गोमूत्र पिलाया, बाल नोचे और मानसिक-शारीरिक प्रताड़ना दी

एजेंसी ▶▶ मुंबई

उद्धव ठाकरे गुट के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद विनायक राउत के परिवार के खिलाफ उनकी बहू गिरिजा राउत ने मानसिक व शारीरिक प्रताड़ना और अंधविश्वास से जुड़े कई सनसनीखेज आरोप लगाए हैं। बहु की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।दरअसल, विनायक राउत की बहू गिरिजा राउत ने आरोप लगाया है कि पति की बांझपन की समस्या को लेकर ससुराल वालों ने उसे तांत्रिकों के पास जाने, अंधविश्वास के नाम पर बाल नोचने और जबरन गोमूत्र पीने पर मजबूर किया।

पूर्व टीएमसी विधायक पर आरोप

बाल मुंडवाए, ब्लेड से जीभ काटने की कोशिश भी की

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के बरुईपुर में छठी की छात्रा के साथ कुछ दिन पहले ही रेप और हत्या का मामला सामने आया था। इसके कुछ दिनों बाद 30 साल की एक महिला ने आरोप लगाया है कि नरेंद्रपुर में प्रॉपर्टी के झगड़े को लेकर टीएमसी की पूर्व विधायक फिरदौसी बेगम से जुड़े कुछ लोगों ने उसके साथ मारपीट की। उसके साथ मारपीट की गई, उसके बाल मुंडवा दिए गए और हमलावरों ने ब्लेड से उसकी जीभ काटने की कोशिश की।

कालेश्वरम प्रोजेक्ट पर बीआरएस और रेवंत रेड्डी भिड़े

किसी ने साइको कहा तो कोई बेल्ट ट्रीटमेंट पर उतरा, बीआरएस ने माफी की मांग की

सियासी विवाद और तेज हो गया

एजेंसी ▶▶ हैदराबाद

तेलंगाना में कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना को लेकर सियासी विवाद और तेज हो गया है। सीएम रेवंत रेड्डी की प्रोजेक्ट पर की गई टिप्पणियों को लेकर विपक्षी भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने कड़ा विरोध जताया है। बीआरएस ने रेड्डी से बिना शर्त माफी मांगने की मांग की है। विवाद की वजह सीएम का वह बयान था जिसमें उन्होंने विपक्षी नेताओं को 'बेल्ट ट्रीटमेंट' देने की बात कही। उन्होंने यह भी

कहा कि अगर उनका खून, अहंकार और चर्बी खेतों में गिरे तो किसान उसकी खाद के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं। उन्होंने बीआरएस नेताओं केटी.रामाराव और टी. हरीश राव पर भी तीखा हमला बोलते हुए उन्हें कालेश्वरम परियोजना में कूद जाने तक की टिप्पणी कर दी।

बीआरएस ने रेड्डी पर साधा निशाना

बीआरएस के हरीश राव ने कहा कि अगर किसानों को पानी देने में उनका खून ही बाधा है तो वे इसके लिए भी तैयार हैं, लेकिन किसानों को सिंचाई का पानी मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि राजनीतिक आलोचना लोकतंत्र का हिस्सा है, लेकिन विपक्ष का खून खेतों में बहाने या बेल्ट ट्रीटमेंट जैसी भाषा का प्रयोग स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने मुख्यमंत्री से सार्वजनिक गलती स्वीकार कर बिना शर्त माफी मांगने की मांग की।

केंद्रीय मंत्री बिट्टू का 'सतलुज' के निर्माताओं को चैलेंज

'25 हजार लापता' वाले आंकड़े को सही साबित करो

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिलजीत दोसांझ की फिल्म सतलुज को ओटीटी प्लेटफॉर्म से हटा दिया गया है। इस बीच केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने कहा कि फिल्म के निर्माताओं ने विवादित दावों को स्थापित इतिहास के तौर पर पेश करने के लिए क्रिएटिव फ्रीडम की ढाल का इस्तेमाल नहीं कर सकते। बिट्टू ने कहा कि मैं निर्माताओं और डायरेक्टर को खुली चुनौती देता हूं कि वे पंजाब के लोगों के सामने वे सभी डॉक्यूमेंट्री सबूत, रिकॉर्ड, न्यायिक नतीजे और प्रमाणित डेटा पेश करें।

प्रमाणित डेटा पेश करें, जिसके आधार पर इसे पेश किया

संवैधानिक और कानूनी विकल्प पर विचार करेंगे

बिट्टू ने कहा कि अगर सतलुज के निर्माता सही समय में डॉक्यूमेंट्री सबूत पब्लिक करने में नाकाम रहे, तो वह सभी मौजूद संवैधानिक और कानूनी विकल्प पर विचार करेंगे ताकि यह पक्का हो सके कि इतिहास देश के सामने फैक्ट्स के उलट तरीके से पेश न किया जाए। पंजाब के मानवाधिकार कार्यकर्ता जसवंत सिंह खालड़ा के जीवन पर बनी फिल्म सतलुज इन दिनों पंजाब के कई गांवों में दिखाई जा रही है। ऐसा ही एक गांव लुधियाना के जंगपुर में है, जहां एक गुरुद्वारे के बगल में खाली प्लॉट में गुरुवार की रात को फिल्म की स्क्रीनिंग की गई।

इतिहास कहानियों के आधार पर नहीं लिखा जा सकता

बिट्टू ने कहा कि पंजाब का इतिहास चुनिंदा कहानियों के आधार पर दोबारा नहीं लिखा जा सकता। हमेशा प्रोपेगैंडा से, फैक्ट्स को फिक्शन से और सबूतों को इमोशंस से ज़्यादा जीतना चाहिए। पंजाब में मिलिटेंट्स द्वारा हिंदुओं, बस पैसेंजर्स, दुकानदारों, कर्मचारियों को क्यों दिखाय गया।

अनुमान के आधार पर क्यों पेश किया गया?

बिट्टू ने कहा कि अगर यह आंकड़ा सिर्फ एक अनुमान या आरोप पर आधारित है, तो इसे फिल्म में एक निर्विवाद ऐतिहासिक तथ्य के रूप में क्यों पेश किया गया है? दर्शकों को यह क्यों नहीं बताया गया कि यह संख्या किसी न्यायिक कमीशन द्वारा पक्के तौर पर स्थापित नहीं की गई है? इससे भी ज्यादा परेशान करने वाली बात यह है कि पंजाब के उग्रवाद के दौर के इतिहास को एकतरफा तरीके से पेश किया गया है।

डोडा

केदारनाथ यात्रा पर बारिश की मार, सोनप्रयाग के पास भूस्खलन से हाईवे बंद

पहलगाम में बादल फटा, कई सड़कें बह गईं उत्तराखंड में लैंडस्लाइड से 126 रास्ते हुए बंद

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में जहां मानसून की रफ्तार थमी है, वहीं पहाड़ी राज्यों में बारिश के चलते नदियों का जलस्तर बढ़ने लगा है। शनिवार रात जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में बादल फटने के बाद बाढ़ आई। कई खेत बर्बाद हो गए, सड़क बह गई। उत्तराखंड के विकासनगर में भारी बारिश के कारण लखवाड़ हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट के पास लैंडस्लाइड हुआ। कई गाड़ियां और मशीनें मलबे में दब गईं। रविवार को उत्तराखंड में भारी बारिश से लैंडस्लाइड हुआ, जिससे दो नेशनल हाईवे समेत 126 सड़कें बंद हो गईं।

- ▶▶ देहरादून में दीवार गिरने से महिला की मौत, कई घर खाली कराए गए
- ▶▶ यमुनोत्री हाईवे पर मरम्मत का काम लैंडस्लाइड के कारण बंद

पहलगाम

ऋषिकेश

कई परिवारों ने घर छोड़े

वहीं, देहरादून में दीवार गिरने से एक महिला घायल हो गई और सात परिवारों को अपना घर खाली करना पड़ा। यमुनोत्री हाईवे पर मरम्मत का काम चल रहा है, जो स्यानाचट्टी में लैंडस्लाइड की वजह से पिछले तीन दिनों से बंद है। स्टेट इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर के मुताबिक, पिछले 24 घंटों से लगातार बारिश की वजह से हुए लैंडस्लाइड की वजह से पूरे राज्य में सड़क संपर्क टूट गया।

अनंतनाग

केदारनाथ यात्रा सुचारू रूप से जारी

जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी (डीडीएमओ) नंदन सिंह राजवार ने कहा कि भूस्खलन के कारण बाधित सड़क के अलावा केदारनाथ यात्रा सुचारू रूप से जारी है। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रभावित मार्ग जल्द ही फिर से खोल दिया जाएगा। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग में लगातार हो रही बारिश के कारण हुए भूस्खलन ने केदारनाथ यात्रा में परेशानी खड़ी कर दी है।

उत्तराखंड में 120 सड़कें और 3 नेशनल हाईवे बंद

- **रुद्रप्रयाग (सोनप्रयाग):** मुनकटिया के पास भारी भूस्खलन से केदारनाथ नेशनल हाईवे बंद हुआ है।
- **उत्तरकाशी:** यमुनोत्री नेशनल हाईवे पर स्यानाचट्टी के पास भूस्खलन के कारण लगभग 100 मीटर सड़क पूरी तरह बह गई, जिससे सैकड़ों तीर्थयात्री फंस गए (जिन्हें एसडीआरएफ ने रस्सियों के सहारे सुरक्षित निकाला)। गंगोत्री हाईवे पर नालू पानी के पास भी भारी मलबा आने से रास्ता बाधित हुआ।
- **टिहरी गढ़वाल:** मसूरी मोड़ (कैम्प्टी) के पास लैंडस्लाइड की वजह से नैनबाग रूट प्रभावित रहा।
- **हिमाचल:** पहाड़ दरक रहे हैं और नदियों का जलस्तर बढा
- **शिमला:** शिमला के संजौली (बोथवेल एस्टेट) इलाके में भीषण भूस्खलन का खतरा पैदा हो गया है, जिसके चलते कई मकानों के ढहने की आशंका है और लोग रातभर घरों से बाहर रहने को मजबूर हुए। इसके अलावा राजहाना गांव और शिमला की मुख्य कार्ट रोड पर भारी मलबा और पेड़ गिरने से गाड़ियाँ दब गईं और ट्रैफिक ठप हो गया।
- **किन्नौर व सांगला:** किन्नौर में लैंडस्लाइड और बाढ़ के कारण सांगला में एक बेली ब्रिज (**Bailey bridge**) ढह गया और लिप्पा में बाढ़ का पानी घरों में घुस गया।

उत्तर-पूर्वी राज्य

- **मेघालय और मिजोरम:** भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार उत्तर-पूर्वी राज्यों, विशेषकर मेघालय के पहाड़ी इलाकों में अत्यधिक भारी बारिश के कारण छोटे पैमाने पर भूस्खलन और सड़कें ब्लॉक होने की खबरें हैं।

खबर संक्षेप

पूर्व अमीर शेख के निधन पर पीएम ने जताया शोक

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कतर के पूर्व अमीर और 'फादर अमीर' शेख हमद बिन खलीफा अल थानी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। सोशल मीडिया मंच एक्स पर उन्होंने शेख हमद को दूरदर्शी नेता बताते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में कतर ने विकास और समृद्धि के नए आयाम स्थापित किए। पीएम मोदी ने उन्हें भारत का सच्चा मित्र भी बताया उन्होंने कतर के मौजूदा अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी, शाही परिवार और देश की जनता के प्रति उन्होंने संवेदनाएं भी व्यक्त कीं।

भारत पर 500% टैरिफ की धमकी देने वाले का निधन

वॉशिंगटन। अमेरिका के रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम का 71 वर्ष की उम्र में संक्षिप्त और अचानक हुई बीमारी के बाद निधन हो गया। उनके कार्यालय ने मौत की पुष्टि करते हुए परिवार की ओर से निजता बनाए रखने की अपील की है।दक्षिण कैरोलिना से सीनेटर रहे ग्राहम हाल के महीनों में रूस से तेल खरीदने को लेकर भारत के मुखर आलोचक रहे थे। उन्होंने रूस से ऊर्जा खरीदने वाले देशों पर 500% तक टैरिफ लगाने के प्रस्तावित विधेयक का समर्थन किया था।

ओमान तट के पास एक व्यापारी जहाज जीएफसी गैलेक्सी पर हमला हुआ

जिस जहाज पर 11 भारतीय सवार थे उसी पर दाग दी मिसाइल, एक हुआ लापता 10 सुरक्षित

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

ओमान तट के पास एक व्यापारी जहाज जीएफसी गैलेक्सी पर हमला हुआ। भारत के विदेश मंत्रालय ने रविवार को बताया कि इस जहाज पर 11 भारतीय नागरिक सवार थे। इनमें से 10 को सुरक्षित बचा लिया गया है, जबकि एक भारतीय अब भी लापता है।

भारत ने हमले की कड़ी निंदा की है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि मस्कट में भारतीय दूतावास ओमान सरकार के साथ मिलकर लापता भारतीय की तलाश और बचाव अभियान पर लगातार नजर रखे हुए है। भारत ने इस अभियान में सहयोग के लिए ओमानी अधिकारियों का धन्यवाद भी दिया।

भारत ने कहा कि क्षेत्र में व्यापारी जहाजों और नागरिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाना तुरंत बंद होना चाहिए। साथ ही तनाव कम करने और बातचीत के जरिए समाधान निकालने की अपील की। विदेश मंत्रालय ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों पर बिना किसी बाधा के जहाजों की आवाजाही जल्द बहाल होनी चाहिए। ओमान के मैरिटाइम सिक्योरिटी सेंटर ने बताया कि हमले का शिकार हुए मालवाहक जहाज 'जीएफएस गैलेक्सी' से 23 नाविकों को सुरक्षित बचा लिया गया है। हालांकि, एक नाविक की तलाश अब भी जारी है।

होर्मुज बंद होने से भड़का अमेरिका किए कई हमले | ईरान ने कहा होर्मुज ही हमारी ताकत है नहीं खोलेंगे

एआई इमेज

होर्मुज बंद करने पर भड़का अमेरिका, भीषण बमबारी

पश्चिम एशिया में तनाव चरम पर पहुंच गया है। ईरान द्वारा सामरिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य को पूरी तरह बंद करने और साइप्रस के एक मालवाहक जहाज पर हमला करने के जवाब में अमेरिकी सेना ने ईरान पर जोरदार हवाई हमले शुरू कर दिए हैं। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के अनुसार, ईरान के तटीय शहरों बंदर अब्बास और सिरिक में स्थित रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के ठिकानों को निशाना बनाया गया है। अमेरिका के रक्षामंत्री पीट हेगसेथ ने कहा ईरान ने बेहद गलत फैसला किया है। अब उन्हें इसकी भारी कीमत चुकानी होगी। यह कार्रवाई दोनों देशों के बीच हाल ही में हुए कमजोर सीजफायर समझौते को तोड़ती नजर आ रही है। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि ईरान ने वाणिज्यिक जहाजों पर हमला कर अंतरराष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन किया है।

बहरीन बोला- ईरान नागरिकों को निशाना बना रहा

बहरीन की सेना ने आरोप लगाया है कि ईरान लगातार मिसाइल और ड्रोन हमले कर रहा है, जिनमें नागरिकों को निशाना बनाया जा रहा है। सेना ने दावा किया कि उसकी एयर डिफेंस प्रणाली ने इन हमलों को नाकाम कर दिया। अल जजीरा के मुताबिक बहरीन ने बयान में कहा कि देश की सभी सैन्य इकाइयां पूरी तरह सतर्क हैं और देश की सुरक्षा के लिए हर समय तैयार हैं। बहरीन ने अपने नागरिकों से भी सतर्क रहने की अपील की। उसने कहा कि ईरान की ये कार्रवाई अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का स्पष्ट उल्लंघन है।

अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर अचूक मिसाइलों से हमला

होर्मुज पर बढ़ते तनाव के बीच ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने रविवार को अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर भीषण हमला कर तबाही मचाई है। आईआरजीसी द्वारा जारी फुटेज के अनुसार, इस हमले में ईरान ने अपनी सैन्य शक्ति का प्रदर्शन करते हुए सबसे घातक और 'रेसिजन गाइडेड बैलिस्टिक मिसाइलों का इस्तेमाल किया। इस हमले में मिसाइलों के साथ आत्मघाती ड्रोन्स का भी सैल्वो अटैक किया गया। जॉर्डन और बहरीन स्थित अमेरिकी बेस को निशाना बनाने वाले इस हमले के बाद वैश्विक ऊर्जा बाजार में हड़कंप मच गया है और कच्चे तेल की कीमतें बढ़ गई हैं।

ईरान के बड़े हथियारों ने यूएस को हैरान किया

कद्र: 2,000 किमी रेंज वाली इस मध्यम दूरी की मिसाइल ने रणनीतिक ठिकानों को निशाना बनाया।
एमाद: 1,700 किमी रेंज और री-एंट्री व्हीकल तकनीक से लैस, जो हवा में दिशा बदलकर डिफेंस सिस्टम को चकमा देती है।
खैबर शेकन: 1,450 किमी रेंज वाली इस ठोस ईंधन मिसाइल ने अपनी तीव्र गति से दुश्मन के मिसाइल डिफेंस को भेदा।
फतेह-110 व जोल्फागार: कम व मध्यम दूरी की इन मिसाइलों ने सटीक और मल्टीपल विस्फोटों (सबमुनिशन) से भारी नुकसान पहुंचाया।

21 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया था

वियतनाम से 16 भारतीय पर्यटक लौट रहे, एक लड़ रहा जिंदगी से

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

वियतनाम के फु क्वोक द्वीप के पास हुए दर्दनाक स्पीडबोट हादसे में बचाए गए 16 भारतीय पर्यटक अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद स्वदेश लौट रहे हैं। वहीं हादसे में जीवित बचे एक भारतीय पर्यटक का अब भी अस्पताल में इलाज चल रहा है। इस हादसे में 15 भारतीय पर्यटकों की मौत हो गई थी। हनोई स्थित भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि हादसे में बचाए गए 15 पर्यटकों को इलाज के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है और वे भारत लौट रहे हैं।

- मृतकों में 10 तमिलनाडु, 3 आंध्र प्रदेश और 2 केरल के हैं

गंभीर रूप से घायल दो मरीजों में से एक को भी अस्पताल से छुट्टी मिल चुकी है और वह भारत के लिए रवाना हो गया है। जबकि दूसरा घायल अब भी फु क्वोक के एक अस्पताल में उपचाराधीन है। भारतीय दूतावास ने बताया कि दूतावास और वाणिज्य दूतावास की टीमें फु क्वोक में मौजूद हैं और जरूरत पड़ने पर हर संभव सहायता उपलब्ध करा रही हैं। भारतीय दूतावास की ओर से साझा की गई सूची के अनुसार, हादसे में जान गंवाने वाले 15 भारतीयों में 10 तमिलनाडु, तीन आंध्र प्रदेश और दो केरल के रहने वाले थे। मृतकों में दो महिलाएं भी शामिल हैं। सभी 15 शव बरामद कर लिए गए हैं। फिलहाल हादसे की सटीक वजह का पता नहीं चल सका है। मामले की जांच जारी है।

वियतनाम सरकार करा रही जांच

स्थानीय मीडिया के अनुसार, वियतनाम के प्रधानमंत्री ले मिन्ह हुंग ने हादसे की जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को दुर्घटना के कारणों का पता लगाने और लापरवाही के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए हैं।

दक्षिण चीन सागर विवाद

ड्रैगन के दावों पर 14 देशों और ईयू ने जताई आपत्ति, बीजिंग ने फैसला नकारा

एजेंसी ▶▶ मनीला

दक्षिण चीन सागर पर चीन के वर्चस्व को लेकर वैश्विक मंच पर एक बार फिर तनाव गहरा गया है। अमेरिका और ब्रिटेन समेत 14 देशों और 27 देशों वाले यूरोपीय संघ (ईयू) ने 2016 के अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता फैसले का समर्थन दोहराते हुए चीन के बड़े दावों को गैरकानूनी करार दिया है।

संयुक्त बयान में इन देशों ने विवादित समुद्री क्षेत्र में चीन की अस्थिरता पैदा करने वाली सैन्य कार्रवाइयों को क्षेत्रीय शांति के लिए बड़ा खतरा बताया है। बता दें 12 जुलाई 2016 को हेग स्थित

अंतरराष्ट्रीय न्यायाधिकरण ने फिलीपींस के पक्ष में फैसला सुनाते हुए कहा था कि संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून समझौते के तहत दक्षिण चीन सागर के संसाधनों पर चीन के ऐतिहासिक दावों का कोई कानूनी आधार नहीं है। यह फैसला अंतिम और कानूनी रूप से बाध्यकारी है। चीन ने इस फैसले को शुरू से ही अमान्य और एकतरफा बताते हुए पूरी तरह खारिज कर दिया है।

चीन ने कहा किसी दावे को स्वीकार नहीं करेंगे

चीनी विदेश मंत्रालय का कहना है कि वह इस फैसले के आधार पर किए गए किसी भी दावे को स्वीकार नहीं करेगा। आज भी चीन लगभग पूरे दक्षिण चीन सागर पर अपना दावा ठोकता है। हाल के वर्षों में इस व्यस्त व्यापारिक मार्ग में चीनी तटरक्षकों द्वारा फिलीपींस और वियतनाम के जहाजों पर पानी की बौछार करने, लेजर का इस्तेमाल करने और रास्ता रोकने जैसी हिंसक घटनाएं बढ़ी हैं। अमेरिका ने स्पष्ट किया है कि यदि फिलीपींस के जहाजों या बलों पर सशस्त्र हमला हुआ।

बेटा भी मिला खून से लथपथ

भारतीय मूल की गूगल अधिकारी शीतल की गोली मारकर हत्या

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिका के जॉर्जिया राज्य में भारतीय मूल की गूगल की वरिष्ठ टेक्नोलॉजी एग्जीक्यूटिव शीतल व्रजेसियन की कथित तौर पर उनके पति ने गोली मारकर हत्या कर दी। इस घटना में उनका 23 वर्षीय बेटा जेसन व्रजेसियन भी गोली लगने से घायल हो गया। पुलिस ने आरोपी 56 वर्षीय किर्क बी. व्रजेसियन को अटलांटा के पास कॉब काउंटी स्थित घर से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के

अनुसार, स्मर्ना शहर में मंगलवार रात गोलीबारी की सूचना मिलने पर अधिकारी मौके पर पहुंचे, जहां घर के अंदर 57 वर्षीय शीतल गंभीर रूप से घायल मिलीं। अस्पताल ले जाने से पहले ही उनकी मौत हो गई। वहीं, बेटा जेसन घर के बाहर घायल अवस्था में मिला, जिसे तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया। कॉब काउंटी पुलिस ने आरोपी पर हत्या, गंभीर मारपीट और हथियार रखने समेत कई आपराधिक धाराओं में मामला दर्ज किया है।

चप्पे-चप्पे पर तैनात हैं 1 लाख सुरक्षाकर्मी

नई दिल्ली। तीन जुलाई से शुरु हुई और 57 दिन तक चलने वाली अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा व्यवस्था काफी मजबूत की गई है।जम्मू-कश्मीर और यात्रा मार्गों (बालटाल और पहलगाम दोनों रूटों) पर 1 लाख से अधिक सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की लगभग 670 कंपनियां सुरक्षा ग्रिड, बेस कैंपों, राजमार्गों और संवेदनशील ऊंचाइयों पर तैनात की गई हैं, जिसमें भारतीय सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस मुख्य भूमिका निभा रहे हैं।आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, पहले ही हफ्ते में अब तक 1 लाख 60 हजार से अधिक भक्त पवित्र गुफा में बाबा बर्फानी के दर्शन कर मत्था टेक चुके हैं। इस वर्ष यात्रा के लिए करीब 4 लाख लोगों ने एडवांस रजिस्ट्रेशन कराया है।

भारत दूसरा सबसे बड़ा खरीदार

रूस से 49 हजार करोड़ का तेल खरीदा, बनाया रिकॉर्ड

एजेंसी ▶▶ ढाका

भारत ने जून 2026 में रूस से रिकॉर्ड 4.5 अरब यूरो (करीब 49 हजार करोड़ रुपये) का कच्चा तेल खरीदकर दुनिया को चौंका दिया है। सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर की रिपोर्ट के अनुसार, इस अवधि में भारत ने रूस से कुल 5.5 अरब यूरो के हाइड्रोकार्बन आयात किए, जिनमें 83% हिस्सेदारी अकेले क्रूड ऑयल की रही। मई के मुकाबले यह खरीद 34% अधिक रही। इसके साथ ही भारत, चीन के बाद रूस से कच्चा तेल खरीदने वाला दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा देश बन गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत की बढ़ती मांग से रूस के तेल निर्यात की मात्रा 14% बढ़ी, लेकिन अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतों में नरमी और भारी छूट के कारण रूस की तेल बिक्री से दैनिक आय 8% घटकर 348 मिलियन यूरो रह गई। भारत रूस से रियायती दरों पर खरीद रहा है।

उग्रवादी नारे और साबिर को धारदार हथियार के साथ धमकी देते हुए दिखाया गया

वीडियो में हथियार और विस्फोटक भी दिखाया गया

ढाका में मार्शल आर्ट्स संस्था की आड़ में चल रहे आतंकी नेटवर्क का भंडाफोड़, विदेशी कनेक्शन भी सामने आया

एजेंसी ▶▶ ढाका

बांग्लादेश में मार्शल आर्ट्स प्रशिक्षण संस्थान की आड़ में चल रहे एक संदिग्ध उग्रवादी संगठन के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। ढाका महानगर पुलिस की आतंकवाद-विरोधी और सीमा पार अपराध इकाई ने इस जांच के सिलसिले में संगठन के प्रमुख शाह अमानत साबिर सहित कई अन्य लोगों को गिरफ्तार किया है। बांग्लादेश संवाद संस्था की रिपोर्ट के अनुसार, पकड़े गए सभी लोग खुलना स्थित मार्शल आर्ट्स प्रशिक्षण संस्थान फतह कॉम्बेट सिस्टम के छात्र और प्रशिक्षक हैं। जांचकर्ता इस गुप्त नेटवर्क के प्रमुख शाह अमानत साबिर के मोबाइल फोन से मिले एक वीडियो क्लिप की गहन जांच कर रहे हैं।

आतंकी गतिविधियों के मामले में एक दर्जन लोगों के नाम सामने आए

अरबी भाषा के गाने से किया जा रहा था प्रचार, वीडियो भी आया

पुलिस के मुताबिक, लगभग ढाई मिनट के इस वीडियो में रात के समय एक ग्रामीण सड़क पर विस्फोट, उग्रवादी नारे और साबिर को धारदार हथियार के साथ धमकी देते हुए दिखाया गया है, जिसके बैकग्राउंड में आतंकी संगठन आईएसआईएस के प्रचार से जुड़ा एक अरबी गीत चल रहा था। इस मामले में नेशनल सिटिजन्स पार्टी के एक सदस्य की संलिप्तता की भी जांच की जा रही है, जिसका गठन साल 2024 में शेख हसीना विरोधी छात्र आंदोलनों के बाद मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के दौरान हुआ था। आतंकवाद-विरोधी अभियान के तहत गिरफ्तार लोगों में इस पार्टी की शहर संयोजक समिति के संयुक्त सदस्य सचिव अताउल्लाह शाह भी शामिल हैं, जिन्हें गिरफ्तारी के बाद पार्टी से निष्कासित कर दिया गया है। शाह को जत्राबाड़ी पुलिस थाना क्षेत्र से छह अन्य लोगों के साथ पकड़ा गया था।

मुंबई के ताज होटल को बम से उड़ाने की धमकी

मुंबई के ताज महल पैलेस होटल को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। रविवार को नवी मुंबई पुलिस के पास आए एक अज्ञात कॉल में धमकी दी गई ताज होटल को बम उड़ा दिया जाएगा।

दिल्ली में लॉरेंस बिश्नोई गैंग के तीन शूटर गिरफ्तार

दिल्ली में रोहिणी जिला स्पेशल स्टाफ टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़े तीन शूटरों को गिरफ्तार किया है। इनमें से दो आजमगढ़ और एक दिल्ली का रहने वाला है।

चिंतन

अंतरराष्ट्रीय कानूनों का घोर उल्लंघन है जहाजों पर हमले

समुद्र केवल देशों की सीमाओं को जोड़ने वाला माध्यम नहीं, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था की जीवनरेखा भी है। दुनिया के लगभग 80 प्रतिशत से अधिक व्यापार का संचालन समुद्री मार्गों से ही होता है। ऐसे में यदि अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में चल रहे व्यापारिक जहाजों पर हमले होने लगे, तो यह केवल किसी एक देश पर हमला नहीं, बल्कि वैश्विक व्यापार व्यवस्था, अंतरराष्ट्रीय कानून और सामूहिक सुरक्षा व्यवस्था को खुली चुनौती है। यह एक तरह से अंतरराष्ट्रीय कानूनों का घोर उल्लंघन है। ओमान तट के पास व्यापारी जहाज 'जीएफएस गैलेक्सी' पर हुआ हमला इसी बढ़ते खतरे का ताजा उदाहरण है। इस जहाज पर 11 भारतीय नागरिक सवार थे, जिनमें से 10 को सुरक्षित बचा लिया गया है, जबकि एक नाविक अब भी लापता है। भारत ने इस हमले की कड़ी निंदा करते हुए स्पष्ट कहा है कि व्यापारी जहाजों और नागरिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाना तुरंत बंद होना चाहिए। मस्कट स्थित भारतीय दूतावास ओमान सरकार के साथ मिलकर लापता भारतीय की तलाश में जुटा है। चिंता की बात यह है कि यह हमला ऐसे समय हुआ है, जब पश्चिम एशिया पहले से ही ईरान-अमेरिका तनाव, परमाणु विवाद और सैन्य टकराव के कारण अस्थिर बना हुआ है। होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री व्यापारिक मार्गों में शामिल है। वैश्विक तेल आपूर्ति का बड़ा हिस्सा इसी रास्ते से गुजरता है। यदि इस क्षेत्र में असुरक्षा बढ़ती है, तो इसका सीधा असर ऊर्जा आपूर्ति, तेल की कीमतों, माल ढुलाई और पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ना तय है। ईरान के वरिष्ठ नेता होर्मुज को अपनी रणनीतिक शक्ति बता रहे हैं, जबकि अमेरिका इस क्षेत्र में सैन्य कार्रवाई तेज कर रहा है। दोनों देशों के बीच बढ़ता टकराव केवल दो राष्ट्रों का विवाद नहीं रह गया है, बल्कि इसका खामियाजा उन निर्दोष नाविकों और व्यापारिक जहाजों को भुगतना पड़ रहा है, जिनका किसी सैन्य संघर्ष से कोई संबंध नहीं है। अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानून स्पष्ट रूप से कहता है कि युद्ध या तनाव की स्थिति में भी व्यापारिक जहाजों और नागरिक बुनियादी ढांचे को निशाना नहीं बनाया जा सकता। इसके बावजूद यदि ऐसे हमले जारी रहते हैं, तो यह नियम-आधारित वैश्विक व्यवस्था की विश्वसनीयता पर गंभीर प्रश्नचिह्न है। भारत के लिए यह मामला और भी महत्वपूर्ण है। देश का अधिकांश विदेशी व्यापार समुद्री मार्गों से होता है और लाखों भारतीय नागरिक दुनिया भर के व्यापारिक जहाजों पर काम कर रहे हैं। ऐसे में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा, समुद्री व्यापार की निर्बाध आवाजाही और ऊर्जा आपूर्ति की रक्षा राष्ट्रीय हित का विषय है। भारत को केवल कूटनीतिक बयान तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उसे अपनी समुद्री सुरक्षा नीति को और मजबूत करना होगा। भारतीय नौसेना की सक्रिय तैनाती, मित्र देशों के साथ खुफिया सहयोग, समुद्री निगरानी और संकटग्रस्त क्षेत्रों में त्वरित राहत एवं बचाव क्षमता को और सशक्त बनाना समय की आवश्यकता है। साथ ही, भारत को अपनी संतुलित विदेश नीति का उपयोग करते हुए तनाव कम करने और संवाद को बढ़ावा देने की दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। भारत की विश्वसनीय छवि और सभी पक्षों से संवाद की क्षमता उसे इस दिशा में प्रभावी योगदान देने का अवसर देती है। समुद्र किसी एक देश की जागीर नहीं, बल्कि पूरी मानवता की साझा धरोहर हैं। यदि व्यापारिक जहाज युद्ध का निशाना बनने लगे, तो इसका असर हर देश की अर्थव्यवस्था और आम नागरिकों की जेब पर पड़ेगा। इसलिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय को केवल चिंता व्यक्त करने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि ऐसे हमलों के खिलाफ ठोस और सामूहिक कार्रवाई करनी होगी।

राम मंदिर
उज्ज्वल दीपक

आस्था का संकट नहीं, व्यवस्था की चूक

अयोध्या में श्रीराम लला के दानपात्रों से धन की कथित चोरी की घटना ने व्यापक चर्चा को जन्म दिया है। सनातन धर्म के लिए यह केवल दान की राशि की चोरी नहीं, बल्कि भावनाओं पर चोट है। जब से सरकार ने इस घटना की आधिकारिक जांच शुरू की और पूरे देश की मीडिया में यह खबर प्रमुखता से प्रकाशित की गई, सनातन धर्म का पालन करने वाले भक्तों में एक अलग तरह की जिज्ञासा और शंका उत्पन्न हुई है। प्रथम दृष्टया तो विश्वास ही नहीं हुआ, फिर जब उत्तर प्रदेश सरकार ने एसआईटी का गठन कर इसकी जांच शुरू की, संलिप्त लोगों से पूछताछ की गई और चोरी की गई धनराशि बरामद करने की सूचनाएं आईं तो हिन्दू संवेदनशील समाज को आघात जरूर लगा।

अयोध्या में श्रीराम लला के दानपात्रों से धन की कथित चोरी की घटना ने व्यापक चर्चा को जन्म दिया है। सनातन धर्म के लिए यह केवल दान की राशि की चोरी नहीं, बल्कि भावनाओं पर चोट है। जब से सरकार ने इस घटना की आधिकारिक जांच शुरू की और पूरे देश की मीडिया में यह खबर प्रमुखता से प्रकाशित की गई, सनातन धर्म का पालन करने वाले भक्तों में एक अलग तरह की जिज्ञासा और शंका उत्पन्न हुई हैं। प्रथम दृष्टया तो विश्वास ही नहीं हुआ, फिर जब उत्तर प्रदेश सरकार ने एसआईटी का गठन कर इसकी जांच शुरू की, संलिप्त लोगों से पूछताछ की गई और चोरी की गई धनराशि बरामद करने की सूचनाएं आईं तो हिन्दू संवेदनशील समाज को आघात जरूर लगा। श्रद्धालुओं को अपने द्वारा दान की गई राशि या गहने इत्यादि के विषय में भी आशंका उत्पन्न हुई। कुछ सवाल जो आम जनमानस में हैं कि क्या इससे अयोध्या के भव्य मंदिर की महिमा कम होने की सम्भावना है, क्या सनातन धर्म कमजोर हो जाएगा, क्या करोड़ों लोगों की आस्था समाप्त हो जाएगी, या ये सिर्फ कुछ अपराधियों द्वारा व्यवस्था की कमजोरी का लाभ उठाने की घटना है? इस पूरे घटनाक्रम का एक पक्ष ऐसा भी है, जिसकी चर्चा होनी चाहिए!

इस घटना पर पर्दा डालने का कोई प्रयास नहीं किया गया, सरकार ने तुरंत संज्ञान लिया, मंदिर प्रबंधन ने जांच और आवश्यक कार्रवाई में सहयोग किया, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, संत समाज और विभिन्न हिंदू संगठनों ने भी किसी दोषी को बचाने की वकालत नहीं की, बल्कि दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई और धर्म की मर्यादा की रक्षा की बात कही। यही तो सनातन की सबसे बड़ी विशेषता है। यह आस्था का संकट नहीं, व्यवस्था की चूक है, और व्यवस्था की चूक का समाधान व्यवस्था को मजबूत बनाकर होगा, आस्था पर प्रश्नचिह्न लगाकर नहीं! श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन भारत के इतिहास में सबसे लंबे सामाजिक आंदोलनों में से एक है। यह किसी संगठन का अभियान मात्र नहीं, बल्कि करोड़ों हिंदुओं की सांस्कृतिक चेतना का विषय है। पूरे विश्व से लोग जुड़े, गांव -गांव से कारसेवकों ने अपने अपने स्तर पर योगदान किया, साधु-संतों ने अग्रणी भूमिका निभाई, विश्व हिंदू परिषद ने जन जागरण किया,स्वयंसेवकों ने दशकों तक समाज को संगठित रखा और भारतीय जनता पार्टी, चाहे सत्ता में हो या विपक्ष में, ने इस विषय को केंद्रीय मुद्दा बनाए रखा और श्री राम जन्मभूमि आंदोलन को अपनी वैचारिक प्रतिबद्धता माना। आज की युवा पीढ़ी शायद कल्पना भी नहीं कर सकती कि राम जन्मभूमि आंदोलन कितनी लंबी यात्रा का परिणाम था। 1949 से लेकर 1980 के दशक तक, 1984 की धर्म संसद से लेकर 1990 की कार सेवा तक, 1992 की घटनाओं से लेकर दशकों तक अदालतों में चली सुनवाई तक। फिर सर्वोच्च न्यायालय का ऐतिहासिक निर्णय और संवैधानिक प्रक्रिया के आधार पर अंततः भव्य मंदिर का निर्माण। इसलिए यह मंदिर केवल एक निर्माण नहीं, बल्कि न्यायिक प्रक्रिया, लोकतांत्रिक विश्वास और करोड़ों श्रद्धालुओं के धैर्य का प्रतीक है। जिस मंदिर को देखे बिना हजारों-लाखों साधु-संत स्वर्गवासी हो गए, लाखों कार्यकर्ता बूढ़े हो गए, जिस मंदिर के लिए सैकड़ों परिवारों ने अपनी संतान खो दी और हजारों कारसेवकों

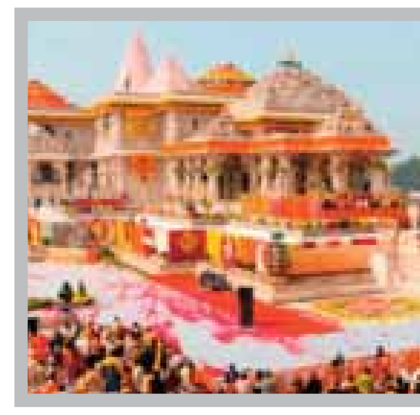

को जेल की हवा कहानी पड़ी, उस मंदिर के दानपात्र से जब चोरी जैसी घटना सामने आती है तो उसका सबसे अधिक दर्द उसी समाज को होता है जिसने इस मंदिर के लिए सबसे अधिक संघर्ष किया है। यह मंदिर केवल एक तीर्थ नहीं, बल्कि पांच सौ वर्षों के धैर्य का परिणाम है। सनातन धर्म व्यक्ति की नहीं, धर्म की रक्षा करता है। यदि कोई अपराध करता है तो वह चाहे कितना ही निकट क्यों न हो, उसके कृत्य का समर्थन नहीं किया जा सकता, और यही धर्म है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने 3 जुलाई 2026 को जारी अपने वक्तव्य में स्पष्ट कहा कि यह घटना करोड़ों रामभक्तों की भावना को आहत करने वाली है। उन्होंने दोषियों को कठोर दंड देने की अपेक्षा व्यक्त की और मंदिर की व्यवस्थाओं को और अधिक पारदर्शी तथा प्रभावी बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। साथ ही उन्होंने समाज से धैर्य बनाए रखने और इस घटना का उपयोग कर हिंदू समाज को बदनाम करने के प्रयासों से सावधान रहने का आह्वान किया। और यही अंतर है। यहां अपराधी बचाने की संस्कृति नहीं है। यहां आत्ममंथन करने की परंपरा है। यही किसी उत्तरदायी समाज की पहचान होती है। दुनिया भर के धार्मिक संस्थान ऐसी घटनाओं से अछूते नहीं रहे हैं। यूरोप के अनेक चर्चों में दानपात्रों की चोरी की सहित ऐतिहासिक चर्चों से बहुमूल्य कलाकृतियां की चोरी की घटनाएं सामने आई हैं। मलेशिया, अमेरिका एवं भारत सहित कई देशों की विभिन्न मस्जिदों में भी चोरी और वित्तीय अनियमितताओं के मामले उजागर हुए हैं। लेकिन इन घटनाओं के आधार पर किसी धर्म की पवित्रता पर प्रश्न नहीं उठाया गया। अपराधियों को दोषी माना गया, धर्म को नहीं। इसी परिपक्वता की जरूरत अब हमारे देश भारत में भी है। हमारा दुर्भाग्य है कि देश की राजनीति में हर घटना को वैचारिक युद्ध का हथियार बनाने की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है। सरकार की जवाबदेही तय करना लोकतंत्र का हिस्सा है और विपक्ष एवं समाज का उस पर प्रश्न पूछना भी उचित है। लेकिन यदि किसी अपराध को पूरे हिंदू समाज, श्री राम मंदिर आंदोलन या सनातन पर हमला करने के अवसर के रूप में प्रस्तुत किया जाए, तो वह स्वस्थ लोकतांत्रिक विमर्श नहीं रह जाता और समाज में अनावश्यक विभाजन पैदा करता है। राजनीतिक प्रतिस्पर्धा और धार्मिक आस्था के बीच की मर्यादा बनाए रखना सभी राजनीतिक दलों एवं संगठनों की साझा जिम्मेदारी है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम इस घटना की जांच पर ध्यान दें, न कि उस आंदोलन को कटघरे में खड़ा करें जिसने संवैधानिक प्रक्रिया के माध्यम से अपना लक्ष्य प्राप्त किया है। आज एक ऐसा नरेटिव फ़ैलाने की कोशिश की जा रही है जहां पूरे सनातन धर्म पर प्रश्न खड़े किये जा रहे हैं. ये दोहरा चरित्र का प्रदर्शन है और इस भ्रम को पूरे देश में फ़ैलाने का काम कुछ लोग करने की कोशिश कर रहे हैं। हमारे सनातन धर्म में आत्ममंथन एक सतत प्रक्रिया है। जब भी भगवान श्रीराम ने अपने जीवन में कठिन निर्णय लिए, उन्होंने स्वयं मर्यादा को सदैव सर्वोपरि रखा। यदि किसी ने मंदिर की संपत्ति पर हाथ डाला है तो वह केवल कानून का अपराधी नहीं, श्रद्धा का भी अपराधी है। उसे कठोर दंड मिलना चाहिए।

इतिहास गवाह है कि सनातन सभ्यता ने अनेक आक्रमण झेले। श्री राम के मंदिर में चोरी हुई है तो अपराधी चाहे कोई भी हो, उसे दंड मिलना चाहिए। यही श्री राम का न्याय है। क्योंकि सनातन का इतिहास यही कहता है, हम व्यक्ति के साथ नहीं, धर्म के साथ खड़े होते हैं। हम अपराध को छिपाकर आस्था की रक्षा नहीं करते, अपराध को दंडित करके आस्था को और मजबूत बनाते हैं। यही श्री राम का मार्ग है, यही मर्यादा है और यही भारत की सांस्कृतिक शक्ति भी।

(लेखक भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

परियोजनाएं
विवेक मिश्रा

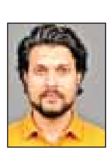

सामरिक प्रभुत्व तय करती है निर्माण कार्यों की गति

बहुराष्ट्रीय परियोजनाएं, देशों के मध्य व्यावसायिक उत्कर्ष, सुगम नागरिक संपर्क और सामरिक श्रेष्ठता की स्थापत्य कलाकृति होतीं हैं। स्वकेंद्रित प्रभुत्व के सामने, यह समत्व के समन्वयकारी विस्तार को मान्यता देती है। जैसे चीन के बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव के सैद्धांतिक प्रतिकार में खड़ी भारत की लाइन ऑफ क्रेडिट योजना। यद्यपि इन परियोजनाओं की सफलता, प्रारंभिक सैद्धांतिक मान्यता से कहीं बढ़कर वास्तविक निर्माण तीव्रता पर निर्भर करती है। विदेश नीति में भी निर्माण गति का विशेष महत्व है। रणनीतिक क्षेत्रों तक त्वरित, सरल व सुदृढ़ शांतिपूर्ण उपस्थिति, सुरक्षा की प्रथम दीवार बनती है। इन दिनों बांग्लादेश के द्वारा मोंगला पोर्ट के विनिर्माण विकास अधिकार भारत से वापस लेकर, चीन को सौंपे जाने की चर्चाएं चहुंओर हो रही हैं। कारणों में, वर्ष 2024 में शेख हसीना सरकार के निष्कासन को प्रधान्यता के साथ उठाया गया, लेकिन इस शोर में हमने उस तथ्य का वेष्टन किया है, जो हमारे क्रियान्वयन के घोंघा चाल से उजागर होता है। वर्ष 2015 में प्रधानमंत्री की बांग्लादेश यात्रा के तहत, तय हुए अनुबंध में, भारत को 110 एकड़ क्षेत्र पर आर्थिक गलियारा विकसित करने का अधिकार प्राप्त हुआ था। भारत की सुस्पष्ट लाइन ऑफ क्रेडिट योजना से इसका वित्तपोषण होना था। इस योजना के अंतर्गत 75 प्रतिशत निर्माण सामान व सेवाएं भारत से प्राप्त करना होता है। भारत सरकार से जारी फंड की प्राप्ति पर, संबंधित देश औपचारिक निविदा जारी कर आवंटन करते हैं। सरकार से सरकार (जी टू जी) स्तर पर हुए, मोंगला पोर्ट विकास समझौते को मूर्त रूप देने के लिए एक लंबी जटिल कागजी कार्रवाई चली, जिसके बाद सन 2018 में भारत सरकार से फंड जारी हुआ। बांग्लादेश की ओर से 2019 में सलाहकार (पीएमसी) की नियुक्ति के संबंध में कड़े प्रावधानों को प्रस्तावित किया गया। इनमें कंसल्टेंसी समूहों से ऊंचे टर्न ओवर, नेटवर्थ, वृहद् कार्यक्षेत्र और विशिष्ट तकनीकी अनुभव की मांग अपेक्षित की गई। इन शर्तों को पूर्ण करने की स्थिति में, अडानी ग्रुप और एलएनटी समूह को छोड़कर कोई भी अन्य भारतीय प्रोजेक्ट मैनेजमेंट कंसल्टेंसी समूह सक्षम नहीं थे। योग्यता के बावजूद इन दोनों बड़े समूहों का भागीदारी न दिखाना, तात्कालिक भारतीय राजनीतिक परिस्थितियों, लाभांश और सीमित स्वतंत्र कार्यशैली की वजह से था। विपक्ष, सरकार पर अडानी समूह को फायदा पहुंचाने के आरोपों के साथ हावी था, स्वयं अडानी समूह भी इस प्रोजेक्ट में सरकार द्वारा हीरानंदानी ग्रुप को नामित कर देने के बाद सलाहकार फर्म के तौर पर, मात्र 80 करोड़ के सर्विस कॉन्ट्रैक्ट पर कार्य करने को इच्छुक न था। जबकि एलएनटी समूह लाइन ऑफ क्रेडिट जैसी योजनाओं की बाध्यकारी नियमावली में कार्य करने के बजाए स्वतंत्र रूप से कार्य करने में भरोसा रखता है। इस सब का अंततोगत्वा परिणाम यही निकला कि 9 वर्षों के लम्बे विलंब और 2024 में शेख हसीना सरकार के निष्कासन के साथ उपजी भारत विरोधी भावनाओं में मोंगला पोर्ट के विकास अधिकार चीनी सरकारी कम्पनियों के ओर बह गए। पड़ोसी देशों में रणनीतिक महत्व वाले स्थानों पर पिछड़ते भारतीय प्रोजेक्ट हमारी वैश्विक कूटनीतिक बढ़त को बेहद कमजोर कर देते हैं। उदाहरण सिर्फ बांग्लादेश का ही नहीं है, म्यांमार में वर्ष 2008 में स्वीकृत और 2010 से कार्यरत कलादान मल्टी मॉडल प्रोजेक्ट, सिलीगुड़ी कॉरिडोर के जरिए पूर्वोत्तर राज्यों की एकमात्र पहुंच को वैकल्पिक मार्ग देता है। शिथिल कार्यशैली के चलते यह प्रोजेक्ट भी तय समय सीमा, वर्ष 2014 तक पूरा न हो सका। इसके बाद 2019 में कोरोना महामारी और म्यांमार में साल 2021 के सैन्य तख्ता पलट से निर्मित अनिश्चितताओं के चलते, यह महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट आज भी पूर्ण होने की राह देख रहा है। म्यांमार से जुड़ा एक और अहम, भारत - म्यांमार - थाईलैंड राजमार्ग का कार्य, 2002 में विचारित, 2012 से आरंभित और 2016 को पूर्णता के प्रति लक्षित था। भारत इसे कंबोडिया,लाओस व वियतनाम तक प्रसारित कर ईस्ट वेस्ट इकोनॉमिक कॉरिडोर का रूप देना चाहता है, हाल फिलहाल यह आशंकाओं से घिरा है। अपेक्षाकृत अधिक भागीदारीपूर्ण, सुरक्षित और किफायती होने के बावजूद यह भारतीय योजनाएं, पड़ोसी देशों में अपनी जटिल प्रक्रिया व दीर्घ कार्यावधि के कारण चीन की आक्रामक, महंगी लेकिन तेज निर्माण गति वाली बी.आर.आई जैसी योजनाओं से पिछड़ती नजर आती है। आवश्यक है कि, इन विषमताओं का सामना भारत सरकार प्रक्रियाओं को सरल व त्वरित बना कर एवं निर्माणाधीन कंपनियां लाभांश के अनुपातिक आंकलन से ऊपर उठकर राष्ट्रहितों के अनुकूल सैन्य चपलता से करें।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

सत्य में ऐसी शक्ति जो सौ झूठ से बचाए

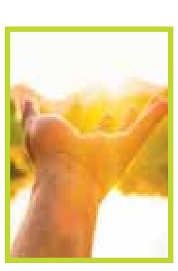

संकलित
दर्शन

संसार में सत्य को सबसे सुंदर कहा गया है। हमारे शास्त्र भी कहते हैं कि सत्य के लिए किसी से भी संघर्ष करने के लिए स्वयं को सदैव तत्पर रखना चाहिए। एक सत्य ही तो है, जो मनुष्य को सौ झूठ बोलने से बचा लेता है। सत्य की ऐसी महत्ता-महिमा होते हुए भी संप्रति संसार में असत्य का बोलबाला बढ़ा है। हालांकि, असत्य का आश्रय लेने वालों को सदैव यह स्मरण रखना चाहिए कि अंत में विजय सत्य के खेमे का ही वरण करती है। वास्तव में जहां सत्य है, वहीं धर्म है और जहां धर्म वहीं विजय है। यदि हमारी जीवन रूपी इमारत सत्य रूपी नींव पर खड़ी होगी तभी हम उसे निरंतर ऊंचाई प्रदान करते हुए उसकी प्रकृति को संरक्षित रख पाएंगे। सत्य के महत्व पर बुद्ध ने कहा कि सत्य को छोड़कर जो असत्य बोलता है, धर्म का उल्लंघन करता है, परलोक की जिसे चिंता नहीं है, वह व्यक्ति बड़े से बड़ा पाप कर सकता है। इसलिए असत्य का परित्याग ही श्रेयस्कर है। मनीषी कहते हैं कि 'मनसा वाचा कर्मणा' यानी मन, वचन और कर्म से सत्य बोलना चाहिए। जो विचार मन में हों वही वाणी में भी होने चाहिए और उसी के अनुरूप ही मनुष्य का व्यवहार भी होना चाहिए। इसमें कोई संदेह नहीं कि मन, वचन और कर्म से अलग रहने वाले पूर्णरूपेण सत्य का आचरण नहीं कर सकते। गांधी जी जैसे महामानव सत्य को निरपेक्ष सत्य के रूप में ग्रहण करते हैं। सत्य को ईश्वर का पर्यायवाची बताते हैं। उसे अपनी नीति का अहम अवयव मानते हैं।

हनुमान ने सूर्यदेव से हासिल किया था ज्ञान

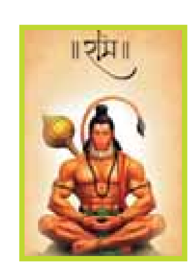

संकलित
प्रेरणा

गुरु पूर्णिमा पर गुरु का पूजन किया जाता है। शास्त्रों में गुरु को भगवान के बराबर माना गया है। महाभारत, रामायण में गुरु-शिष्य से जुड़ी कई कथाएं हैं। सूर्य पंचदेवों में से एक हैं और हनुमान जी के गुरु भी हैं। बाल हनुमान जब थोड़े बड़े हुए तो माता अंजनी और पिता केसरी ने उन्हें सूर्य देव के पास ज्ञान हासिल करने के लिए भेजा। माता-पिता की बात मानकर हनुमान जी ने सूर्य देव के पास पहुंचे और उनसे गुरु बनने के लिए प्रार्थना की। हनुमान जी की बात सुनकर सूर्य देव ने कहा कि मैं तो एक पल के लिए कहीं रूका नहीं हूं, न ही मैं रथ से उतर सकता हूं तो ऐसी स्थिति में मैं तुम्हें ज्ञान नहीं दे पाऊंगा। तब हनुमान जी ने कहा कि आप अपनी गति कम किए बिना ही मुझे ज्ञान दीजिए। मैं आपके साथ चलते-चलते विद्या हासिल कर लूंगा। इस बात के लिए सूर्य देव मान गए। इसके बाद सूर्य देव ने हनुमान जी को सभी वेदों और शास्त्रों का ज्ञान दिया। इस प्रकार सूर्यदेव की कृपा से ही हनुमान जी को ज्ञान मिला। इस प्रसंग में हनुमान जी ने संदेश दिया है कि योग्य गुरु से ज्ञान हासिल के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए। योग्य गुरु ही हमें सही ज्ञान प्रदान कर सकते हैं। आज योग्य गुरु की तलाश काफी कठिन हो गई है।

सटाका

आज की पाती

सरकारी धन का उचित प्रयोग करें सरकारें

देश में बहुत से राज्यों के लोग मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं, जैसे कि कहीं सरकारी स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं हैं अर्थात सरकारी अस्पतालों में मरीजों के लिए इलाज की सुविधाएं नहीं, कहीं स्ट्रीट लाइट, कहीं सफाई व्यवस्था, कहीं पीने वाले पानी की समस्या, कहीं टूटी सड़कें, लेकिन इनमें से कुछ राज्य बेवजह ही सरकारी पैसे को मुफ्त में लोगों को बांट रहे हैं। अगर इस सरकारी पैसे को ज्यादा से ज्यादा आम लोगों को मूलभूत सुविधाओं को उपलब्ध कराने के लिए खर्च किया जाए तो लोगों को सुविधाएं मिलेंगी, जो लोगों की साफ-सफाई, गरीबों को बीमारियों और अन्य बहुत सी समस्याओं को हल करेंगी। इसी तरह बुजुर्गों के लिए बुढ़ापा पेंशन कम से कम 5000 रुपए प्रति माह होनी चाहिए। *- मानिया सैनी, रेवाड़ी*

ट्रेंड

जानकी अम्मा को नमन

मशहूर प्लेबैक सिंगर एस. जानकी अम्मा का निधन संगीत और संस्कृति की दुनिया के लिए एक अपूरणीय क्षति है। दुख की इस घड़ी में उनके परिवार और पूरे संगीत जगत के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं।
- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

आत्मनिर्भर भारत

भारतीय नौसेना में आईएनएस महेंद्रगिरि का शामिल होना न केवल भारत की बढ़ती समुद्री ताकत का प्रमाण है, बल्कि 'आत्मनिर्भर भारत' के शानदार उदय का भी प्रतीक है। यह युद्धपोत, नए भारत की तकनीकी क्षमता, औद्योगिक शक्ति और राष्ट्रीय आत्मविश्वास का जीवंत प्रतीक है।
- रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली

स्वास्थ्य सुविधाएं

बेहतर इलाज के लिए लोगों को पहाड़ों के मुश्किल रास्तों पर मीलों का सफर करना पड़ता था। इसी चुनौती से निपटने के लिए स्वास्थ्य सेवाओं में ठोस कदम उठाए। उन्हीं प्रयासों का नतीजा है कि हिमाचल स्वास्थ्य सुविधाओं में नए दौर में प्रवेश कर रहा है।
-सुखविंदर सिंह सुखु, सीएम, हिमाचल प्रदेश

चावल घोटाला

आज मध्य प्रदेश बीजेपी सरकार के राज में भ्रष्टाचार और लूट का केंद्र और भ्रष्टाचार का पर्याय बन गया है। एक घोटाला खत्म भी नहीं हो पाता कि दूसरा सामने आ जाता है। अब, इथेनॉल के नाम पर 200 करोड़ रुपये का चावल घोटाला सामने आया है।
- मल्लिकार्जुन खरगे, अध्यक्ष, कांग्रेस

करंट अफेयर

भारतीय शादियों के लिए श्रीलंका बना नया गंतव्य

विदेशों में होने वाली भारतीय शादियों के लिए 2025 में श्रीलंका सबसे तेजी से उभरते गंतव्य के रूप में सामने आया है और इसकी लोकप्रियता में 25 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हुई है। एक रिपोर्ट में यह कहा गया।

वहीं, पश्चिम एशिया में जारी संकट के बावजूद वर्ष 2026 में भारतीय जोड़ों के अपनी विशेष समारोह की योजनाओं में बड़ी कटौती करने की संभावना कम है।
शादी की योजना बनाने वाले मंच 'वेडमीगुड' की 'डेस्टिनेशन वेडिंग रिपोर्ट 2026' के अनुसार, आसान पहुंच, भारत से नजदीकी, शानदार आतिथ्य सुविधाओं और यादगार अनुभवों वाले आयोजनों के कारण श्रीलंका तेजी से एक प्रमुख विवाह गंतव्य के रूप में उभर रहा है।
रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि आने वाले वर्षों में श्रीलंका में भारतीय शादियों की बुकिंग में सालाना 20 से 25 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है। हालांकि, थाईलैंड अब भी भारतीयों के लिए सबसे लोकप्रिय विदेशी विवाह गंतव्य बना हुआ है। वर्ष 2025 में वहां करीब 25 लाख पर्यटक पहुंचे, जो पिछले वर्ष की तुलना में 16 प्रतिशत अधिक है। यह रिपोर्ट 'वेडमीगुड' के उपभोक्ता और उद्योग नेटवर्क के माध्यम से किए गए सर्वेक्षण पर आधारित है।

ऑफ बीट

मेरी मांसपेशियों में व्यायाम के बाद हल्का दर्द क्यों होता है

जब हममें से कई लोग इस खराब मौसम से उबरने के लिए जिम जाते हैं या दौड़ने जाते हैं, तो उन्हें मांसपेशियों में थोड़ा अतिरिक्त दर्द महसूस हो सकता है। ऐसा खास तौर से तब होता है जब कसरत किए कुछ समय हो गया हो। एक आम ग़लतफ़हमी यह है कि ऐसा दर्द मांसपेशियों में लैक्टिक एसिड के निर्माण के कारण होता है। हालाँकि, शोध से पता चलता है कि लैक्टिक एसिड का इससे कोई लेना-देना नहीं है। सच्चाई कहीं अधिक दिलचस्प है, लेकिन थोड़ी अधिक जटिल भी है।

यह लैक्टिक एसिड नहीं है। हम दशकों से जानते हैं कि लैक्टिक एसिड का व्यायाम के बाद मांसपेशियों में होने वाले दर्द से कोई लेना-देना नहीं है। वास्तव में, जैसा कि हम में से एक (रॉबर्ट एंड्र्यू रॉबर्ट्स) ने लंबे समय से तर्क दिया है, कोशिकाएं लैक्टेट का उत्पादन करती हैं, लैक्टिक एसिड का नहीं। यह प्रक्रिया वास्तव में मांसपेशियों और रक्तप्रवाह में एसिड के निर्माण का विरोध नहीं करती है। दुर्भाग्य से, लोग अभी भी व्यायाम के संबंध में 'लैक्टिक एसिड' शब्द का उपयोग करते हैं। जब आप व्यायाम करते हैं तो लैक्टेट उन मांसपेशियों के लिए बड़ी समस्या पैदा नहीं करता है जिनका उपयोग आप करते हैं।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
66/1 इंडस्ट्रियल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मप्र)
पिन कोड-482002
ई-मेल : edit@haribhoomi.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

जलभराव से ठप पड़ने लगा कारोबार

बारिश में दलदल बनी फल एवं मटर मंडी

जबलपुर। मानसून की पहली तेज बारिश ने शहर की कृषि उपज मंडियों की व्यवस्थाओं की पोल खोल दी है। सबसे खराब स्थिति फल एवं मटर मंडी की है, जहां जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने से पूरा परिसर जलमग्न हो गया है। मंडी के अधिकांश हिस्से में कीचड़ और दलदल जैसी स्थिति बन गई है, जिससे किसानों, व्यापारियों और हम्मालों का रोजमर्रा का कामकाज बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। वर्षों से चली आ रही इस समस्या के समाधान की मांग के बावजूद अब तक स्थायी व्यवस्था नहीं हो सकी है।

गंदगी और सड़न से बढ़ा संक्रमण का खतरा

बारिश के पानी के साथ मंडी में सड़ रहे फल-सब्जियों का कचरा और गंदगी जमा होने से दुर्गंध फैल रही है। नालियों की नियमित सफाई नहीं होने के कारण पानी की निकासी बाधित हो रही है और कई स्थानों पर लंबे समय तक जलभराव बना रहता है। व्यापारियों का कहना है कि ऐसी स्थिति में मंडी में काम करना मुश्किल हो जाता है, जबकि किसान और मजदूर भी अस्वच्छ माहौल में घंटों काम करने को मजबूर हैं। इससे संक्रामक बीमारियों के फैलने की आशंका लगातार बढ़ रही है।

मजदूरों के इंकार से प्रभावित हो रही लोडिंग-अनलोडिंग

व्यापारियों के अनुसार बारिश के दौरान कीचड़ और गंदगी के कारण कई मजदूर माल की लोडिंग और अनलोडिंग करने से मना कर देते हैं। इसका सीधा असर कारोबार पर पड़ रहा है। समय पर माल नहीं उठने से व्यापारियों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है, वहीं किसानों को भी अपनी उपज बेचने में देरी का सामना करना पड़ रहा है। मंडी में आने वाले वाहनों की आवाजाही भी प्रभावित हो रही है, जिससे अव्यवस्था और बढ़ गई है।

स्थायी समाधान की मांग तेज

हर वर्ष बारिश के मौसम में मंडी की यही स्थिति सामने आने के बावजूद अब तक प्रभावी कदम नहीं उठाए गए हैं। किसान, व्यापारी और मजदूरों ने मंडी प्रशासन से जल निकासी की समुचित व्यवस्था, परिसर में पक्के मार्गों का निर्माण और नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित करने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समय रहते बुनियादी सुविधाएं नहीं सुधारी गईं तो बारिश के पूरे मौसम में मंडी का कारोबार प्रभावित होता रहेगा और इसका सीधा असर किसानों की आय पर भी पड़ेगा।

पुलिस ने आरोपियों पर हत्या के प्रयास का मामला दर्ज

सास ने साड़ी में आग लगाई, पति देखता रहा

जबलपुर। अधारताल थाना पुलिस ने एक विवाहिता को आग से जलाकर मारने का प्रयास करने के आरोप में उसके पति और सास के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पीड़िता फिलहाल अस्पताल में उपचाररत है। पुलिस के अनुसार, कुठला (कटनी) निवासी उर्मिला कोरी ने शिकायत दर्ज कराई कि उसकी बेटी नंदनी कोरी की शादी सात वर्ष पहले अमखेरा निवासी वीरेन्द्र कोरी से हुई थी। विवाह के बाद से पति वीरेन्द्र और सास जयंती कोरी घरेलू विवाद को लेकर उसके साथ मारपीट करते थे और कई बार मायके भेज देते थे। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया कि नंदनी मायके से रुपये और सोने-चांदी के गहने लेकर जाती थी, जिन्हें उसका पति बेच देता था। शिकायत के अनुसार, 15 अप्रैल को सूचना मिली कि नंदनी छत से गिरकर घायल हो गई है। संजीवनी अस्पताल पहुंचने पर नंदनी ने बताया कि 10 अप्रैल की रात वह अपनी बेटी के लिए गैस पर दूध गर्म कर रही थी। इसी दौरान पति से विवाद हुआ और सास जयंती कोरी ने उसकी साड़ी का पल्लू जलते गैस बर्नर पर रख दिया, जिससे साड़ी में आग लग गई। नंदनी ने पति से मदद की गुहार लगाई, लेकिन वह खड़ा रहा। बाद में ससुर मदन कोरी ने आग बुझाई और पति ने उस पर पानी डाला। पीड़िता ने आरोप लगाया कि घटना के बाद उसे घर में छिपाकर रखा गया और पति व सास के पक्ष में बयान देने के लिए दबाव बनाया गया। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी भी दी गई। अगले दिन सुबह उसकी चाची सास उसे उपचार के लिए संजीवनी अस्पताल लेकर गई। वर्तमान में नंदनी मोहनलाल हरगोविंददास अस्पताल में भर्ती है। पुलिस ने अस्पताल में नंदनी के बयान दर्ज किए, जिसमें उसने सास द्वारा साड़ी में आग लगाने और पति द्वारा बचाव नहीं करने की बात दोहराई। शिकायत और जांच के आधार पर अधारताल थाना पुलिस ने पति वीरेन्द्र कोरी और सास जयंती कोरी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

शराब पीने पैसे नही देने पर बदमाशों ने दुकानदार को चाकू मारा

जबलपुर। गोरखपुर थानांतर्गत इंद्रानगर में कल रात दो बदमाशों ने किराना दुकान में बैठी एक महिला से शराब पीने के लिये एक हजार रूपये मांगे । महिला के मना करने पर आरोपी गालीगलौज करने लगे । तभी आवाज सुनकर घर के अंदर से महिला का पति बाहर आ गया। जिसके मना करने पर आरोपी ने गालीगलौज कर उसे गाल में चाकू मार दिया। इसके बाद हमलावर जान से मारने की धमकी देकर भाग गये । गोरखपुर पुलिस ने बताया कि इंद्रा नगर निवासी दीपक गुप्ता अपने घर से ही किराना दुकान चलाते हैं। कल रात किराना दुकान मे दीपक की पत्नी साधना गुप्ता व बहन अनिता गुप्ता बैठी थी। उसी समय सेठी नगर निवासी शंभू बैन व केशु बैन आये जो साधना से शराब पीने एक हजार रूपये मांगने लगे। मना करने पर दोनों गालीगलौज करने लगे। तभी दीपक ने घर के अंदर से आकर गालियां देने से मना किया तो केशु ने उसके गाल में चाकू से हमला कर चोट पहुंचा दी और शंभू ने हाथ मुक्कों से मारपीट कर चोटें पहुंचाई।

बाजारों और प्रमुख मार्गों पर गाय-सांड बने मुसीबत

हाका गैंग बेअसर, आवारा मवेशियों का सड़कों पर कब्जा

जबलपुर। शहर में आवारा मवेशियों की बढ़ती संख्या एक बार फिर लोगों के लिए परेशानी का कारण बन गई है। नगर निगम की ओर से पशुओं को पकड़ने के लिए गठित 'हाका गैंग' की सक्रियता इन दिनों नजर नहीं आ रही है। इसका असर यह है कि शहर के प्रमुख बाजारों और व्यस्त सड़कों पर गाय, सांड और अन्य मवेशी खुलेआम विचरण कर रहे हैं, जिससे यातायात प्रभावित हो रहा है और हादसों की आशंका लगातार बनी हुई है।

सिविक सेंटर, गढ़ा फाटक, श्याम टॉकीज रोड, मालवीय चौक, कमानिया गेट, सब्जी मंडी, गेट नंबर-4 और तिलक भूमि तलैया सहित कई इलाकों में दिनभर मवेशियों का जमावड़ा लगा रहता है। सड़क के बीचोंबीच बैठे पशुओं के कारण वाहन चालकों को आवागमन में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कई स्थानों पर दुर्घटनाएं होते-होते बचने की घटनाएं भी सामने आ चुकी हैं।

कचरे के ढेर खींच रहे मवेशियों को

स्थानीय लोगों का कहना है कि कई क्षेत्रों में समय पर कचरा नहीं उठने से आवारा मवेशी भोजन की तलाश में वहां पहुंच जाते हैं। इस दौरान वे प्लास्टिक और अन्य हानिकारक सामग्री भी खा लेते हैं, जिससे उनके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। नागरिकों का आरोप है कि निगम के पशु पकड़ने वाले वाहन कभी-कभार ही दिखाई देते हैं और आवारा पशुओं को गौशालाओं तक पहुंचाने का अभियान प्रभावी ढंग से संचालित नहीं हो रहा है। लोगों ने नगर निगम से हाका गैंग को फिर से सक्रिय कर नियमित अभियान चलाने, आवारा मवेशियों को गौशालाओं में भेजने और शहर की सड़कों को सुरक्षित बनाने की मांग की है। साथ ही यह सवाल भी उठाया है कि करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद हाका गैंग की सक्रियता आखिर सड़कों पर क्यों दिखाई नहीं दे रही है।

खाते से एक लाख २२ हजार की ऑनलाइन ठगी

जबलपुर। गोरखपुर थानांतर्गत दुर्गानगर रामपुर में रहने वाले एक वेयर हाउस के सुपरवाइजर क बैंक खाते से अज्ञात जालसाज ने दो बार में एक लाख 22 हजार रूपये से ज्यादा की रकम साफ कर दी । हैरानी की बात तो यह है कि अज्ञात जालसाज ने बिना किसी ओटीपी भेजे आनलाइन ठगी को अंजाम दिया । गोरखपुर पुलिस ने बताया कि दुर्गानगर रामपुर निवासी राम मोहन यादव वेयर हाउस में सुपरवाइजर के पद पर कार्यरत है।राममोहन का खाता यूनियन बैंक शाखा राइट टाउन में है। गत 6 जून को उनके मोबाइल फोन में दो बार में 74 हजार व 49 हजार रूपये कटने का मैसेज आया। इस तरह किसी अज्ञात जालसाज ने उनके बैंक खाते से एक लाख 23 हजार रूपये साफ कर दिये ।

आरोपी को न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया

सिहोरा में 4.25 लाख की अवैध शराब व अर्टिगा जब्त

हरिभूमि जबलपुर।

जिले में अवैध शराब के निर्माण, संग्रहण और परिवहन के खिलाफ आबकारी विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए सिहोरा क्षेत्र में एक कार से आठ पेटी विदेशी शराब जब्त की है। मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

कलेक्टर राघवेंद्र सिंह के निर्देशन और सहायक आबकारी आयुक्त संजीव कुमार दुबे के मार्गदर्शन में रविवार को आबकारी विभाग की टीम ने पौड़ी-मझौली मार्ग पर ग्राम पौड़ी के पास घेराबंदी कर मारुति सुजुकी अर्टिगा (एमपी 52 टीए 0474) को रोका। तलाशी के दौरान वाहन से कुल 8 पेटी (70.02 बल्क लीटर) विदेशी शराब बरामद हुई।

जब्त शराब में बैगपाइपर व्हिस्की, लंदन प्राइड, सिमरन ऑफ जामुन, रॉयल स्टैग, रॉयल चैलेंज और मैकडॉवेल व्हिस्की शामिल हैं। पुलिस ने मौके से आयुष चौधरी (29) निवासी दुर्गा कॉलोनी, घमापुर को गिरफ्तार किया।

आबकारी विभाग ने आरोपी के खिलाफ मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 (संशोधित 2000) की धारा 34(1)(क) एवं 34(2) के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। आरोपी को न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया।

विभाग के अनुसार जब्त शराब की कीमत 74,724 रुपये, जबकि वाहन की अनुमानित कीमत 3.50 लाख रुपये है। इस तरह कुल 4,25,724 रुपये की जब्ती की गई।

कार्रवाई में आबकारी उपनिरीक्षक आर.एस. मरावी, मुख्य आरक्षक फूल सिंह एटिया, संतलाल मरावी तथा आरक्षक ज्ञानेंद्र सिंह और अशोक बघेल शामिल रहे।

स्मार्ट सिटी के 'स्मार्ट गड्ढे' स्वच्छता की दीवारों के सामने गंदगी

जबलपुर। स्मार्ट सिटी और स्वच्छता में लगातार उपलब्धियों का दावा करने वाले जबलपुर में जमीनी हकीकत कुछ और ही तस्वीर पेश कर रही है। छोटी ओमती, कोठी मेडिकल और जिला न्यायालय मार्ग पर सड़कें बड़े-बड़े गड्ढों और गंदगी से अटी पड़ी हैं। विडंबना यह है कि जिन स्थानों पर स्वच्छ सर्वेक्षण के तहत आकर्षक वॉल पेंटिंग कर शहर की सुंदरता का संदेश दिया गया है, उन्हीं दीवारों के सामने कचरे के ढेर और बदहाल सड़कें नगर निगम के दावों की पोल खोल रही हैं। नगर निगम का दावा है कि शहर के 90 प्रतिशत गड्ढे भर दिए गए हैं, लेकिन इन प्रमुख मार्गों की स्थिति इस दावे पर सवाल खड़े कर रही है। बारिश के कारण गड्ढों में पानी भर जाता है, जिससे उनकी गहराई का अंदाजा लगाना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में दोपहिया वाहन चालकों, पैदल राहगीरों और अन्य वाहन चालकों के लिए हर दिन दुर्घटना का खतरा बना रहता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जिन सड़कों पर तत्काल पैचवर्क की आवश्यकता है, वहां महीनों से कोई मरम्मत नहीं हुई। दूसरी ओर, जिन स्थानों पर इसकी विशेष जरूरत नहीं है, वहां विकास कार्य और पेवर ब्लॉक लगाए जा रहे हैं। इससे नगर निगम की प्राथमिकताओं पर भी सवाल उठ रहे हैं। नागरिकों का कहना है कि यदि नगर निगम समय रहते इन मार्गों पर पैचवर्क और नियमित सफाई करा दे, तो न केवल लोगों को राहत मिलेगी, बल्कि स्वच्छ और स्मार्ट शहर की छवि भी मजबूत होगी। फिलहाल छोटी ओमती, कोठी मेडिकल और जिला न्यायालय मार्ग पर फैले गड्ढे और गंदगी यही सवाल पूछ रहे हैं कि क्या स्मार्ट सिटी में ऐसी बदहाल सड़कें ही विकास की नई पहचान हैं।

इंस्टाग्राम में वर्क फ्राम होम के झांसे में फंसी छात्रा, 40 हजार की ठगी

जबलपुर। वर्क फ्रॉम होम के नाम पर ऑनलाइन नौकरी का झांसा देकर साइबर ठगों ने एक व्यक्ति के बैंक खाते से 40 हजार 822 रुपये निकाल लिए। गढ़ा थाना पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, गौतमगंज इंदिरा गांधी वार्ड निवासी 44 वर्षीय धर्मेन्द्र मिश्रा ने शिकायत दर्ज कराई कि 2 जुलाई को मोबाइल चेक करने पर उन्हें पता चला कि 29 जून से 2 जुलाई के बीच उनके बैंक खाते से कुल 40,822 रुपये कट गए हैं। पूछताछ करने पर उनकी

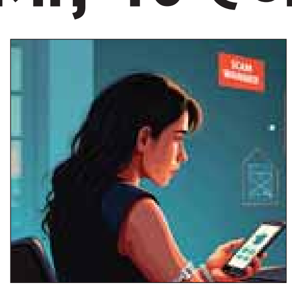

बेटी तानिया मिश्रा ने बताया कि उसने इंस्टाग्राम पर वर्क फ्रॉम होम की नौकरी खोजते समय ₹ग्लोबल बुक पब्लिकेशन नाम के एक पेज पर टाइप राइटर का काम देखा था। वहां प्रति प्रोजेक्ट 15 हजार रुपये वेतन देने का दावा किया गया। रजिस्ट्रेशन के लिए स्कैनर और बैंक खाते का क्यूआर कोड मांगा गया, जिसके बाद उसने भेजे गए लिंक के माध्यम से 500 रुपये जमा कर दिए। रजिस्ट्रेशन के बाद जब संपर्क करने की कोशिश की गई तो संबंधित व्यक्ति से संपर्क नहीं हो सका। बाद में पता चला कि अज्ञात साइबर ठगों ने ग्लोबल बुक पब्लिकेशन के नाम पर धोखाधड़ी कर धर्मेन्द्र मिश्रा के बैंक खाते से 40822 रुपये निकाल लिए। गढ़ा थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर साइबर ठगी की जांच शुरू कर दी है। मामला धारा 318(4) एवं 319(2) बीएनएस के तहत दर्ज किया गया है।

जामा मस्जिद वक्फ फंड मामले में हाईकोर्ट का निर्देश

15 दिन में दें नया आवेदन 60 दिन में होगा फैसला

जबलपुर। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की जबलपुर खंडपीठ ने जामा मस्जिद सदर बाजार वक्फ फंड के कथित दुरुपयोग से जुड़े मामले में दायर याचिका का निराकरण करते हुए वक्फ बोर्ड को निर्धारित समय-सीमा में निर्णय लेने के निर्देश दिए हैं। न्यायमूर्ति मनींदर एस. भट्टी की एकलपीठ ने कहा कि यदि याचिकाकर्ता 15 दिनों के भीतर नया अभ्यावेदन प्रस्तुत करता है, तो संबंधित प्राधिकारी 60 दिनों के भीतर विधि के अनुसार कारणयुक्त आदेश पारित करेंगे। याचिकाकर्ता मोहम्मद इदरीस ने हाईकोर्ट में दायर रिट याचिका में आरोप लगाया था कि जामा मस्जिद, सदर बाजार, जबलपुर के वक्फ फंड में अनियमितता एवं धन के दुरुपयोग हुआ है। उन्होंने वक्फ अधिनियम, 1995 की धाराओं 64, 65 और 67 के तहत कार्रवाई तथा संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश देने की मांग की थी। सुनवाई के दौरान वक्फ बोर्ड की ओर से न्यायालय को बताया गया कि याचिकाकर्ता यदि नया अभ्यावेदन प्रस्तुत करता है तो उस पर नियमानुसार निर्णय लिया जाएगा। वहीं एफआईआर संबंधी मांग पर अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता के पास भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 175(3) (पूर्व में दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 156(3)) अथवा निजी परिवाद दायर करने का वैधानिक वैकल्पिक उपाय उपलब्ध है। हाईकोर्ट ने मामले के गुण-दोष पर कोई टिप्पणी किए बिना याचिका का निराकरण कर दिया और याचिकाकर्ता को कानून के तहत उपलब्ध अन्य वैधानिक उपाय अपनाने की स्वतंत्रता भी प्रदान की।

ठगी — शादी का सपना दिखाकर युवकों से ऐंठता था हजारों रुपये

मोबाइल पर लड़की बनकर बिछाता था प्रेमजाल

जबलपुर। पाटन पुलिस ने एक ऐसे शातिर ठग को गिरफ्तार किया है, जिसने लड़की की आवाज को अपना हथियार बनाकर युवकों को प्रेमजाल में फंसाने का अनोखा तरीका अपनाया था। आरोपी मोबाइल पर खुद को युवती बताकर घंटों प्यार भरी बातें करता, शादी का भरोसा दिलाता और भावनात्मक रूप से विश्वास जीतने के बाद अलग-अलग बहानों से रुपये मांग लेता। रकम मिलते ही वह बातचीत बंद कर देता और मोबाइल से गायब हो जाता। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी अब तक 10 से 15 युवकों को अपना शिकार बना चुका है। किसी से 5 हजार रुपये, तो किसी से 50 हजार रुपये तक की रकम ऐंठी गई। आरोपी की बातचीत इतनी स्वाभाविक और भरोसा दिलाने वाली होती थी कि सामने वाला लंबे समय तक यह समझ ही नहीं पाता था कि वह किसी युवती नहीं, बल्कि एक युवक से बात कर रहा है।

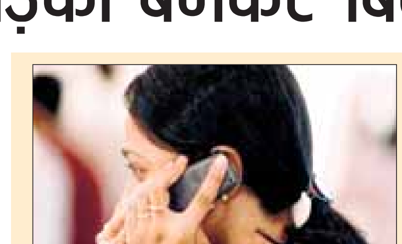

परिजनों को हुआ शक तब खुला ठगी का राज

मामले का खुलासा तब हुआ, जब कई युवकों के परिजनों ने उनके मोबाइल पर लगातार एक कथित युवती से हो रही बातचीत पर संदेह जताया। घर की महिलाओं ने हिम्मत दिखाते हुए पाटन थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने तकनीकी जांच और मोबाइल नंबरों की पड़ताल की तो चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि लड़की बनकर बातें करने वाला कोई युवती नहीं, बल्कि एक युवक है।

शादी का झांसा, फिर पैसों की मांग

पीड़ित सुंदर सिंह ने बताया कि आरोपी ने उनके भांजे से लड़की बनकर दोस्ती की और धीरे-धीरे प्रेम संबंध बना लिए। इसके बाद शादी का वादा कर भावनात्मक दबाव बनाया और किसी जरूरी काम का बहाना बनाकर 5 हजार रुपये ले लिए। बाद में जब सच्चाई सामने आई, तो पूरा परिवार हैरान रह गया और थाने पहुंचकर शिकायत की।

पूछताछ में खुल सकते हैं कई और राज

पाटन पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि उसने अब तक कितने लोगों को ठगी का शिकार बनाया, कुल कितनी रकम वसूली और क्या इस पूरे गिरोह में कोई अन्य व्यक्ति भी शामिल है। पुलिस का मानना है कि जांच आगे बढ़ने पर और भी पीड़ित सामने आ सकते हैं। इस अनोखे ठगी के मामले ने यह भी साबित कर दिया कि साइबर और मोबाइल आधारित अपराध अब केवल फर्जी लिंक या ओटीपी तक सीमित नहीं हैं, बल्कि अपराधी भावनाओं का सहारा लेकर भी लोगों को अपना शिकार बना रहे हैं।

पाटन में 1.924 किलो गांजा के साथ युवक गिरफ्तार

जबलपुर। पाटन पुलिस ने मादक पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक युवक को 1 किलो 924 ग्राम गांजा के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी मनकेड़ी रोड स्थित सिंगौरी बंजारी माता मंदिर के पास बिना नंबर की स्प्लेंडर बाइक पर गांजा बेचने के लिए ग्राहक का इंतजार कर रहा था। पुलिस ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। पाटन थाना प्रभारी गोपिन्द्र सिंह ने बताया कि तलाशी में आरोपी बेलखेड़ा के ग्राम भरदा निवासी रंजीत गौड़ के पिट्ठू बैग से 1.924 किलो गांजा (अनुमानित कीमत 96,200), एक मोबाइल फोन, 200 नकद और गांजा के परिवहन में प्रयुक्त बिना नंबर की स्प्लेंडर मोटरसाइकिल जब्त की गई। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर पूछताछ की जा रही है कि गांजा कहां से लाया गया था और इसे किसे बेचने की तैयारी थी।

करंट से मौत पर दुकान संचालक के खिलाफ मामला दर्ज

जबलपुर। माढ़ोताल थाना क्षेत्र के चुंगीनाका के पास करंट लगने से युवक की मौत के मामले में पुलिस ने दुकान संचालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है। 5 जुलाई को हुई इस घटना की जांच में सामने आया कि 22 वर्षीय अनुराग शर्मा दुकान संचालक अनमोल जैन उर्फ बेटू की दुकान पर काम करता था। जांच में सुरक्षा मानकों की अनदेखी और लापरवाही पाए जाने के बाद पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई शुरू की है। पुलिस के अनुसार घटना वाले दिन अनुराग को दुकान की छत पर पन्नी बिछाने के लिए भेजा गया था। छत के ऊपर से हाई वोल्टेज विद्युत लाइन गुजर रही थी और काम के दौरान उसका संपर्क लाइन से हो गया, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। जांच में यह भी सामने आया कि बारिश के मौसम के बावजूद सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं किए गए थे। पुलिस का कहना है कि प्रथम दृष्टया लापरवाही के कारण हादसा हुआ, जिसके आधार पर दुकान संचालक के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

रंगदारी वसूलने युवक पर चाकू से हमला

जबलपुर। हनुमानताल थाना क्षेत्र में शराब पीने के लिए रुपये मांगने पर इंकार करने से नाराज दो युवकों ने एक युवक पर चाकू से हमला कर उसे घायल कर दिया। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है। पुलिस के अनुसार, स्लॉटर हाउस रोड निवासी 24 वर्षीय मोहम्मद शहनवाज कुरैसी ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह 11 जुलाई की दोपहर करीब 12 बजे दादामियां दरगाह में दर्शन करने गया था। वहां मोहल्ले का अल्ताफ अपने एक साथी के साथ मिला और शराब पीने के लिए 500 रुपये मांगने लगा। रुपये देने से मना करने पर दोनों ने गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर अल्ताफ ने चाकू से हमला कर उसके दाहिने हाथ, बाईं जांघ, कूल्हे और कान के पास चोट पहुंचाई। वारदात के बाद दोनों आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए।पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।मामला धारा 296(बी), 119(1), 351(3) एवं 3(5) बीएनएस के तहत दर्ज किया गया है।

पनागर तहसील को मिले नए राजस्व अधिकारी

तहसीलदार प्रदीप तिवारी एवं नायब तहसीलदार रमेश कोष्ठी का पुष्पगुच्छ भेंट कर किया गया स्वागत

पनागर, जबलपुर। जिले में हुए प्रशासनिक स्थानांतरण के उपरांत पनागर तहसील में नवपदस्थ तहसीलदार प्रदीप तिवारी एवं नायब तहसीलदार रमेश कोष्ठी ने अपना कार्यभार ग्रहण किया। इस अवसर पर पत्रकार सौरभ मिश्रा ने दोनों अधिकारियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया तथा उनके सफल, निष्पक्ष एवं जनहितकारी कार्यकाल की शुभकामनाएँ व्यक्त कीं। स्वागत के उपरांत नवपदस्थ तहसीलदार प्रदीप तिवारी ने कहा कि पनागर क्षेत्र के समस्त किसानों, श्रमिकों, गरीबों, वंचितों तथा आम नागरिकों के कार्य पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी, पारदर्शिता एवं संवेदनशीलता के साथ संपादित किए जाएँगे। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक की समस्या को गंभीरतापूर्वक सुना जाएगा तथा शासन के प्रावधानों के अनुरूप उसका समयबद्ध एवं निष्पक्ष निराकरण सुनिश्चित करने का भरसक प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जनसेवा ही प्रशासन का मूल उद्देश्य है। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र हितग्राही तक पहुँचाना, किसानों के राजस्व संबंधी प्रकरणों का त्वरित निराकरण करना तथा आमजन को सरल, सुलभ एवं पारदर्शी प्रशासन उपलब्ध कराना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी। नवपदस्थ नायब तहसीलदार रमेश कोष्ठी ने कहा कि वे अपने दायित्वों का निर्वहन सत्य, न्याय, निष्पक्षता एवं सेवा-भाव के साथ करेंगे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि किसी भी गरीब, किसान, श्रमिक अथवा वंचित नागरिक के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। प्रत्येक व्यक्ति को समान सम्मान प्रदान करते हुए उसकी समस्या का विधि एवं नियमों के अनुरूप समाधान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि तहसील प्रशासन का दायित्व केवल शासकीय कार्यों का निष्पादन करना ही नहीं, बल्कि आमजन का विश्वास अर्जित करना भी है। इसी भावना के अनुरूप वे सदैव जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कार्य करेंगे। पनागर क्षेत्र के नागरिकों ने नवपदस्थ अधिकारियों के प्रति शुभकामनाएँ व्यक्त करते हुए आशा जताई कि उनके नेतृत्व में तहसील प्रशासन और अधिक पारदर्शी, उत्तरदायी, संवेदनशील तथा जनोन्मुखी बनेगा तथा किसानों एवं आम नागरिकों के राजस्व संबंधी कार्यों का त्वरित एवं न्यायोचित निराकरण सुनिश्चित होगा।

पनागर तहसीलदार प्रदीप तिवारी

नायब तहसीलदार रमेश कोष्ठी

पवित्र सागर महाराज को श्रीफल भेंटकर लिया आशीर्वाद

सिहोरा। खितौला में चातुर्मास हेतु बिहार रत पूजनीय 105 सूत्रमति माताजी संसघ को कटनी में जैन समाज खितौला द्वारा श्रीफल अर्पित किया गया साथ ही कटनी में विराजित 108 पूज्यनीय समता सागर महाराज श्री पवित्र सागर महाराज ससंघ को भी श्रीफल भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर जैन समाज खितौला से मुकेश सिंघई,राकेश सिंघई,महेंद्र जैन,मनोज जैन, राहुल सिंघई,अंकुर जैन,दिलीप जैन,नीरज जैन, शैंकी जैन,संतोष जैन,दिनेश जैन,कमल जैन,सचिन जैन,डॉ प्रकाश जैन,सुनील जैन,राजेश जैन एवं महिला मंडल की उपस्थिति रही।

जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण प्रकोष्ठ एवं विभागों की हुई बैठक

कार्यकारिणी शीघ्र भेजने के दिए निर्देश

जबलपुर। जिला कांग्रेस कमेटी (ग्रामीण) की प्रकोष्ठ एवं विभागों की महत्वपूर्ण बैठक आज जिला कांग्रेस कमेटी (ग्रामीण) के अध्यक्ष संजय यादव के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुई। बैठक का संचालन एवं समन्वय प्रकोष्ठ एवं विभागों के प्रभारी विवेक यादव द्वारा किया गया।बैठक में सभी प्रकोष्ठ एवं विभागों के अध्यक्षों के साथ संगठन की कार्यकारिणी के गठन एवं विस्तार को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। जिला अध्यक्ष संजय यादव ने सभी अध्यक्षों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने प्रकोष्ठ एवं विभाग की पूर्ण कार्यकारिणी का गठन कर उसकी सूची शीघ्र जिला कांग्रेस कमेटी (ग्रामीण) कार्यालय में उपलब्ध कराएं, ताकि संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक मजबूत बनाया जा सके। बैठक के दौरान कार्यकारिणी गठन में आ रही विभिन्न समस्याओं एवं कठिनाइयों पर विस्तार से चर्चा की गई तथा उनके निराकरण के लिए आवश्यक मार्गदर्शन दिया गया। संगठन को मजबूत एवं सक्रिय बनाने के लिए सभी पदाधिकारियों से आपसी समन्वय के साथ कार्य करने का आह्वान किया गया। बैठक में प्रमुख रूप से संजय यादव, विवेक यादव, राजेश तिवारी, राजेश पटेल, परमलाल अहवासी, सतेंद्र चौबे, गुड्डा शिव नामदेव, डॉ. हिमांशु गुप्ता, ताहिर खोखर, रामेश्वर गिरी, संतकुमार झारिया, उमा ऊंईके, नारायण विश्वकर्मा, जीतू पाठक, अतुल विश्वकर्मा सहित प्रकोष्ठ एवं विभागों के अध्यक्ष एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

अरहर दाल के बेहतर उत्पादन को बढावा देने उन्नत किस्म के बीजों का किया वितरण

पनागर। कृषि विभाग द्वारा हितग्राही मूलक योजना के अंतर्गत दलहन उत्पादन को बढ़ावा देने एवं किसानों को फसल विविधीकरण के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से ग्राम छतरपुर में अरहर प्रदर्शन हेतु उन्नत किस्म के बीजों का वितरण किया गया। कार्यक्रम में अनुविभागीय कृषि अधिकारी श्रीमती प्रतिभा गौर एवं वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी, पनागर श्री पंकज शर्मा के मार्गदर्शन में कृषि विस्तार अधिकारी श्री ब्रजभान अहिरवार तथा श्रीमती मोनिका झा द्वारा ग्राम छतरपुर के कृषक श्री धनीराम साहू सहित अन्य पात्र किसानों को अरहर प्रदर्शन के लिए बीज प्रदान किए गए। इस अवसर पर वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी श्री पंकज शर्मा ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि किसान क्रॉप डाइवर्सिफिकेशन (फसल विविधीकरण) को अपनाएं। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे धान (पैडी) का रकबा आवश्यकतानुसार कम करते हुए दलहन एवं तिलहन फसलों का क्षेत्र बढ़ाएं। इससे मिट्टी की उर्वराशक्ति में सुधार होगा, उत्पादन लागत में कमी आएगी, जल संरक्षण होगा तथा किसानों की आय में भी वृद्धि होगी।

स्वच्छ वायु युक्त वातावरण बनाने "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान के तहत हुआ पौधारोपण

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय परिसर में पर्यावरण संरक्षण का लिया गया संकल्प

जबलपुर। राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम एवं मिशन लाइफ के अंतर्गत नगर निगम जबलपुर द्वारा संचालित स्वच्छ वायु जनजागरूकता अभियान के तहत शुक्रवार को जोन क्रमांक–11 के वार्ड क्रमांक–79 (ईश्वर दास रोहाणी वार्ड) स्थित रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय परिसर में "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान के अंतर्गत पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राकेश कुमार वर्मा, रजिस्ट्रार डॉ. रविशंकर सोम्बल, प्रो. डॉ. राकेश बाजपेयी, परीक्षा नियंत्रक डॉ. एस.के. दुबे, प्रो. डॉ. अजय गुप्ता, प्रो. डॉ. स्मिता पाठक, एनएसएस समन्वयक जितेंद्र तिवारी, डॉ. शोभा मेहरा सहित विश्वविद्यालय के प्राध्यापकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

इस अवसर पर उपस्थित सभी प्रतिभागियों को स्वच्छ वायु, पर्यावरण संरक्षण एवं हरित आवरण बढ़ाने के महत्व से अवगत कराया गया। वक्ताओं ने कहा कि प्रत्येक नागरिक यदि अपनी माँ के सम्मान में एक पौधा लगाकर उसकी नियमित देखभाल करने का संकल्प लें, तो आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, सुरक्षित एवं हरित वातावरण का निर्माण संभव हो सकेगा।कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं एवं नागरिकों को अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने, लगाए गए पौधों का संरक्षण करने तथा वायु प्रदूषण को कम करने के लिए जनभागीदारी बढ़ाने हेतु प्रेरित किया गया। सभी प्रतिभागियों ने पौधों की नियमित देखभाल एवं पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय सहयोग देने का संकल्प लिया। नगर निगम जबलपुर द्वारा संचालित यह अभियान राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम एवं मिशन लाइफ के उद्देश्यों को जन-जन तक पहुँचाने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण के प्रति सामुदायिक सहभागिता को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हो रहा है।

पाटन में हुआ व्यापक विद्युत मेंटेनेंस कार्य ट्रिपिंग एवं फॉल्ट की समस्या में आएगी कमी

पाटन। विद्युत विभाग के कार्यपालन अभियंता नवनीत राठौड के निर्देशानुसार पाटन वितरण केंद्र एक में पदस्थ पवन यादव के सुपरविजन में पाटन टाउन एवं ग्रामीण के लाइनमैन द्वारा पाटन टाउन क्षेत्र में 12-7-26 को 6 टीम की उपस्थिति में व्यापक मेंटेनेंस कार्य किया गया। इस दौरान विद्युत लाइनों का निरीक्षण, खराब एबी स्विच ,ढीले जंपर एवं कंडक्टरों को ठीक करना, पेड़ों की शाखाओं की कटाई-छंटाई, आवश्यक मरम्मत तथा अन्य तकनीकी सुधार कार्य किए गए। इस दौरान नगर पालिका की गाड़ी की भी मदद ली गई। इस विशेष मेंटेनेंस अभियान का उद्देश्य विद्युत आपूर्ति को अधिक सुरक्षित एवं निर्बाध बनाना है। विभाग का विश्वास है कि किए गए सुधार कार्यों से अनावश्यक ट्रिपिंग एवं फॉल्ट की घटनाओं में उल्लेखनीय कमी आएगी तथा उपभोक्ताओं को अधिक गुणवत्तापूर्ण एवं निरंतर विद्युत आपूर्ति प्राप्त होगी। विद्युत विभाग ने इस दौरान सहयोग एवं धैर्य बनाए रखने के लिए सभी उपभोक्ताओं का आभार व्यक्त किया तथा भविष्य में भी बेहतर विद्युत सेवा उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत रहने का आश्वासन दिया।

निर्मलचंद जैन वार्ड के नागरिकों को मिली सड़क निर्माण की सौगात, अब राह होगी आसान

32.36 लाख रुपये की सीसी रोड का हुआ भूमिपूजन

क्षेत्रवासियों को मिलेगी बेहतर सड़क सुविधाएं

जबलपुर। निर्मलचंद जैन वार्ड अंतर्गत सनसिटी दुर्गा मंदिर के पास सड़क के सीमेंटीकरण कार्य का विधिवत भूमिपूजन रविवार को संपन्न हुआ। लगभग 32 लाख 36 हजार रुपये की लागत से बनने वाली एम-30 सीसी रोड का निर्माण कार्य क्षेत्र की लंबे समय से चली आ रही सड़क संबंधी समस्याओं के समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता विधायक अशोक ईश्वरदास रोहाणी ने की। इस अवसर पर वार्ड पार्षद रीना ऋषि यादव, जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक अशोक रोहाणी ने कहा कि वार्ड की जनता के आशीर्वाद से वार्ड में जनता के लिए निरंतर सराहनीय कार्य हो रहे हैं। कार्यकर्त्ताओ की सक्रियता एवं जनसेवा की भावना के कारण वार्ड में विकास कार्यों को गति मिली है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की मूलभूत आवश्यकताओं को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जा रहा है और नागरिक सुविधाओं के विस्तार के लिए लगातार प्रयास जारी रहेंगे।

वहीं वार्ड पार्षद रीना ऋषि यादव ने अपने संबोधन में कहा कि वार्ड के विकास के लिए विधायक अशोक रोहाणी का अतुलनीय सहयोग प्राप्त हो रहा है। उनके मार्गदर्शन और समर्थन से क्षेत्र में अनेक विकास कार्य स्वीकृत हुए हैं, जिससे नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिल रही हैं। उन्होंने क्षेत्रवासियों को आश्वस्त किया कि वार्ड के समग्र विकास के लिए उनकी प्रतिबद्धता आगे भी बनी रहेगी।

आत्मनिर्भर हो रही महिलाओं को किया सम्मानित

जबलपुर। महिला नागरिक सहकारी बैंक मर्यादित जबलपुर में 11 जुलाई को 30वीं वार्षिक आमसभा का आयोजन किा गया, जिसमें अध्यक्ष निधि पांडेय ने बताया कि बैंक से छोटे-छोटे लघु एवं कुटीर उद्योगों के लिए ऋण लेकर महिलाएं अपने परिवार की जीविका चलाने में सहभागिता निभागर आत्मनिर्भर हो रही हैं, ऐसी कुछ महिलाओं का स्वागत सभा में किया गया।सभा में मुख्य अतिथि भाजपा जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर एवं मुख्य अतिथि जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन, विशिष्ट अतिथि शैलेष राजपाल, उपाध्यक्ष शोभिता दुबे, प्रभा ठाकुर, नूतन पांडेय, साधना तिवारी, शमशाद बेगम, अंजलि यादव, मल्लिका पॉल, कमला अवस्थी, भूमिका अलवानी, सरस्वती चढ़ार, सरोज पांडे, प्रेमलता त्रिपाठी, सुनयना गुप्ता, सीईओ आल्विन मनोहर डेविड, पूर्व सीईओ एसके गुप्ता सहित अन्य ने सहकारिता के संबंध में अपने विचार व्यक्त किए। सभा में पत्रिका का विमोचन, वरिष्ठ नागरिकों को बैंक द्वारा 08 से 8.25 प्रतिशत ब्याज देने की जानकारी दी गई। बैंक के अंशधारियों को 08 प्रतिशत लाभांश देने की घोषणा की गई। बैंक की संगीता उपाध्याय ने सभी का आभार व्यक्त किया।

राष्ट्रीय श्रमजीवी पत्रकार परिषद की जबलपुर संभागीय इकाई का किया गया पुनर्गठन

रवींद्र शर्मा बने संभागीय अध्यक्ष, संजय मिश्रा महासचिव और अनिल गुप्ता वरिष्ठ उपाध्यक्ष

जबलपुर। राष्ट्रीय श्रमजीवी पत्रकार परिषद की जबलपुर संभागीय इकाई का पुनर्गठन करते हुए नई नियुक्तियों की घोषणा की गई है। परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष परमानंद तिवारी एवं राष्ट्रीय संयोजक नलिन कांत बाजपेयी की अनुमति तथा प्रदेश संगठन महासचिव अनुरोध पटेरिया की अनुशंसा पर यह नियुक्तियां की गईं। जारी आदेश के अनुसार वरिष्ठ पत्रकार रवींद्र शर्मा को जबलपुर संभाग का संभागीय अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। वहीं संजय मिश्रा को संभागीय महासचिव तथा वरिष्ठ पत्रकार एवं अनिल गुप्ता को संभागीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। परिषद द्वारा नव नियुक्त संभागीय अध्यक्ष रवींद्र शर्मा को निर्देशित किया गया है कि वे 15 दिवस के भीतर जबलपुर संभाग के अंतर्गत आने वाले सभी जिलों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करते हुए नई संभागीय कार्यकारिणी का गठन करें। इस कार्य में संभागीय महासचिव संजय मिश्रा एवं वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनिल गुप्ता सहयोग प्रदान करेंगे। परिषद के पदाधिकारियों ने सभी नव नियुक्त पदाधिकारियों को जिम्मेदारियों में सफल होने शुभकामनाएं प्रदान की हैं।

तमिल संघम की नई कार्यकारिणी घोषित

जबलपुर। तमिल संघम के संरक्षकगण, वरिष्ठ सक्रिय सदस्यों एवं पूर्व पदाधिकारियों की उपस्थिति में 12 जुलाई को पूर्वान्ह 11.30 बजे दादा ईश्वरदास रोहाणी सामुदायिक भवन में तमिल संघम जबलपुर की सामान्य सभा की बैठक में नवीन कार्यकारिणी के गठन की घोषणा करते हुए मार्गदर्शक उमेश पिल्लई, वरिष्ठ संरक्षक राजेश पिल्ले (कन्ना), संरक्षकगण राजाराम पिल्ले, राजकुमार पिल्ले एवं रमेश पिल्ले, पदाधिकारीगण पूर्व अध्यक्ष ज्योतिराम रेड्डी, सचिव सुभाष पिल्ले, कोषाध्यक्ष शिवराज पिल्ले एवं सक्रिय सदस्यों के द्वारा प्राप्त समर्थन के उपरांत तमिल संघम जबलपुर के वर्ष 2026-27 एक वर्ष के कार्यकाल के लिए एक नवीन कार्यकारिणी अध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष का विधि अनुसार अध्यक्ष पद के लिए पुष्पराज पिल्लई, सचिव शेखर पिल्ले एवं कोषाध्यक्ष राकेश पिल्ले (आर्मी) को सर्वसम्मति से नियुक्त कर एक वर्ष का कार्यकाल प्रदान किया गया। तमिल संघम परिवार आशा विश्वास के साथ सामाजिक हित में अपनी सेवाओं का निर्वहन करेगा।

संगीत संध्या में यादगार गीतों का मधुर गुंजन

इंटरनेशनल सुनहरे पल म्यूजिकल ग्रुप एवं वन बंधु परिषद ने प्रस्तुत किया 'सुरों का सफर' सदाबहार नग़मों के संग

जबलपुर। कार्यक्रम का आयोजन शनिवार की शाम शहीद स्मारक सभागार में आयोजित किया गया। जहाँ शहर के कुछ नए और उभरते हुय गायक कलाकारों ने नए-पुराने गीतों की प्रस्तुति दी, जिसमें- दिल है छोटा सा छोटी सी आशा, दिल का आलम मैं क्या बताऊं तुम्हें, लागा चुनरी में दाग, सवार लूं, अभी मुझमें कहीं... जैसे नगमे सुनने मिले। कार्यक्रम में किशोर कुमार, मन्ना डे, मोहम्मद रफी, लता मंगेशकर, आशा भोसले, कुमार सानू के गाए गीतों के साथ-साथ अरिजीत सिंह, सोनू निगम, अलीशा चिनॉय, मोनालि ठाकुर के नगमे भी सुनने को मिले। आयोजन का उद्देश्य युवा प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना था। कार्यक्रम को और आकर्षक बनाने के लिए दो ड्रॉ रखे गए थे जिसमें कार्यक्रम को सुनने आए श्रोताओं के द्वारा भरी हुई पर्चियों के माध्यम से दो लोगों के नाम निकाले गए जिन्हें मंच पर आमंत्रित किया गया और उन्होंने भी अपने गीतों की प्रस्तुति दी। पहला नाम राजेश झरिया का निकला और वहीं दूसरा नाम रवि नंदन श्रीवास्तव का निकला। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, विशेष अतिथि पंकज शाह एवं पंडित राजू चौबे रहे, जिन्होंने मां सरस्वती के आगे दीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में अतिथियों में एडिशनल एसपी सूर्यकांत शर्मा, पंडित श्याम प्रकाश मुखर्जी के मंडल अध्यक्ष योगेश लोखंडे एवं उपाध्यक्ष राजा सोनकर भी मौजूद रहे। महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू और एडिशनल एसपी सूर्यकांत शर्मा ने गीतों की प्रस्तुतियां भी दीं। कार्यक्रम में अंतर्राष्ट्रीय सुनहरे पल ग्रुप के कलाकार संजीत बिरहा, पंकज कुमार, अनिकेत देवक, शैलेंद्र राजपूत, महेंद्र सिंह, सोमू परोजी, प्रमोद बिरहा ने वाद्य यंत्रों के माध्यम से एवं गायकों में प्रणव चार्वेकर, रिद्धिमा शुक्ला, शशांक चार्वेकर, धर्मेंद्र चौधरी, वंदना, अभिषेक, अतुल कुमार, मोहम्मद अमिश, प्रियांशी, विनायक झा, अवनी विश्वकर्मा, पलक चार्वेकर, विशाल गुरुंग, दामिनी तिवारी, शरद मलिक, निलेश भटनागर, अक्षिता, सूर्यांश पांडे ने गीतों की प्रस्तुति दी। मंच संचालन सुनहरे पल ग्रुप के मैनेजर व उद्घोषक आदित्य श्रीवास्तव ने किया। कार्यक्रम को सफल बानने में विशेष सहयोग दीपक जायसवाल का रहा।

श्री प्रीतमलाल रजक- चेरीताल वार्ड, तुलसी नगर, छाया डुप्लेक्स के सामने, निवासी प्रिंस रजक के पिता श्री प्रीतमलाल रजक का 40 वर्ष की आयु में निधन हो गया। अंतिम संस्कार रविवार को रानीताल मुक्तिधाम में किया

श्री विशेश्वर प्रसाद वर्मा- जाग्रति नगर अमखेरा निवासी श्री विशेश्वर प्रसाद वर्मा (71) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री कालू बेन- हाथीताल पुराना पान बरेजा निवासी श्री कालू बेन (33) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री विश्वनाथ झांबरे- संजीवनी नगर गढ़ा निवासी श्री विश्वनाथ झांबरे (82) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती भागवती बाई सोनकर- भानतलैया विद्यापीठ स्कूल के पीछे निवासी श्री मगन लाल सोनकर की धर्मपत्नी श्रीमती भागवती बाई सोनकर (74) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्रीमती मधु दाहिया- सर्रापीपल रांझी निवासी श्री बैजनाथ दाहिया की धर्मपत्नी श्रीमती मधु दाहिया (58) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती कलावती बंशकार- सिद्धबाबा गणेश चौक निवासी श्री शिवबालक प्रसाद बंशकार की धर्मपत्नी श्रीमती कलावती बंशकार (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्री कमलाकांत दुबे- सैनिक सोसायटी शक्तिनगर निवासी श्री कमलाकांत दुबे (85) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट

मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती सुंदर बाई कोरी- राजेंद्र नगर बाबा टोला ठक्कर ग्राम निवासी श्री सोहन लाल कोरी की धर्मपत्नी श्रीमती सुंदर बाई कोरी (69) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्री राजेंद्र कुमार श्रीवास- गली नं. 10 सदर निवासी श्री राजेंद्र कुमार श्रीवास (71) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री प्रीतम लाल रजक- तुलसीनगर चेरीताल निवासी श्री प्रीतम लाल रजक (80) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार रानीताल शमशान भूमि में किया गया।

श्री राजेंद्र कुमार गौर- अनूप विहार कॉलोनी गोरैयाघाट निवासी श्री राजेंद्र कुमार गौर (64) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

डॉ. आरएन वर्मा- ब्यौहारबाग निवासी डॉ. आरएन वर्मा (89) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती पम्मी बाई झारिया- गंगासागर रानीपुर माली मोहल्ला निवासी श्री चौदस झारिया की धर्मपत्नी श्रीमी पम्मी बाई झारिया (80) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती गोमती सिंह- सदर बुचड़ी के पास निवासी श्री मदन सिंह की धर्मपत्नी श्रीमती गोमती सिंह (84) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री अजेंद्र मिश्रा- विजयनगर निवासी श्री रोशन लाल मिश्रा के पुत्र श्री अजेंद्र मिश्रा (40) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

हरिभूमि
निजी/शोक/उठावना, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अब साइज 40/- प्रति स्क्वायर से.मी.
सिंगल साइज:- से.मी. ब्लैक&व्हाईट 300/-
सिंगल साइज:- से.मी. रंगीन 400/-
सिंगल साइज से.मी. रंगीन 1100/-
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-9303308294, 9407362100

कार्यालय कलेक्टर एवं पदेन उप सचिव, मध्यप्रदेश शासन राजस्व विभाग जिला नरसिंहपुर म. प्र.

क. 1095/ अ.वि.अ. / भू-अर्जन / 2026 **प्रारंभिक अधिसूचना** नरसिंहपुर दिनांक 30/06/2026

(देखिये धारा - 11)

रा.मा.क. 0008/अ-82/2025-26 मौजा ग्राम-ग्वारी प.ह.नं. - 53 नं.ब. - 123 तहसील - गाडरवारा

चूंकि समुचित सरकार को यह प्रतीत होता है कि अनुसूची -1 में कार्यपालन यंत्री रानी अवंती बाई लोधी सागर नहर संभाग क्रमांक 02 गोटेगांव को दुधी नदी पर दुधी परियोजना के दुधी बांध निर्माण हेतु भूमि की आवश्यकता पड़ने की संभावना है । सर्व संबंधित को यह सूचित किया जाता है कि दुधी परियोजना की पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु (SIA/MP/RIV/413993/2023) को राज्य स्तरीय पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन प्राधिकरण द्वारा दिनांक 31.03.2023 को प्रदाय का गई है। भूमि अर्जन पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा-6 की उपधारा-2 के अनुसार सिंचाई परियोजनाओं के संबंध में जहां पर्यावरणीय प्रभाव निर्धारण की प्रक्रिया की तत्समय प्रवत्त किसी अन्य विधि के प्रावधानों के अधीन अपेक्षा की जाती, सामाजिक प्रभाव निर्धारण से संबधित इस अधिनियम के प्रावधान लागू नहीं होगें । अतः भूमि अर्जन पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन सार्वजनिक सूचना के जरिये सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है कि इसके द्वारा उक्त परियोजना हेतु निम्नानुसार भूमि का अर्जन किया जाता है ।

अनुसूची-1

1. परियोजना का नाम- दुधी परियोजना के लिये डूब क्षेत्र हेतु । 2. भूमि का विवरण-1. जिला- नरसिंहपुर, 2. तहसील- गाडरवारा, 3. ग्राम- ग्वारी, 4. प.ह.न.- 53, 5. नं.बं.-123, 6. अर्जित भूमि का क्षेत्रफल- 112.454 हेक्टेयर

अनुसूची-2

स.क.	भूमिस्वामी का विवरण खसरा अनुसार	स्वामित्व का प्रकार	खसरा कं.	कुल रकबा (हें. में)	अर्जन हेतु रकबा (हें. में)
1	2	3	4	5	6
1	विमलाबाई नाबालिग पुत्री रामजी जाति गौंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी सुखवतीबाई बेवा रामजी जाति गौंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी गुड्डू पुत्र रामजी जाति गौंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी हाकम पुत्र सुक्खा जाति गोंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी सुरेश पुत्र सुक्खा जाति गौंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	4	1.258	1.258
	योग:-			1.258	1.258
2	सुकियाबाई पुत्री हरकिशन जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/4 आशाबाई पुत्री हरकिशन जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/4 2 भुरियाबाई पुत्री हरकिशन जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/4 भूमिस्वामी सतियाबाई पुत्री हरकिशन जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/4	भूमिस्वामी	5	1.639	1.639
	योग:-			1.639	1.639
3	विमलाबाई नाबालिग पुत्री रामजी जाति गौंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी सुखवतीबाई बेवा रामजी जाति गौंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी गुड्डू पुत्र रामजी जाति गौंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी हाकम पुत्र सुक्खा जाति गोंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी सुरेश पुत्र सुक्खा जाति गौंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	6	0.899	0.899
	योग:-			0.899	0.899
4	गुड्डू नाबालिग पुत्री रामजी पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/3 विमलावाई नाबालिग पुत्री रामजी पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/3 सुखवती बेवा रामजी पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/3	भूमिस्वामी	7	1.578	1.578
	योग:-			1.578	1.578
5	बडेलाल पुत्र रिसाल जाति गोंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	8/1	0.784	0.784
	योग:-			0.784	0.784
6	मंदू पुत्र रिसाल जाति गोंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	8/2	0.552	0.552
	योग:-			0.552	0.552
7	रेशमबाई पुत्री धन्नू जाति गौंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/4 गोपी पुत्र धन्नू जाति गौंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/4 शिवहरि पुत्र धन्नू जाति गौंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/4 गज्जू पुत्र धन्नू जाति गौंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/4	भूमिस्वामी	9	1.327	1.327
	योग:-			1.327	1.327
8	हाकम पुत्र सुक्खा जाति 2 पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	10/1	1.893	1.893
	योग:-			1.893	1.893
9	गुड्डू नाबालिग पुत्री रामजी पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/3 विमलावाई नाबालिग पुत्री रामजी पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/3 सुखवती बेवा रामजी पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/3	भूमिस्वामी	10/2	0.082	0.082
	योग:-			0.082	0.082
10	हरप्रसाद पुत्र लालजी पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/6 सुमनबाई पुत्री लालजी पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/6 सुक्कोबाई पुत्री लालजी पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/6 सम्पतबाई बेवा लालजी पता गुवारी 10 गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/6 रित्तोबाई पुत्री लालजी पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/6 पंचू पुत्र लालजी पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/6	भूमिस्वामी	11,12/2	1.291	1.291
	योग:-			1.291	1.291
11	सीताराम पुत्र नन्हा जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	12/1	0.283	0.283
	योग:-			0.283	0.283
12	लालसाहब पुत्र रामक्रेश जाति गोंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	13	0.899	0.899
	योग:-			0.899	0.899
13	हल्के पुत्र रामक्रेश जाति गोंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	14	0.583	0.583
	योग:-			0.583	0.583
14	शिवहरि पुत्र धन्नू जाति 2 पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	15	0.882	0.882
	योग:-			0.882	0.882
15	बाबूलाल पुत्र श्रीलाल जाति गोंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	18/1	0.275	0.275
	योग:-			0.275	0.275
16	अमोल पिता मंझे गौंड़ जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	18/2/1	0.246	0.246
	योग:-			0.246	0.246
17	दिलीप सिंह पिता मंझे गौंड़ जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	18/2/2	0.247	0.247
	योग:-			0.247	0.247
18	जय सिंह पिता कुंवर लाल गौंड जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी भूमिस्वामी	भूमिस्वामी	18/3/1	0.247	0.247
	योग:-			0.247	0.247
19	हरिओम पिता कुंवर लाल गौंड जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी भूमिस्वामी	भूमिस्वामी	18/3/2	0.247	0.247
	योग:-			0.247	0.247
20	सुकियाबाई पुत्री हरकिशन जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/4 आशाबाई पुत्री हरकिशन जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/4 भुरियाबाई पुत्री हरकिशन जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/4 20 सतियाबाई पुत्री हरकिशन जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/4	भूमिस्वामी	19,20	2.072	2.072
	योग:-			2.072	2.072
21	नन्हा पुत्र दुर्जन जाति गौंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	21/1	0.258	0.258
	योग:-			0.258	0.258
22	सीताराम पुत्र नन्हा जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	21/2	0.385	0.385
	योग:-			0.385	0.385
23	महेश पुत्र नन्हा जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	21/3	0.385	0.385
	योग:-			0.385	0.385
24	सीताराम पुत्र नन्हा जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	22/1	0.121	0.121
	योग:-			0.121	0.121
25	महेश पुत्र नन्हा जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	22/2	0.121	0.121
	योग:-			0.121	0.121
26	सददू पुत्र विश्राम जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	25/1	0.394	0.394
	योग:-			0.394	0.394
27	रामफल पुत्र विसराम जाति गोंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	25/2	0.395	0.395
	योग:-			0.395	0.395
28	ग्यानी पुत्र मुतली जाति गोंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	27/2	0.101	0.101
	योग:-			0.101	0.101
29	ग्यानी पुत्र मुतली जाति गोंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	28/1	0.091	0.091
	योग:-			0.091	0.091
30	शिवराज पुत्र सुम्मा जाति गोंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/3 वीरवल पुत्र सुम्मा जाति गोंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/3 कुन्जी भूमिस्वामी पुत्र सुम्मा जाति गोंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/3	भूमिस्वामी	28/2	0.091	0.091
	योग:-			0.091	0.091
31	गोविंद पुत्र अंतराम जाति गौंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/5 भाईजी पुत्र अंतराम जाति गौंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/5 बचाईबाई पुत्री अंतराम जाति गौंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/5 रमकीबाई पुत्री अंतराम जाति गौंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/5 राजू पुत्र अंतराम जाति गौंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/5	भूमिस्वामी	29/1	0.103	0.103
	योग:-				
32	धन्नालाल पुत्र छोटेलाल जाति गोंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/4 बज्जोबाई बेवा छोटेलाल जाति गोंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/4 उत्तम पुत्र छोटेलाल जाति गोंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/4 परसराम पुत्र छोटेलाल जाति गोंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/4	भूमिस्वामी	29/2	0.103	0.103
	योग:-			0.103	0.103
33	रामफल पुत्र विसराम जाति गोंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	30/1	0.145	0.145
	योग:-			0.145	0.145
34	सददू पुत्र विश्राम जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	30/2	0.169	0.169
	योग:-			0.169	0.169
35	ग्यानी पुत्र मुतली जाति गोंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	30/3	0.025	0.025
	योग:-			0.025	0.025
36	कुंजीलाल पुत्र सुम्मा जाति गौंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/3 36 शिवराज पुत्र सुम्मा जाति गौंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/3 बीरवल पुत्र सुम्मा जाति गौंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/3	भूमिस्वामी	30/4	0.226	0.226
	योग:-			0.226	0.226
37	जवारे पुत्र सिंगराम जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/3 शंकर पुत्र सिंगराम जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/3 हरिराम पुत्र 37 सिंगराम जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/3	भूमिस्वामी	30/5	0.227	0.227
	योग:-			0.227	0.227
38	हनुमत पुत्र पतिराम जाति गौंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	30/6	0.227	0.227
	योग:-			0.227	0.227
39	बराती ऊर्फ रामप्रसाद पुत्र पतिराम जाति गौंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	30/7	0.303	0.303
	योग:-			0.303	0.303
स.क.	भूमिस्वामी का विवरण खसरा अनुसार	स्वामित्व का प्रकार	खसरा कं.	कुल रकबा (हें. में)	अर्जन हेतु रकबा (हें.में)
1	2	3	4	5	6
40	भागवती पुत्री रामकृष्ण जाति गोंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/4 लाल साहब पुत्र रामकृष्ण जाति गोंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/4 मालती ठाकुर पुत्री रामकृष्ण जाति गोंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/4 हल्के गौड पुत्र रामकृष्ण जाति गोंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	31	0.206	0.206
	योग:-			0.206	0.206
41	हरप्रसाद पुत्र लालजी पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/6 सुमनबाई पुत्री लालजी पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/6 सुक्कोबाई पुत्री लालजी पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/6 सम्पतबाई बेवा लालजी पता गुवारी 41 गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/6 रित्तोबाई पुत्री लालजी पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/6 पंचू पुत्र लालजी पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/6	भूमिस्वामी	32/1	0.696	0.696
	योग:-			0.696	0.696
42	परमूलाल पुत्र अयोध्याप्रसाद जाति गौंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/2 धुरी पुत्र अयोध्याप्रसाद जाति गौंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/2	भूमिस्वामी	32/2	0.243	0.243
	योग:-			0.243	0.243
43	विंदू पिता बाबूलाल गौंड जाति गोंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	33/1	0.108	0.108
	योग:-			0.108	0.108
44	भोला पिता बाबूलाल गौंड जाति गोंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश 487881 भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	33/2	0.108	0.108
	योग:-			0.108	0.108
45	भुरियाबाईपतिस्व कैलाश करनदीपदलपतसाहअर्चनाजयन्तीसंगीता अनीता पिता कैलाश गौड़ जाति 45 गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमिस्वामी	भूमिस्वामी	33/3	0.108	0.108
	योग:-			0.108	0.108
46	गज्जू पुत्र धन्नू जाति गोंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	34	0.364	0.364
	योग:-			0.364	0.364
47	ज्योति पत्नी ब्रजेश राजपूत जाति राजपूत पता बारहाबडा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	35	0.934	0.934
	योग:-			0.934	0.934
48	सुन्दरलाल पुत्र कुसीलाल जाति पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	36/1	0.134	0.134
	योग:-			0.134	0.134
49	भागवती पुत्री रामकृष्ण जाति गोंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/4 लाल साहब पुत्र रामकृष्ण जाति गोंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/4 मालती ठाकुर पुत्री रामकृष्ण जाति गोंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/4 हल्के गौड पुत्र रामकृष्ण जाति गोंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	36/2	0.146	0.146
	योग:-			0.146	0.146
50	तारोबाई पुत्री नन्हेवीर जाति गौंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/7 गुड्डीबाई पुत्री नन्हेवीर जाति गौंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/7 रज्जोबाई पुत्री नन्हेवीर जाति गौंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/7 धीरनलाल पुत्र नन्हेवीर जाति गौंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/7 लकोबाई बेवा नन्हेवीर जाति गौंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/7 परसादों पुत्री नन्हेवीर जाति गौंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/7 हल्केवीर पुत्र नन्हेवीर जाति गौंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/7	भूमिस्वामी	36/3	0.138	0.138
	योग:-			0.138	0.138
51	भागवती पुत्री रामकृष्ण जाति गोंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/4 लाल साहब पुत्र रामकृष्ण जाति गोंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/4 मालती ठाकुर पुत्री रामकृष्ण जाति गोंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/4 हल्के गौंड पुत्र रामकृष्ण जाति गोंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/4	भूमिस्वामी	37/1	0.295	0.295
	योग:-			0.295	0.295
52	नारायण पुत्र कुसीर्लाल जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	37/2	0.137	0.137
	योग:-			0.137	0.137
53	बडेलाल पुत्र रिसाल जाति गोंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	38	0.599	0.599
	योग:-			0.599	0.599
54	बृजेशसिह पुत्र कंछेदीसिह जाति राजपूत पता बारहा गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	39	0.879	0.879
	योग:-			0.879	0.879
55	जगदीश पुत्र रतीराम जाति 2 पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/4 सिमतोबाई पुत्री रतीराम जाति 2 पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/4 55 रामसींग पुत्र बडडा जाति 2 पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/4 बलमा पुत्र बडा जाति 2 पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/4	भूमिस्वामी	41	1.073	1.073
	योग:-			1.073	1.073
56	अमोल पिता मंझे गौंड़ जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	42/1/2	0.448	0.448
	योग:-			0.448	0.448
57	दिलीप सिंह पिता मंझे गौंड़ जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	42/1/2	0.447	0.447
	योग:-			0.447	0.447
58	कुवंरलाल पुत्र श्रीलाल जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	42/2	0.136	0.136
	योग:-			0.136	0.136
59	ज्योति पत्नी ब्रजेश राजपूत जाति राजपूत पता बारहाबडा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	43/1	0.925	0.925
	योग:-			0.925	0.925
60	बृजेशसिह पुत्र कंछेदीसिह जाति राजपूत पता बारहा गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	43/2	0.726	0.726
	योग:-			0.726	0.726
61	बृजेशसिह पुत्र कंछेदीसिह जाति राजपूत पता बारहा गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	43/3	0.926	0.926
	योग:-			0.926	0.926
62	नबियाबाई पुत्री रिसाल जाति गोंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/4 रत्तोबाई पुत्री रिसाल जाति गोंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/4 62 पत्तोबाई पुत्री रिसाल जाति गोंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/4 गिरजाबाई बेवा रिसाल जाति गोंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/4	भूमिस्वामी	44/1	0.810	0.810
	योग:-			0.810	0.810
63	मंदू पुत्र रिसाल जाति गोंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	44/2	0.436	0.436
	योग:-			0.436	0.436
64	गज्जू पुत्र धन्नू जाति गोंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	45	0.975	0.975
	योग:-			0.975	0.975
65	रमेश पुत्र बल्लू उर्फ बारेलाल जाति ढीमर पता बारहा गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी सुमियाबाई बेवा बल्लू उर्फ बारेलाल जाति ढीमर पता बारहा गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी नीतूबाई पुत्री बल्लू उर्फ बारेलाल जाति ढीमर पता बारहा गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी रूपसँग पुत्र बल्लू उर्फ बारेलाल जाति ढीमर पता बारहा गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी द्रोपतीबाई पुत्री बल्लू उर्फ बारेलाल जाति ढीमर पता बारहा गाडरवारा नरसिंहपुर 65 मध्य प्रदेश भूमि स्वामी रीनूबाई पुत्री बल्लू उर्फ बारेलाल जाति ढीमर पता बारहा गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी अशोक पुत्र दुर्गा प्रसाद जाति ढीमर पता बारहा गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी ज्योतिबाई पुत्री दुर्गा प्रसाद जाति ढीमर पता बारहा गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी अर्चनाबाई पुत्री दुर्गा प्रसाद जाति ढीमर पता बारहा गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	46/1	1.935	1.935
	योग:-			1.935	1.935
66	बृजेशसिह पुत्र कंछेदीसिह जाति राजपूत पता बारहा गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	46/2	0.331	0.331
	योग:-			0.331	0.331
67	जय सिंह पिता कुंवर लाल गौंड जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	48/2/1	0.017	0.017
	योग:-			0.017	0.017
68	हरिओम पिता कुंवर लाल गौंड जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	48/2/2	0.227	0.227
	योग:-			0.227	0.227
69	अमोल पिता मंझे गौंड़ जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	48/3/1	0.150	0.150
	योग:-			0.150	0.150
70	दिलीप सिंह पिता मंझे गौंड़ जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	48/3/2	0.150	0.150
	योग:-			0.150	0.150
71	भागवती पुत्री रामकृष्ण जाति गोंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी1/4 लाल साहब पुत्र रामकृष्ण जाति गोंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी1/4 मालती ठाकुर पुत्री रामकृष्ण जाति गोंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंह-पुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी1/4 हल्के गौंड पुत्र रामकृष्ण जाति गोंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/4	भूमिस्वामी	49/1	0.202	0.202
	योग:-			0.202	0.202
72	सुरेश पुत्र नन्दलाल जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	49/2	0.202	0.202
	योग:-			0.202	0.202
73	कुवंरलाल पुत्र श्रीलाल जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	50	0.138	0.138
	योग:-			0.138	0.138
74	साधराम पुत्र श्रीलाल जाति गौंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	51	0.781	0.781
	योग:-			0.781	0.781
75	रामकिशन पुत्र जगदीश जाति गौंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	52/1	1.340	1.340
	योग:-			1.340	1.340
76	रामगोपाल पुत्र जगदीश जाति गौंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	52/2	0.339	0.339
	योग:-			0.339	0.339
77	सवीताबाई पुत्री जगदीश जाति गौंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/3 सहोदराबाई बेवा जगदीश जाति गौंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/3 लक्ष्मीबाई पुत्री जगदीश जाति गौंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/3	भूमिस्वामी	53	0.324	0.324
	योग:-			0.324	0.324
78	आकाश पुत्र अशोक कुमार जाति ब्राह्मण पता बैरागढ़ नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/3 अंजली पुत्री अशोक कुमार जाति ब्राह्मण पता बैरागढ़ नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/3 78 सुमन ढिमोले बेवा अशोक कुमार जाति ब्राह्मण पता बैरागढ नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी1/3	भूमिस्वामी	56	0.089	0.089
	योग:-			0.089	0.089
79	मानकुवरबाई पुत्री भैयालाल जाति राजपूत पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि	भूमिस्वामी	57,58	1.029	1.029
	योग:-			1.029	1.029
80	मानकुवरबाई पुत्री भैयालाल जाति राजपूत पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि	भूमिस्वामी	59,88/1	1.418	1.418
	योग:-			1.418	1.418
81	आकाश पुत्र अशोक कुमार जाति ब्राह्मण पता बैरागढ़ नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/3 अंजली पुत्री अशोक कुमार जाति ब्राह्मण पता बैरागढ़ नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/3 81 सुमन ढिमोले बेवा अशोक कुमार जाति ब्राह्मण पता बैरागढ नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	60	0.210	0.210
	योग:-			0.210	0.210
82	आकाश पुत्र अशोक कुमार जाति ब्राह्मण पता बैरागढ़ नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/3 अंजली पुत्री अशोक कुमार जाति ब्राह्मण पता बैरागढ़ नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/3 81 सुमन ढिमोले बेवा अशोक कुमार जाति ब्राह्मण पता बैरागढ नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	61/1	1.328	1.328
	योग:-			1.328	1.328
83	आकाश पुत्र अशोक कुमार जाति ब्राह्मण पता बैरागढ़ नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/3 अंजली पुत्री अशोक कुमार जाति ब्राह्मण पता बैरागढ़ नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/3 81 सुमन ढिमोले बेवा अशोक कुमार जाति ब्राह्मण पता बैरागढ नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	61/2	2.148	2.148
	योग:-			2.148	2.148
84	गोपी पुत्र धन्नू जाति गोंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	62	0.801	0.801
	योग:-			0.801	0.801
85	शिवहरि पुत्र धन्नू जाति 2 पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	63	0.210	0.210
	योग:-			0.210	0.210
86	परमूलाल पुत्र अयोध्याप्रसाद जाति गौंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/2 धुरी पुत्र अयोध्याप्रसाद जाति गौंड पता गुवारीगाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	64	1.335	1.335
	योग:-			1.335	1.335
87	वंदोबाई पुत्री हक्कू जाति गोंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/4 नरबदीबाई पुत्री हक्कू जाति गोंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/4 87 टन्टू पुत्र हक्कू जाति गोंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/4 फूलसिंह पुत्र हक्कू जाति गोंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/4	भूमिस्वामी	65	1.012	1.012
	योग:-			1.012	1.012

शेष अगले पृष्ठ पर

विधानसभा के मानसून सत्र के पूरी तरह से पेपरलेस होने में अभी कुछ वक्त और, टैबलेट के इस्तेमाल पर संशय बरकरार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मप्र विधानसभा के मानसून सत्र के पूरी तरह से पेपरलेस होने में अभी कुछ वक्त और लग सकता है। इसकी एक वजह यह भी है कि विधानसभा सचिवालय अभी भी यह तय नहीं कर पाया है कि विधायकों को डेस्क-माउंटेड टैबलेट किस आधार वर्ष से सदन की कार्यवाही का डिजिटल रिकॉर्ड उपलब्ध कराया जाए। इसी वजह से मानसून सत्र में टैबलेट के इस्तेमाल पर संशय बना हुआ है।

विधानसभा सचिवालय कार्यवाही के डेटा को टैबलेट में अपलोड करने की प्रक्रिया और उसके आधार वर्ष को लेकर मंथन कर रहा है। सचिवालय का कहना है कि विधायकों को टैबलेट के उपयोग का प्रशिक्षण भी दिया जाना है। प्रशिक्षण के बाद ही इन्हें प्रभावी ढंग से उपयोग में लाया जा सकेगा। बताते हैं कि मानसून सत्र शुरू होने से पहले समीक्षा बैठक में यह तय किया जाएगा कि टैबलेट का उपयोग इस सत्र से शुरू किया जाए या नहीं। यदि तैयारी समय पर पूरी नहीं हुई तो इसकी शुरुआत शीतकालीन सत्र से की जा सकती है।

नई यूपीएस प्रणाली लगाने की भी जरूरत

विधानसभा परिसर में नई यूपीएस प्रणाली लगाने की भी जरूरत है, जिसके लिए वित्त विभाग को प्रस्ताव भेजा गया है। इसके अलावा यह भी तय किया जाना बाकी है कि किस वर्ष से विधानसभा की कार्यवाही का डिजिटल रिकॉर्ड टैबलेट में उपलब्ध कराया जाएगा। राष्ट्रीय ई-विधान एप (एनईवीए नेवा) परियोजना के तहत देश के कई राज्यों की विधानसभाओं में टैबलेट आधारित पेपरलेस व्यवस्था लागू की जा चुकी है। लोकसभा की 15 वीं लोकसभा से अब तक की कार्यवाही भी इस पोर्टल पर उपलब्ध है। मध्यप्रदेश विधानसभा में भी इसी दिशा में तैयारी चल रही है। किंतु तकनीकी और प्रशासनिक तैयारियां पूरी होने के बाद ही इसे लागू किया जा सकेगा।

पिछले पृष्ठ का शेष

स. क.	भूमिस्वामी का विवरण खसरा अनुसार	स्वामित्व का प्रकार	खसरा क.	कुल रकबा (हें. में)	अर्जन हेतु रकबा (हे.में)
1	2	3	4	5	6
93	सलियाबाई पुत्री गुलाब जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/6 शिवप्रसाद पुत्र गुलाब जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/6 पुनियाबाई पुत्री गुलाब जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/6 88 गुडडीबाई पुत्री गुलाब जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/6 रामसुखीबाई बेवा गुलाब जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/6 चरन पुत्र गुलाब जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/6	भूमिस्वामी	86	1.084	1.084
	योग:-			1.084	1.084
94	कन्छेदीलाल पुत्र छोटेलाल जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	87	1.918	1.918
	योग:-			1.918	1.918
95	आकाश पुत्र अशोक कुमार जाति ब्राह्मण पता बैरागढ़ नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/3 अंजली पुत्री अशोक कुमार जाति ब्राह्मण पता बैरागढ़ नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/3 95 सुमन ढिमोले बेवा अशोक कुमार जाति ब्राह्मण पता बैरागढ नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	88/2	1.119	1.119
	योग:-			1.119	1.119
96	कन्छेदीलाल पुत्र छोटेलाल जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	89/1	0.067	0.067
	योग:-			0.067	0.067
97	कन्धई पुत्र कलुआउर्फ छोटेलाल जाति गोंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि	भूमिस्वामी	89/2	0.042	0.042
	योग:-			0.042	0.042
98	रामसीग पुत्र वह्वा जाति गोंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	91	2.003	2.003
	योग:-			2.003	2.003
99	अन्नीलाल पुत्र तेजराम जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	95	1.246	1.246
	योग:-			1.246	1.246
100	अन्नीलाल पुत्र तेजराम जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	97	1.161	1.161
	योग:-			1.161	1.161
101	कन्धई पुत्र कलुआउर्फ छोटेलाल जाति गोंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	99	0.765	0.765
	योग:-			0.765	0.765
102	कन्धई पुत्र कलुआउर्फ छोटेलाल जाति गोंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	101	0.817	0.817
	योग:-			0.817	0.817
103	कन्धई पुत्र कलुआउर्फ छोटेलाल जाति गोंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	102	0.158	0.158
	योग:-			0.158	0.158
104	भोजराज पुत्र नत्थू जाति गोंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	103/1 111/3	0.804	0.804
	योग:-			0.804	0.804
105	हरिसिंह पुत्र नत्थू जाति गोंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	103/2	0.513	0.513
	योग:-			0.513	0.513
106	मन्झे पुत्र नत्थू जाति गोंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	103/3	0.513	0.513
	योग:-			0.513	0.513
107	लक्ष्मन पुत्र गुल्लू जाति गोंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	105/1	0.651	0.651
	योग:-			0.651	0.651
108	कुसीर्लाल पुत्र हरचन्द जाति 2 पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	105/2	1.279	1.279
	योग:-			1.279	1.279
109	विंदू पिता बाबूलाल गौड जाति गोंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	106/1/1	0.428	0.428
	योग:-			0.428	0.428
110	भोला पिता बाबूलाल गौड जाति गोंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश 487881 भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	106/1/2	0.428	0.428
	योग:-			0.428	0.428
111	भरियाबाईपतिस्व कैलाश करनदीपदलपतसाहअर्चनाजयन्तीसंगीता अनीता पिता कैलाश गौड़ जाति 111 गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमिस्वामी	भूमिस्वामी	106/1/3	0.427	0.427
	योग:-			0.428	0.428
112	लक्ष्मन पुत्र गुल्लू जाति गोंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	106/2	0.627	0.627
	योग:-			0.627	0.627
113	गजराज पुत्र नन्हा जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	107/1	0.329	0.329
	योग:-			0.329	0.329
114	रामगोपाल पुत्र जगदीश जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	107/2	1.001	1.001
	योग:-			1.001	1.001
115	गजराज पुत्र नन्हा जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	109	1.003	1.003
	योग:-			1.003	1.003
116	वल्मा पुत्र वह्वा जाति गोंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	111/1	1.072	1.072
	योग:-			1.072	1.072
117	कन्धई पुत्र कलुआउर्फ छोटेलाल जाति गोंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	114	0.186	0.186
	योग:-			0.186	0.186
118	महेश पुत्र नन्हा जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	115/1	0.008	0.008
	योग:-			0.008	0.008
119	महेश पुत्र नन्हा जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	115/2	0.033	0.033
	योग:-			0.033	0.033
120	सवीताबाई पुत्री जगदीश जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/3 सहोदराबाई बेवा जगदीश जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/3 लक्ष्मीबाई पुत्री जगदीश जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/3	भूमिस्वामी	116	0.020	0.020
	योग:-			0.020	0.020
121	लता पत्नी अरविंद ठाकुर जाति गोंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	117	0.032	0.032
	योग:-			0.032	0.032
122	वडेलाल पुत्र रिसाल जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	119/1 120/1	0.329	0.329
	योग:-			0.329	0.329
123	परमूलाल पुत्र अजुद्दी जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/4 नन्हा पुत्र दुर्जन जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/2 धुरी पुत्र अजुद्दी जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/4	भूमिस्वामी	119/2 120/2	0.330	0.330
	योग:-			0.330	0.330
124	गुड्डू नाबालिग पुत्री रामजी पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/3 विमलावाई नाबालिग पुत्री रामजी पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/3 सुखवती बेवा रामजी पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/3	भूमिस्वामी	121/1	0.263	0.263
	योग:-			0.263	0.263
125	गुड्डू उर्फदिनेश पिता रामजी जाति गोंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/9 सुखवती उर्फसुमन बेवा रामजी जाति गोंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/9 विमला बाई पुत्री रामजी जाति गोंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि 12 स्वामी 1/9 हाकम पिता सुक्खा जाति गोंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/3 सुरेश पिता सुक्खा जाति गोंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/3	भूमिस्वामी	121/2	0.061	0.061
	योग:-			0.061	0.061
126	महेश पुत्र नन्हा जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	122/1	0.034	0.034
	योग:-			0.034	0.034
127	राजू पुत्र गुन्धी जाति ढीमर पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	122/2	0.035	0.035
	योग:-			0.035	0.035
128	राजू पुत्र गुन्धी जाति ढीमर पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	122/3	0.035	0.035
	योग:-			0.035	0.035
129	हरप्रसाद पुत्र लालजी पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/6 सुमनबाई पुत्री लालजी पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/6 सुक्कोबाई पुत्री लालजी पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/6 सम्पतबाई बेवा लालजी पता गुवारी 129 गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/6 रित्तोबाई पुत्री लालजी पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/6 पंचू पुत्र लालजी पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/6	भूमिस्वामी	123	0.097	0.097
	योग:-			0.097	0.097
130	होती पुत्र नन्दलाल जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	124/1	0.016	0.016
	योग:-			0.097	0.097
131	सुरेश पुत्र नन्दलाल जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	124/2	0.045	0.045
	योग:-			0.045	0.045
132	साधराम पुत्र श्रीलाल जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	125	0.069	0.069
	योग:-			0.069	0.069
133	परमूलाल पुत्र अयोध्याप्रसाद जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/2 धुरी पुत्र अयोध्याप्रसाद जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/2	भूमिस्वामी	126/1	0.040	0.040
	योग:-			0.040	0.040
134	सीताराम पुत्र नन्हा जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	126/2	1.362	0.021
	योग:-			1.362	0.021
135	महेश पुत्र नन्हा जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	126/3	1.362	0.020
	योग:-			1.362	0.020
136	जगदीश पुत्र रतीराम जाति 2 पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/4 सिमतोबाई पुत्री रतीराम जाति 2 पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/4 136 रामसींग पुत्र बडडा जाति 2 पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/4 बलमा पुत्र बडडा जाति 2 पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/4	भूमिस्वामी	128	1.362	0.101
	योग:-			1.362	0.101
137	गोपी पुत्र धन्नू जाति गोंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	129	1.362	0.279
	योग:-			1.362	0.279
138	सुरेश पुत्र नन्दलाल जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	130	1.362	0.223
	योग:-			1.362	0.223
139	सुकियाबाई पुत्री हरकिशन जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/4 आशाबाई पुत्री हरकिशन जाति गौड़ पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/4 139 भुरियाबाई पुत्री हरकिशन जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/4 सतियाबाई पुत्री हरकिशन जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/4	भूमिस्वामी	133, 134	1.362	0.341
	योग:-			1.362	0.341
140	मंजू पुत्र खुमान जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/4 सुशीलाबाई पुत्री खुमान जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/4 140 नन्हाबाई बेवा खुमान जाति गोंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/4 कमलेश पुत्र खुमान जाति गोंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/4	भूमिस्वामी	135/1	1.362	0.015
	योग:-			1.362	0.015
141	बड़ेलाल पुत्र गुमान जाति गौड पता गाडरवारा गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	135/2	1.362	0.061
	योग:-			1.362	0.061
142	राजकुमारी नाबालिग पुत्री शंकर जाति गोंड पता पराव पडाव बनखेडी नर्मदापुरम मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/6 मनोहर नाबालिग पुत्र शंकर जाति गोंड पता पराव पड़ाव बनखेड़ी नर्मदापुरम मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/6 विश्राम नाबालिग पुत्र शंकर जाति गोंड पता पराव पड़ाव बनखेड़ी मैदापुरम मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/6 विद्याबाई बेवा शंकर जाति गोंड पता पराव पड़ाव बनखेड़ी नर्मदापुरम मध्य प्रदेश भूमि स्वामी1/6 गुडडीबाई पुत्री शंकर पता पराव पडाव बनखेड़ी नर्मदापुरम मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/6 समेर नाबालिग पुत्र शंकर जाति गोंड पता पराव पड़ाव बनखेड़ी नर्मदापुरम मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/6	भूमिस्वामी	136	1.362	0.073
	योग:-			1.362	0.073
143	भागवती पुत्री रामकृष्ण जाति गोंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/4 लाल साहब पुत्र रामकृष्ण जाति गोंड पता गुवारी गाडर वारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/4 मालती ठाकुर पुत्री रामकृष्ण जाति गोंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/4 हल्के गौड पुत्र रामकृष्ण जाति गोंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/4	भूमिस्वामी	137	1.362	0.036
	योग:-			1.362	0.036
144	कन्धई पुत्र कलुआउर्फ छोटेलाल जाति गोंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	138	1.362	0.016
	योग:-			1.362	0.016
145	मेहताफ मन्दा हल्कू पुत्र नन्हे गुलाबपिता वखेडू जाति 2 पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	139	1.362	0.028
	योग:-			1.362	0.028
146	मोहन पुत्र कल्ला जाति गोंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	141	1.362	0.049
	योग:-			1.362	0.049
147	इमरतीबाई पुत्री रम्मा जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	145,184 202/2	1.362	2.033
	योग:-			1.362	2.033
148	अन्नीलाल पुत्र गोकल मेहरा पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	146	1.362	0.137
	योग:-			1.362	0.137
149	मंदू पुत्र रिसाल जाति गोंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	147	1.362	0.497
	योग:-			1.362	0.497
150	अन्नीलाल पुत्र गोकल मेहरा पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	150	1.362	0.397
	योग:-			1.362	0.397
151	मोहन पुत्र कल्ला जाति गोंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	152	1.362	0.061
	योग:-			1.362	0.061
152	हरीसिंह पुत्र नत्थू जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/3 मन्झे पुत्र नत्थू जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/3 भुज्जा पुत्र नत्थू जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/3	भूमिस्वामी	153	1.362	0.198
	योग:-			1.362	0.198
153	वीरसिंह पुत्र सुक्खा पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	168/4	1.362	1.007
	योग:-			1.362	1.007
154	सुन्दरलाल पुत्र कुसीलाल जाति पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	181/1	1.362	0.379
	योग:-			1.362	0.379
155	तारोबाई पुत्री नन्हेवीर जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/7 गुड्डी बाई पुत्री नन्हेवीर जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/7 रज्जोबाई पुत्री नन्हेवीर जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/7 धीरनलाल पुत्र नन्हेवीर जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/7 लकोबाई बेवा नन्हेवीर जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/7 परसादो पुत्री नन्हेवीर जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/7 हल्केवीर पुत्र नन्हेवीर जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/7	भूमिस्वामी	181/2	1.362	0.729
	योग:-			1.362	0.729
156	नारायण पुत्र कुसीर्लाल जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	181/3	1.362	0.379
	योग:-			1.362	0.379

स. क.	भूमिस्वामी का विवरण खसरा अनुसार	स्वामित्व का प्रकार	खसरा क.	कुल रकबा (हें. में)	अर्जन हेतु रकबा (हे.में)
1	2	3	4	5	6
156	नारायण पुत्र कुसीर्लाल जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	181/3	1.362	0.379
	योग:-			1.362	0.379
157	संजनाबाई नाबालिग पुत्री भददू जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी लक्ष्मण पुत्र गुल्लू जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी सतियाबाई बेवा भददू जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी पारवतीबाई पुत्री भददू जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी हल्कीबाई बेवा गुल्लू जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश	भूमिस्वामी	182/1	1.362	1.064
	योग:-			1.362	1.064
158	गोविंद पुत्र अंतराम जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/5 भाईजी पुत्र अंतराम जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/5 बचाईबाई पुत्री अंतराम जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/5 रमकीबाई पुत्री अंतराम जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/5 राजू पुत्र अंतराम जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/5	भूमिस्वामी	182/2	1.362	1.063
	योग:-			1.362	1.063
159	वज्जोबाई बेवा छोटेलाल बगैरह जाति 2 पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	182/3	1.362	1.064
	योग:-			1.362	1.064
160	अयोध्याप्रसाद पुत्र कलीराम जाति मेहरा पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	183/1	1.362	0.286
	योग:-			1.362	0.286
161	लेखराम पुत्र कलीराम जाति मेहरा पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	183/2	1.362	0.286
	योग:-			1.362	0.286
162	सीता बाई बेवा बालचंद जाति मेहरा पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/25 गीता पुत्री बालचंद जाति मेहरा पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1 / 25 ज्ञानवती नाबालिग पुत्री शिवनारायण जाति मेहरा पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/ 25 शोभाराम पुत्र भूरा जाति मेहरा पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/5 सुधावाई पुत्री शिवनारायण जाति मेहरा पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/25 परसराम पुत्र बालचंद जाति मेहरा पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/25 पूरन पुत्र भूरा जाति मेहरा पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि 162 स्वामी 1/5 सुषमा पुत्री बालचंद जाति मेहरा पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/ 25 करन नाबालिग पुत्र शिवनारायण जाति मेहरा पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/25 विष्णु पुत्र भूरा जाति मेहरा पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/5 पुष्पा पुत्री बालचंद जाति मेहरा पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/ 25 सवियावाई बेवा शिवनारायण जाति मेहरा पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/25 विपिन नाबालिग पुत्र शिवनारायण जाति मेहरा पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/25	भूमिस्वामी	183/3	1.362	0.572
	योग:-			1.362	0.572
163	राजकुमारी नाबालिग पुत्री शंकर जाति गोंड पता पराव पडाव बनखेडी नर्मदापुरम मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/6 मनोहर नाबालिग पुत्र शंकर जाति गोंड पता पराव पड़ाव बनखेड़ी नर्मदापुरम मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/6 विश्राम नाबालिग पुत्र शंकर जाति गोंड पता पराव पड़ाव बनखेड़ी नर्मदापुरम मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/6 विद्याबाई बेवा शंकर जाति गोंड पता पराव पड़ाव बनखेड़ी नर्मदापुरम मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/6 गुडडीबाई पुत्री शंकर पता पराव पडाव बनखेड़ी नर्मदापुरम मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/6 समेर नाबालिग पुत्र शंकर जाति गोंड पता पराव पड़ाव बनखेड़ी नर्मदापुरम मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/6	भूमिस्वामी	184/1	0.992	0.992
	योग:-			0.992	0.992
164	इमरतीबाई पुत्री रम्मा जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	184/2	0.993	0.993
	योग:-			0.993	0.993
165	पन्नोबाई बेवा गनेश जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/2 165 श्रीलाल पुत्र गनेश जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/2	भूमिस्वामी	184/3	0.993	1.362
	योग:-			0.993	0.993
166	मंदू पुत्र रिसाल जाति गोंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	185	0.227	0.227
	योग:-			0.227	0.227
167	अनीलाल पुत्र गोकल जाति मेहरा पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	186	0.091	0.091
	योग:-			0.091	0.091
168	पन्नोबाई बेवा गनेश जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/2 168 श्रीलाल पुत्र गनेश जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/2	भूमिस्वामी	187	0.044	0.044
	योग:-			0.044	0.044
169	वीरसिंह पुत्र शुक्ला जाति गोंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	190/2	0.085	0.085
	योग:-			0.085	0.085
170	(शासकीय) साधराम वल्द श्रीलाल जाति मेहरा पता 1 भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	192	0.587	0.587
	योग:-			0.587	0.587
171	प्रेमिया पुत्री नन्हेलाल जाति मेहरा पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	193	0.704	0.704
	योग:-			0.704	0.704
172	जगदीश पुत्र रतीराम जाति 2 पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/4 सिमतोबाई पुत्री रतीराम जाति 2 पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/4 172 रामसींग पुत्र बडडा जाति 2 पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/4 बलमा पुत्र बडडा जाति 2 पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/4	भूमिस्वामी	195	0.024	0.024
	योग:-			0.024	0.024
173	खेमचन्द पुत्र नन्हेलाल जाति मेहरा पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/4 जानकीबाई बेवा ईश्वरी जाति मेहरा पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/4 173 प्रेमिया पुत्री नन्हेलाल जाति मेहरा पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/4 नेतराम पुत्र ईश्वरी जाति मेहरा पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/4	भूमिस्वामी	198	0.445	0.445
	योग:-			0.445	0.445
174	राजकुमारी नाबालिग पुत्री शंकर जाति गोंड पता पराव पडाव बनखेडी नर्मदापुरम मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/6 मनोहर नाबालिग पुत्र शंकर जाति गोंड पता पराव पड़ाव बनखेड़ी नर्मदापुरम मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/6 विश्राम नाबालिग पुत्र शंकर जाति गोंड पता पराव पड़ाव बनखेड़ी नर्मदापुरम मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/6 विद्याबाई बेवा शंकर जाति गोंड पता पराव पड़ाव बनखेड़ी नर्मदापुरम मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/6 गुडडीबाई पुत्री शंकर पता पराव पडाव बनखेड़ी नर्मदापुरम मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/6 समेर नाबालिग पुत्र शंकर जाति गोंड पता पराव पड़ाव बनखेड़ी नर्मदापुरम मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/6	भूमिस्वामी	202/1	0.980	0.980
	योग:-			0.980	0.980
175	इमरतीबाई पुत्री रम्मा जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	202/2	0.979	0.979
	योग:-			0.979	0.979
176	पन्नोबाई बेवा गनेश जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/2 176` श्रीलाल पुत्र गनेश जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/2	भूमिस्वामी	202/3	0.979	0.979
	योग:-			0.979	0.979
177	सुरेश पुत्र नन्दलाल जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	209	0.194	0.194
	योग:-			0.194	0.194
178	अयोध्याप्रसाद पुत्र कलीराम जाति मेहरा पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	210/1 211/1	0.378	0.378
	योग:-			0.378	0.378
179	खेमचन्द पुत्र नन्हेलाल ऊर्फ दमरू जाति मेहरा पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि 179 स्वामी	भूमिस्वामी	210/2	1.109	1.109
	योग:-			1.109	1.109
180	लेखराम पुत्र कलीराम जाति मेहरा पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	210/3 211/3	0.379	0.379
	योग:-			0.379	0.379
181	सीता बाई बेवा बालचंद जाति मेहरा पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/ 25 गीता पुत्री बालचंद जाति मेहरा पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/25 ज्ञानवती नाबालिग पुत्री शिवनारायण जाति मेहरा पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/ 25 शोभाराम पुत्र भूरा जाति मेहरा पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/5 सुधावाई पुत्री शिवनारायण जाति मेहरा पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/25 परसराम पुत्र बालचंद जाति मेहरा पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/25 पूरन पुत्र भूरा जाति मेहरा पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि 181 स्वामी 1/5सुषमा पुत्री बालचंद जाति मेहरा पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमिस्वामी 1/ 25 करन नाबालिग पुत्र शिवनारायण जाति मेहरा पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य` प्रदेश भूमि स्वामी 1/ 25 विष्णु पुत्र भूरा जाति मेहरा पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/5 पुष्पा पुत्री बालचंद जाति मेहरा पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/25 सवियावाई बेवा शिवनारायण जाति मेहरा पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/ 25 विपिन नाबालिग पुत्र शिवनारायण जाति मेहरा पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/25	भूमिस्वामी	210/4 211/4	0.757	0.757
	योग:-			0.757	0.757
182	पन्नोबाई बेवा गनेश जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/2 182 श्रीलाल पुत्र गनेश जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/2	भूमिस्वामी	211/1	0.340	0.340
	योग:-			0.340	0.340
183	खेमचन्द पुत्र नन्हेलाल ऊर्फ दमरू जाति मेहरा पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	211/2	0.333	0.333
	योग:-			0.333	0.333
184	वीरन पुत्र नन्दलाल जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	212/1	0.665	0.665
	योग:-			0.665	0.665
185	चन्नी पुत्र नन्दलाल जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	212/2	0.665	0.665
	योग:-			0.665	0.665
186	होती पुत्र नन्दलाल जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	212/3	0.648	0.648
	योग:-			0.648	0.648
187	लालसाहब पुत्र रामक्रेश जाति गोंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/2 187 हल्के पुत्र रामक्रेश जाति गोंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/2	भूमिस्वामी	214	1.429	1.429
	योग:-			1.429	1.429
188	लालसाहब पुत्र रामक्रेश जाति गोंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	215/1	0.306	0.306
	योग:-			0.306	0.306
189	हल्के पुत्र रामक्रेश जाति गोंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	215/2	0.305	0.305
	योग:-			0.305	0.305
190	मूंगाबाई नाबालिग पुत्री मुन्नीलाल जाति मेहरा पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/4 राजकुमार नाबालिग पुत्र मुन्नीलाल जाति मेहरा पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/4 सवियाबाई बेवा मुन्नीलाल जाति मेहरा पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/4 रामवतीबाई नाबालिग पुत्री मुन्नीलाल जाति मेहरा पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/4	भूमिस्वामी	216/1	0.550	0.550
	योग:-			0.550	0.550
191	सिंधुबाला पत्नी वजयिनारायण ढिमोले जाति ब्राह्मण पता बैरागढ नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	216/2 216/3	1.294	1.294
	योग:-			1.294	1.294
192	हल्के पुत्र रामक्रेश जाति गोंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	218/1	0.860	0.860
	योग:-			0.860	0.860
193	लालसाहब पुत्र रामक्रेश जाति गोंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	218/2	0.544	0.544
	योग:-			0.544	0.544
194	सददू पुत्र विश्राम जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	220/1	0.346	0.195
	योग:-			0.346	0.195
195	रामफल पुत्र विसराम जाति गोंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	220/2	0.347	0.196
	योग:-			0.347	0.196
196	ग्यानी पुत्र मुतली जाति गोंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	220/3	1.384	1.233
	योग:-			1.384	1.233
197	कुंजीलाल पुत्र सुम्मा जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/3 शिवराज पुत्र सुम्मा जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/3 बीरवल पुत्र सुम्मा जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/3	भूमिस्वामी	220/4	1.384	1.233
	योग:-			1.384	1.233
198	जवारे पुत्र सिंगराम जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/3 शंकर पुत्र सिंगराम जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/3 हरिराम पुत्र 198 सिंगराम जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/3	भूमिस्वामी	220/5	1.316	1.165
	योग:-			1.316	1.165
199	हनुमत पुत्र पतिराम जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	220/6	0.923	0.772
	योग:-			0.923	0.772
200	बराती ऊर्फ रामप्रसाद पुत्र पतिराम जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि	भूमिस्वामी	220/7	0.1922	0.773
	योग:-			0.1922	0.773
201	भजन पुत्र सुक्खा जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	223/1	0.423	0.100
	योग:-			0.423	0.100
202	वीरसिंह पुत्र सुक्खा पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	223/2	0.423	0.025
	योग:-			0.423	0.025
203	रामचरन पुत्र मंगल पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/3 छोटीवाई बेवा मंगल पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/3 तेजराम पुत्र मंगल पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/3	भूमिस्वामी	223/3	0.423	0.322
	योग:-			0.423	0.322
204	बड़ेलाल पुत्र गुमान जाति गौड पता गाडरवारा गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	भूमिस्वामी	223/4	0.634	0.634
	योग:-			0.634	0.634
205	मंजू पुत्र खुमान जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/4 सुशीलाबाई पुत्री खुमान जाति गौड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/4 205 नन्हाबाई बेवा खुमान जाति गोंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/4 कमलेश पुत्र खुमान जाति गोंड पता गुवारी गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी 1/4	भूमिस्वामी	223/5	0.634	0.593
	योग:-			0.634	0.593
	कुल योग:-			114.374	112.154

यह अधिसूचना इससे संबधित सभी व्यक्तियों के लिये भूमि अर्जन पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 (2013 का 30) की धारा - 11 (1) उपबंधों के अधीन जारी की गई है। राज्य सरकार की अधिसूचना क्रमांक झ एफ भोपाल दिनांक - एफ 16झ15 (7) - 2014 - सात - शा, 2ए भोपाल दिनांक 29.09.2014 जिसका मध्यप्रदेश राजपत्र दिनांक 03.10.2014 के पृष्ठ क्रमांक 2895 पर प्रकाशन किया गया है । उक्त अधिसूचना के परिपालन में प्रभारी अधिकारी भू-अर्जन नरसिंहपुर को अधिनियम की धारा - 12 द्वारा दी गई शक्ति का प्रयोग करने के लिए निर्देशित किया जाता है । सरकार, उक्त अधिनियम की धारा-12 में यथा उपबंधित एवं विनिर्दिष्ट कार्यपालन यंत्री रानी अवंती बाई लोधी सागर नहर संभाग क्रमांक 02 गोटेगांव और उसके कर्मचारिवृंद को भूमि में प्रवेश करने और उसका सर्वेक्षण करने, किसी भी भूमि के स्तर लेने, अवमृदा में खुदाई करने या वेधन करने और अपने कार्य के उचित निष्पादन के लिये अपेक्षित सभी अन्य कार्य करने के लिये प्राधिकृत करती है। अधिनियम की धारा-11 (4) के अधीन कोई भी व्यक्ति कलेक्टर के पूर्व अनुमोदन के बिना ऐसी अधिकारी के प्रकाशन की तारीख से भूमि का कोई भी संव्यवहार नहीं करेगा या कोई भी संव्यवहार नही होने देगा अर्थात कय / विक्रय आदि नहीं करेगा या ऐसी भूमि पर कोई भी विल्लंगम सृजित नहीं करेगा । अधिनियम की धारा - 15 (1) के अधीन यथा उपबंधित इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 60 दिनों के भीतर किसी इच्छुक व्यक्ति द्वारा भूमि अर्जन के बारे में कलेक्टर (कक्ष क्रमांक- 84, भू-अर्जन शाखा, नरसिंहपुर) अथवा कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) गाडरवारा के कार्यालय में आपेक्ष यदि कोई हो फाइल

G-15525/26

(मणिन्द कुमार सिंह) अनुविभागीय
अधिकारी सह भू-अर्जन अधिकारी
गाडरवारा

(रजनी सिंह)
कलेक्टर एवं पदेन उपसचिव
मध्यप्रदेश शासन राजस्व विभाग जिला नरसिंहपुर (म.प्र.)

खबर संक्षेप

एल्युमिनियम स्क्रैप पर लगा आयात शुल्क हटाने की मांग

नई दिल्ली। पुनर्चक्रण उद्योग ने सरकार से एल्युमिनियम कबाड़ यानी स्क्रैप पर लगने वाले 2.5 प्रतिशत शुल्क को समाप्त करने की मांग की है। मटेरियल रीसाइक्लिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एमआरएआई) ने कहा कि शुल्क हटाने से पुनर्चक्रण और एल्युमिनियम आधारित विनिर्माण उद्योग की लागत कम करने में मदद मिलेगी तथा वे वैश्विक स्तर पर अधिक प्रतिस्पर्धी बन सकेंगे। एमआरएआई ने कहा है कि औद्योगिक मांग को पूरा करने के लिए देश आयातित एल्युमिनियम स्क्रैप पर निर्भर बना हुआ है।

सेल इंडोनेशिया में स्टील के लिए संभावना तलाशेगी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की इस्पात कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) और इंडोनेशिया की पीटी क्राकाटाउ स्टील प्रस्तावित संयुक्त उद्यम के तहत पांच लाख से 10 लाख टन क्षमता की स्टेनलेस स्टील परियोजना स्थापित करने की संभावना तलाश रही हैं। दोनों कंपनियों ने संयुक्त उद्यम की स्थापना के लिए सहमति ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। सूत्रों ने यह जानकारी दी है। सूत्र ने कहा कि सेल और इंडोनेशिया की कंपनी पांच लाख टन क्षमता की स्टेनलेस स्टील परियोजना स्थापित करने की संभावना तलाशेंगी।

डीएलएफ के चेयरमैन का वेतन 20 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। देश की प्रमुख रियल एस्टेट कंपनी डीएलएफ लिमिटेड के चेयरमैन राजीव सिंह का पारिश्रमिक वित्त वर्ष 2025-26 में बेहतर प्रदर्शन के आधार पर 20 प्रतिशत बढ़कर 44.06 करोड़ रुपये हो गया है। वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान निदेशक/केएमपी (मुख्य प्रबंधकीय कर्मियों) को दिए गए वेतन की सूची के अनुसार, डीएलएफ के चेयरमैन एवं पूर्णकालिक निदेशक को वित्त वर्ष में 44.06 करोड़ रुपये वेतन मिला है, जबकि वित्त वर्ष 2024-25 में यह राशि 36.65 करोड़ रुपये थी।

भारत-कनाडा मुक्त व्यापार समझौते पर वार्ता हुई पूरी

नई दिल्ली। भारत और कनाडा के बीच प्रस्तावित वृहद आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) पर तीसरे दौर की वार्ता 10 जुलाई को ओटावा में पूरी हो गई है। दोनों देशों ने इस समझौते पर 2026 के भीतर बातचीत पूरी करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। माल एवं सेवाओं का व्यापार, बौद्धिक संपदा, मूल स्थान के नियम, स्वच्छता और पादप-स्वच्छता संबंधी उपाय तथा व्यापार में तकनीकी बाधाएं आदि मुद्दों पर पांच दिन तक बातचीत हुई।

गोयल इस सप्ताह स्पेन और बेल्जियम जाएंगे

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल व्यापार तथा निवेश को बढ़ावा देने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए स्पेन, बेल्जियम और फिनलैंड की पांच दिवसीय यात्रा पर जाएंगे। वाणिज्य मंत्रालय ने रविवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि प्रतिनिधिमंडल में उन्नत विनिर्माण, स्वच्छ ऊर्जा, डिजिटल प्रौद्योगिकी, रत्न एवं आभूषण, खाद्य प्रसंस्करण, स्वास्थ्य सेवा और डिजाइन जैसे क्षेत्रों की प्रमुख भारतीय कंपनियों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। बयान के अनुसार, गोयल 13 जुलाई को स्पेन में भारत-स्पेन व्यापार गोलमेज सम्मेलन में हिस्सा लेंगे।

अब नहीं बनेंगी आपकी एआई तस्वीरें! मेटा ने विवादित 'म्यूज इमेज' फीचर हटाया

मेटा ने आठ जुलाई को इंस्टाग्राम पर एक एआई फीचर लांच किया था

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

मेटा ने आठ जुलाई 2026 को इंस्टाग्राम के लिए म्यूज इमेज नाम का एक एआई फीचर लांच किया था। जिसका उद्देश्य क्रिएटिविटी को बढ़ावा देना था। इसकी मदद से कोई भी यूजर किसी पब्लिक इंस्टाग्राम अकाउंट का नाम लिखकर उसकी तस्वीरों से नई एआई इमेज तैयार कर सकता था।

इसके लिए यूजर को केवल प्रॉम्प्ट में उस अकाउंट का नाम यानी यूजरनेम लिखना होता था, और एआई उस प्रोफाइल की तस्वीरों के आधार पर एक बिल्कुल नया डिजिटल रूप तैयार कर देता। दुनियाभर में इस फीचर का विरोध किया गया, क्योंकि लोगों की प्राइवेसी के लिए खतरा था। मेटा ने फीचर का बचाव करने की कोशिश की। मेटा ने क्या कहा जब विवाद बढ़ने लगा, तो मेटा ने अपने आधिकारिक ब्लॉग पोस्ट में बताया कि म्यूज इमेज फीचर को बंद कर दिया गया है। कंपनी के मुताबिक, इस टूल का उद्देश्य यूजर्स को एक नया क्रिएटिव एआई अनुभव देना था, लेकिन संभावित गलत इस्तेमाल और मिले फीडबैक को देखते हुए इसे हटाने का फैसला लिया गया।

अब अगर कोई यूजर मेटा एआई में किसी इंस्टाग्राम अकाउंट को टैग करके एआई इमेज बनाने की कोशिश करेगा, तो चैटबॉट ऐसा करने से इंकार कर देगा।

कैसे शुरू हुआ विवाद?

फीचर लांच होते ही सोशल मीडिया पर इसकी आलोचना शुरू हो गई। यूजर्स का कहना था कि उनकी परमिशन के बिना तस्वीरों को एआई मॉडल में इस्तेमाल करना प्राइवेसी के खिलाफ है। कई लोगों ने आशंका जताई कि इस फीचर का इस्तेमाल करके किसी की फर्जी एआई इमेज बनाई जा सकती है, जिससे पहचान के दुरुपयोग और डिजिटल धोखाधड़ी का खतरा बढ़ सकता है। यानी की इससे डीपफेक जैसे मामले भी बढ़ सकते हैं।

हॉलीवुड से भी उठा विरोध

इस फीचर से केवल आम यूजर्स को ही नहीं, बल्कि हॉलीवुड के दिग्गजों को भी समस्या थी। मशहूर टैलेंट एजेंसी सीएए, जो टॉम क्रूज और जेंडाया जैसे कलाकारों का प्रतिनिधित्व करती है, ने भी इस फीचर पर आपत्ति जताई। उनका कहना था कि किसी व्यक्ति की तस्वीरों का एआई के लिए उपयोग उसकी स्पष्ट सहमति के बिना नहीं होना चाहिए।

सीआरईए ने कहा, पिछले माह से 34 फीसदी अधिक आयात

भारत ने जून में रूस से रिकॉर्ड 4.5 अरब यूरो का कच्चा तेल खरीदा : रिपोर्ट

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

भारत ने इस साल जून में रूस से रिकॉर्ड मात्रा में कच्चे तेल का आयात किया है और यह इससे पिछले महीने की तुलना में 34 प्रतिशत अधिक रहा है। हालांकि, इस दौरान अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतों में नरमी के कारण रूस की तेल निर्यात से होने वाली आय में कमी दर्ज की गई।

■ कीमतों में नरमी के कारण तेल निर्यात से आय में कमी दर्ज

सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर (सीआरईए) की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट के अनुसार, जून में भारत ने रूस से 4.5 अरब यूरो मूल्य का कच्चा तेल खरीदा, जो रूस से उसके कुल 5.5 अरब यूरो के जीवाश्म ईंधन आयात का 83 प्रतिशत बैठता।

खास बातें

■ जून में भारत ने रूस से 4.5 अरब यूरो मूल्य का कच्चा तेल खरीदा

ब्रिटिश सरकार के विशेष प्रावधान से आयात हुआ संभव

रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि यूरोपीय संघ द्वारा रूसी कच्चे तेल से बने उत्पादों के आयात पर प्रतिबंध के बावजूद जून में भारतीय रिफाइनरियों से भेजी गई ऐसी दो खेप यूरोपीय बंदरगाहों पर उतारी गईं। इसके अलावा, ब्रिटेन ने भी जून में जामनगर रिफाइनरी से रूसी कच्चे तेल से तैयार जेट ईंधन की पहली खेप प्राप्त की। ब्रिटिश सरकार द्वारा दिए गए विशेष प्रावधान के तहत यह आयात संभव हुआ।

रूसी तेल की आपूर्ति भारतीय रिफाइनरियों में बढ़ी

इस तरह भारत चीन के बाद रूस से हाइड्रोकार्बन खरीदने वाला दूसरा सबसे बड़ा देश रहा। भारत के कुल कच्चे तेल आयात में जून के दौरान मासिक आधार पर 5.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इस दौरान रूसी तेल की आपूर्ति भारतीय रिफाइनरियों में उल्लेखनीय रूप से बढ़ी।

रिलायंस की रिफाइनरी से तेल की आपूर्ति

रिलायंस इंडस्ट्रीज की जामनगर रिफाइनरी में रूस से तेल की आपूर्ति मई की तुलना में 150 प्रतिशत, इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) की पारादीप रिफाइनरी में 126 प्रतिशत, भारत पेट्रोलियम (बीपीसीएल) की कोच्चि रिफाइनरी में 83 प्रतिशत और नायरा एनर्जी की वाडिनार रिफाइनरी में 45 प्रतिशत बढ़ी।

भारत की निर्यात मात्रा 14 प्रतिशत बढ़ी

सीआरईए के अनुसार, भारत की बढ़ी हुई खरीदारी से जून में रूस के कच्चे तेल के निर्यात की मात्रा 14 प्रतिशत बढ़ गई। इसके बावजूद कम कीमतों के कारण रूस की कच्चे तेल से दैनिक निर्यात आय आठ प्रतिशत घटकर 34.8 करोड़ यूरो प्रतिदिन रह गई। कुल मिलाकर रूस के जीवाश्म ईंधन निर्यात की दैनिक आय एक प्रतिशत घटकर 73.4 करोड़ यूरो रह गई, जबकि निर्यात मात्रा सात प्रतिशत बढ़ी।

भारत वैश्विक व्यापार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा

रिपोर्ट कहती है जून में भारत द्वारा रूस से आयात किए गए 5.5 अरब यूरो के जीवाश्म ईंधन में 4.5 अरब यूरो का कच्चा तेल, 48.8 करोड़ यूरो के पेट्रोलियम उत्पाद और 44.4 करोड़ यूरो का कोयला शामिल था। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत, रूस के कच्चे तेल से तैयार किए गए परिष्कृत ईंधन के वैश्विक व्यापार में भी अहम भूमिका निभा रहा है।

81.4 करोड़ यूरो मूल्य का उत्पाद निर्यात

जून में भारत, तुर्किये, ब्रुनेई और जॉर्जिया की रिफाइनरियों ने रूस पर प्रतिबंध लगाने वाले देशों—यूरोपीय संघ, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया-को 81.4 करोड़ यूरो मूल्य के पेट्रोलियम उत्पादों का निर्यात किया। इनमें से लगभग 36.9 करोड़ यूरो के उत्पाद रूसी कच्चे तेल से तैयार किए गए थे।

खाड़ी में तनाव से सोने-चांदी पर दबाव बने रहने की संभावना

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

अमेरिका-ईरान संघर्ष में ताजा तनाव, कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और महंगाई के आंकड़ों पर निवेशकों की नजर के बीच अगले सप्ताह सोने और चांदी की कीमतों में उतार-चढ़ाव बने रहने की संभावना है। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। विश्लेषकों ने कहा कि कीमती धातुओं में फिलहाल गिरावट का रुख कायम रह सकता है। विश्लेषकों ने कहा कि महंगाई के आंकड़े वैश्विक ब्याज दरों को लेकर बाजार की उम्मीदों को प्रभावित कर सकते हैं। पश्चिम एशिया में ताजा तनाव से एक बार फिर वैश्विक बाजारों में चिंता बढ़ गई है। ईरान ने हाल में कहा था कि उसने एक ऐसे जहाज को निशाना बनाया जो उसकी मंजूरी के बिना मार्ग से गुजर रहा था। इसके बाद उसने होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने की घोषणा की। इसके बाद अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने ईरान पर हमले किए, जिसके जवाब में ईरान ने संयुक्त अरब अमीरात , कुवैत और बहरीन में अमेरिका से जुड़े ठिकानों को निशाना बनाया।

■ कच्चे तेल की कीमतों पर निवेशकों की नजर

जेएम फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (जिंस एवं मुद्रा शोध) प्रणव मेर ने कहा, "सोने और चांदी में फिलहाल गिरावट और 'करेक्शन' का दौर जारी है। अब बाजार का ध्यान फिर से अमेरिका-ईरान संघर्ष पर रहेगा।

हर उछाल पर निवेशकों की मुनाफावसूली

मेर ने कहा कि बीच-बीच में सुधार की कोशिशों के बावजूद सर्राफा कीमतें तेजी को बनाए रखने में विफल रहीं और हर उछाल पर निवेशकों ने मुनाफावसूली की। त्रिवेदी ने कहा कि भारतीय रुपये में मामूली गिरावट से एमसीएक्स सोने को सीमित समर्थन मिला, लेकिन वैश्विक बाजार में कमजोर रुख ने इसके प्रभाव को काफी हद तक संतुलित कर दिया।

एयरटेल 10 साल में 3.3 लाख करोड़ रुपए का करेगी निवेश

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

भारती एयरटेल के चेयरमैन सुनील भारती मित्तल ने कहा है कि कंपनी ने पिछले एक दशक में डिजिटल बुनियादी ढांचे के निर्माण में 3.3 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया है और अब वृद्धि के अगले चरण के लिए वित्तीय सेवाओं, डेटा केंद्रों और क्लाउड सेवाओं पर बड़ा दांव लगा रही है। कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट में मित्तल ने कहा कि एयरटेल ने नए विकास क्षेत्रों को तैयार करने के लिए सोच-समझकर कदम उठाए हैं। इन प्रयासों से कंपनी को मजबूत परिणाम मिले हैं और अब उसे वित्तीय सेवाएं, डेटा केंद्र और एयरटेल क्लाउड क्षेत्र में आगे बढ़ने की अच्छी संभावनाएं दिख रही हैं। चेयरमैन ने कहा कि भारती एयरटेल ने अपनी गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) एयरटेल मनी में 20,000 करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा की है। वहीं, कंपनी की डेटा सेंटर इकाई नेक्स्ट्रा ने एक गीगावाट (जीडब्ल्यू) क्षमता विकसित करने की योजना के तहत हाल में एक अरब डॉलर (करीब 9,500 करोड़ रुपये) जुटाए हैं। मित्तल ने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने एयरटेल मनी को गैर-जमा स्वीकार करने वाली गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी के रूप में काम करने की मंजूरी दे दी है। उन्होंने कहा, "यह कंपनी के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है और भारत में वित्तीय समावेशन का दायरा बढ़ाने के व्यापक लक्ष्य की दिशा में भी अहम कदम है।"

■ वित्तीय सेवाओं डेटा सेंटर और क्लाउड पर लगाएगी दांव

एक गीगावाट क्षमता तैयार की जाएगी

मित्तल ने कहा कि एयरटेल मनी को आने वाले वर्षों में पर्याप्त पूंजी उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि भारत में तेजी से बढ़ते डिजिटलीकरण, क्लाउड सेवाओं के बढ़ते उपयोग और डेटा को देश में ही रखने की जरूरतों के कारण नेक्स्ट्रा अगले कुछ वर्षों में एक गीगावाट क्षमता तैयार करने की दिशा में आगे बढ़ रही है।

ग्राहकों की जरूरत के अनुरूप नए मॉडल लाएगी होंडा मोटर

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

जापान की प्रमुख वाहन कंपनी होंडा मोटर भारत के दोपहिया वाहन बाजार की दीर्घकालिक वृद्धि की संभावनाओं को लेकर आशान्वित है। कंपनी का मानना है कि व्यक्तिगत परिवहन की बढ़ती जरूरत, कार्यबल में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी और प्रीमियम वाहनों की बढ़ती मांग आने वाले वर्षों में उद्योग की वृद्धि को गति देती रहेगी। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) त्सुत्सुमु ओतानी ने कहा कि कंपनी ग्राहकों की बदलती जरूरतों के अनुरूप नए उत्पाद बाजार में उतारने की तैयारी कर रही है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष की दूसरी छमाही में त्योहारी सीजन को ध्यान में रखते हुए कई नए मॉडल पेश किए जाएंगे। ओतानी ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 में भारतीय दोपहिया उद्योग ने ग्रामीण मांग में सुधार, प्रीमियम उत्पादों की बढ़ती बिक्री, निर्यात में मजबूती और सरकार की अनुकूल नीतियों के कारण शानदार प्रदर्शन किया।

■ भारत के दोपहिया वाहन बाजार को लेकर आशान्वित है कंपनी

तिमाही नतीजों से तय होगी घरेलू शेयर बाजार की चाल

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

स्थानीय शेयर बाजार की चाल अगले सप्ताह अमेरिका-ईरान के बीच भू-राजनीतिक तनाव, कंपनियों के तिमाही नतीजों, कच्चे तेल की कीमतों और महंगाई के आंकड़ों से तय होगी। बाजार विश्लेषकों का मानना है कि मानसून की प्रगति और विदेशी निवेशकों (एफपीआई) की कारोबारी गतिविधियों पर भी निवेशकों की करीबी नजर रहेगी। रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजित मिश्रा ने कहा कि घरेलू स्तर पर निवेशक जून के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) और थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़ों के साथ-साथ विदेशी मुद्रा भंडार के ताजा आंकड़ों पर ध्यान देंगे। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही के नतीजों का सीजन अब रफ्तार पकड़ेगा। इस दौरान कंपनियों के प्रबंधन की टिप्पणियां विभिन्न क्षेत्रों की संभावनाओं और आमदनी के अनुमानों की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। मिश्रा ने कहा कि वैश्विक स्तर पर अमेरिका-ईरान तनाव और कच्चे तेल की कीमतों पर पड़ने वाले असर पर भी बाजार की नजर बनी रहेगी। चार महीनों तक लगातार बिकवाली के बाद विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) जुलाई में भारतीय शेयर बाजार में शुद्ध खरीदार बन गए हैं। उन्होंने इस महीने अबतक 15,157 करोड़ रुपये से अधिक के शेयर खरीदे हैं। इसके पीछे घरेलू आर्थिक संकेतकों में सुधार, रुपये की स्थिरता और वैश्विक जोखिम धारणा में सुधार को प्रमुख वजह माना जा रहा है।

■ भू-राजनीतिक स्थिति, कच्चे तेल की कीमतें डालेगी प्रभाव

मुद्रास्फीति का आंकड़ा होगा आज जारी

मीणा ने कहा कि भारत का सीपीआई आधारित मुद्रास्फीति का आंकड़ा सोमवार को और डब्ल्यूपीआई आधारित मुद्रास्फीति का आंकड़ा मंगलवार को जारी होगा। इसके अलावा ग्रामीण मांग और महंगाई पर प्रभाव को देखते हुए मानसून की प्रगति पर भी निवेशकों की नजर रहेगी।

पूंजीकरण में सबसे अधिक लाभ में एचडीएफसी बैंक रही

नई दिल्ली। पिछले सप्ताह शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से चार के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 92,995.48 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। सबसे अधिक लाभ एचडीएफसी बैंक और भारती एयरटेल को हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 194.52 अंक यानी 0.25 प्रतिशत और एनएसई का निफ्टी 63.95 अंक यानी 0.26 प्रतिशत गिरावट के साथ बंद हुआ। शीर्ष 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के बाजार पूंजीकरण में वृद्धि दर्ज की गई।

चार माह की बिकवाली के बाद विदेशी निवेशक लौटे

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने लगातार चार महीने तक बिकवाली करने के बाद जुलाई में अबतक भारतीय शेयरों में 15,157 करोड़ रुपये से अधिक का शुद्ध निवेश किया है। बेहतर होते घरेलू व्यापक आर्थिक संकेतकों, रुपये की स्थिरता और वैश्विक स्तर पर जोखिम लेने की बढ़ती धारणा से यह रुझान देखने को मिला है। सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज (इंडिया) लिमिटेड (सीडीएसएल) के आंकड़ों के अनुसार, इससे पहले जून में एफपीआई ने 49,340 करोड़ रुपये, मई में 32,963 करोड़ रुपये, अप्रैल में 60,847 करोड़ रुपये और मार्च में 1.17 लाख करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की थी। इस बिकवाली के दौर से पहले फरवरी में विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार में 22,615 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया था। हालांकि, जुलाई में एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजार में शुद्ध निवेश किया है, लेकिन वर्ष 2026 में अब तक एफपीआई भारतीय शेयरों से कुल 2.60 लाख करोड़ रुपये निकाल चुके हैं। यह आंकड़ा पिछले वर्ष की समान अवधि में हुई 1.66 लाख करोड़ रुपये की निकासी से काफी अधिक है।

■ जुलाई में अबतक एफपीआई ने डाले 15,157 करोड़ रुपए

घरेलू अर्थव्यवस्था में दिखा सुधार

जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी.के. विजयकुमार ने कहा कि घरेलू अर्थव्यवस्था में सुधार और रुपये की स्थिरता ने विदेशी निवेशकों को आकर्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि सेमीकंडक्टर कारोबार में कमजोरी तथा दक्षिण कोरिया जैसे बाजारों में एफपीआई की बिकवाली के कारण निवेश का एक हिस्सा भारत की ओर आया है।

हिन्दुस्तान लीवर और डाबर में कर्मचारियों की संख्या घटी

बीते वित्त वर्ष एफएमसीजी में कर्मियों की संख्या घटी

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

देश की प्रमुख रोजमर्रा के उपभोग का सामान (एफएमसीजी) बनाने वाली कंपनियों के कर्मचारियों की संख्या में बीते वित्त वर्ष 2025-26 में मिला-जुला रुख देखने को मिलता है। इन कंपनियों की वार्षिक रिपोर्ट से यह जानकारी मिली है। बीते वित्त वर्ष में जहां हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल) और डाबर इंडिया ने अपने स्थायी कर्मचारियों की संख्या घटाई, वहीं नेस्ले इंडिया, मैरिको और टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (टीसीपीएल) ने अपने कार्यबल का विस्तार किया। वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में इन कंपनियों में कर्मचारियों के वेतन में औसतन 6.08 प्रतिशत से 12.1 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई।

■ टीसीपीएल में वेतनवृद्धि सबसे अधिक रही

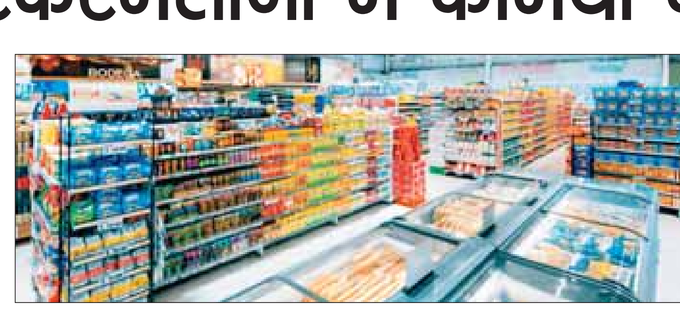

एचयूएल में स्थायी कर्मचारियों की संख्या घटी

सबसे अधिक 12.1 प्रतिशत की वृद्धि टीसीपीएल ने की, जबकि एचयूएल में यह वृद्धि सबसे कम 6.08 प्रतिशत रही। एचयूएल के स्थायी कर्मचारियों की संख्या 31 मार्च, 2026 तक घटकर 5,898 रह गई, जो एक वर्ष पहले 6,604 थी। यानी कंपनी के स्थायी कर्मचारियों की संख्या में 700 से अधिक की कमी आई।

डाबर ने कर्मचारियों के औसत वेतन में वृद्धि की

घरेलू एफएमसीजी कंपनी डाबर इंडिया के स्थायी कर्मचारियों की संख्या भी घटकर 4,770 रह गई, जो पिछले वर्ष 5,343 थी। इसके बावजूद कंपनी ने कर्मचारियों के औसत वेतन में 7.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी की, जबकि 2024-25 में यह वृद्धि छह प्रतिशत थी।

एफएमसीजी स्वचालन पर अधिक निवेश कर रही

विशेषज्ञों का कहना है कि एफएमसीजी कंपनियां अब विनिर्माण, गोदाम, आपूर्ति श्रृंखला और बैक-ऑफिस संचालन में स्वचालन (ऑटोमेशन) पर अधिक निवेश कर रही हैं। डिजिटल उपकरण, कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित विश्लेषण, स्वचालित पैकेजिंग लाइन और एकीकृत ईआरपी प्रणालियों के इस्तेमाल से कंपनियां कम कर्मचारियों के साथ अधिक उत्पादन और वितरण करने में सक्षम हो रही हैं।

नेस्ले में मामूली कर्मचारी बढ़े

नेस्ले इंडिया में कुल कर्मचारियों की संख्या मामूली बढ़कर 8,680 हो गई, जबकि स्थायी कर्मचारियों की संख्या 8,419 से घटकर 8,382 रह गई। कंपनी ने कर्मचारियों के वेतन में औसतन 7.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। दूसरी ओर, मैरिको और टीसीपीएल ने अपने स्थायी कर्मचारियों की संख्या बढ़ाई।

शासकीय रेल पुलिस थाना जबलपुर द्वारा यात्रियों के सामान की चोरी की घटनाओं पर प्रभावी कार्रवाई करते हुए तीन अलग-अलग चोरी के मामलों का किया गया खुलासा

जीआरपी की बड़ी सफलता : यात्री ट्रेनों में चोरी करने वाली दो खानाबदोश महिलाएं गिरफ्तार

जबलपुर। पुलिस अधीक्षक रेल जबलपुर सुंदर सिंह कनेश के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रेल भावना मरावी व पुलिस उप अधीक्षक रेल अंकिता सुल्या जबलपुर के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी जीआरपी जबलपुर द्वारा कार्रवाई के दौरान दो महिला आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी गया लगभग 70 हजार मूल्य का माल बरामद किया गया।

वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में जीआरपी जबलपुर की टीम द्वारा रेलवे स्टेशन जबलपुर पीएफ 6 कटनी एंड से संदेह के आधार पर दोनों महिलाओं को हिरासत में लेकर महिला स्टाफ की उपस्थिति में पूछताछ की गई। पूछताछ में दोनों आरोपिया रूप माली निवासी हिंडोलिया दमोह एवं रेखा माली निवासी धौरा थाना जलखाऊँन ललितपुर उप्र ने रेल यात्रियों के आभूषण चोरी करने की घटनाएं स्वीकार कीं।

कार्रवाई के दौरान अपराध क्रमांक 384/26 में एक महिला आरोपी से एक जोड़ी चांदी की पायल, एक जोड़ी बिछिया एवं दो चांदी के पेन, कुल 10,300/- मूल्य का चोरी का माल बरामद किया गया। अपराध क्रमांक 346/26 में दूसरी महिला आरोपी से एक जोड़ी चांदी की पायल, एक जोड़ी बिछिया एवं तीन चांदी जैसे सिक्के, कुल 48,880/- मूल्य का माल बरामद किया गया। अपराध क्रमांक 177/26 में उसी आरोपी की निशानदेही पर एक चांदी जैसा ब्रेसलेट, कीमत 9,400/-, बरामद किया गया।

तीनों मामलों में चोरी के माल को विधिवत जब्त किया गया है। दोनों महिला आरोपियों को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया तथा प्रकरणों में अग्रिम वैधानिक कार्रवाई जारी है। कार्यवाही में थाना प्रभारी जीआरपी जबलपुर संजीवनी राजपूत, एएसआई गोपाल सिंह राजपूत, एएसआई भागचन्द उद्दे, अरुण तिवारी, सत्येंद्र सिंह, अनुराग तिवारी, आनंद यादव, शकील, रविकांत रजक, प्रमोद गुप्ता, ओमप्रकाश, परशुराम, गोपाल सिंह, उमेश महिला प्र.आर. ललिता, लेख कुमारी, रंकू एवं प्रधान आरक्षक पुष्पेंद्र सिंह, आरक्षक भवानी सिंह गुर्जर की अहम भूमिका रही।

माता काली की प्राण प्रतिष्ठा 14 को

प्राचीन खेरमाई मंदिर चेरीताल में तैयारी शुरू, निकलेगी शोभायात्रा

जबलपुर। न्यू चेरीताल स्थित प्राचीन खेरमाई मंदिर में आगामी 14 जुलाई दिन मंगलवार को माता महाकाली, श्री हनुमान जी महाराज एवं श्री भैरव महाराज की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा होने जा रही है। इस संबंध में आयोजनकर्ता रामस्वरूप रजक (रंगी) ने बतलाया कि इन सभी प्रतिमाओं की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर यहां पर मंदिर में जोरदार तैयारी चल रही है। प्रतिदिन इस समय भक्तों के द्वारा इस प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर दिन-रात तैयारी की जा रही है, मंगलवार दोपहर 2:00 बजे से चेरीताल व आसपास के क्षेत्र से होते हुए तीनों प्रतिमाओं की शोभायात्रा निकलते हुए मंदिर परिसर में लाया जाएगा। इसके बाद पूरे विधि विधान से पूजन पाठ के उपरांत इन प्रतिमाओं की प्राण की जाएगी। आयोजक और क्षेत्रीय श्रद्धालुओं के द्वारा प्रतिदिन भजन कीर्तन किया जा रहा है और लगातार दो दिनों से अभिषेक हो रहा है। आज सोमवार को माता का दूध से अभिषेक भी किया जाएगा। प्राणप्रतिष्ठा कार्यक्रम के उपरांत प्रसाद वितरण की भी विशेष व्यवस्था की गई है। इस आयोजन में मुख्य रूप से रमेश रजक, दिनेश पटेल, राज मिस्त्री, राजू पटेल, पप्पू श्रीवास और इस मंदिर से जुड़े समस्त श्रद्धालुओं का विशेष सहयोग मिल रहा है। सभी सदस्यों ने इस कार्यक्रम में पहुंचकर श्रद्धालुओं से धर्म लाभ लेने की अपील की है।

शिवसेना के नेतृत्व में श्रम आयुक्त कार्यालय का किया घेराव

जबलपुर। शिवसेना जिला सचिव गजानंद गुप्ता ने प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि विगत दिनों 20.5.2026 को शिवसेना के नेतृत्व में अधारताल स्थित फर्नीचर एंड फर्नीचर फैक्ट्री के सैकड़ों श्रमिकों ने सहायक श्रम आयुक्त को अपनी निम्न मांगों को लेकर एक ज्ञापन सौंपा था, लेकिन आज दिनांक तक श्रम विभाग द्वारा न फैक्ट्री संचालक के ऊपर कोई कार्रवाई की गई, न ही श्रमिकों की मांगों को माना गया, जिसके विरोध में 10.7.2026 को दोपहर 02 बजे विजयनगर स्थित सहायक श्रम आयुक्त कार्यालय का शिव सेना एवं श्रमिकों द्वारा घेराव किया गया, शिवसेना के शैलेंद्र बारी ने कहा कि अगर श्रमिकों की मांगें पूरी नहीं हुई तो श्रम आयुक्त कार्यालय के समक्ष विशाल धरना दिया जायेगा, जिसकी जवाबदारी जिला प्रशासन की होगी। इस अवसर पर शिवसेना के राज्य उप प्रमुख शैलेंद्र बारी, जिला सचिव गजानंद गुप्ता, नगर प्रमुख मुकेश सराठे, भवानी शंकर सतनामी, सुधीर ताम्रकार, कमलेश रजक, विजय गोटिया, विकास सराठे, धनु गुप्ता, दिलीप पटेल, रामगोपाल यादव, अजय पटेल, बिल्लू गुप्ता, अनिल कुमार केवट, वीरेंद्र पटेल, शुभम मेहरा, सतीश रजक, संजय दहिया, सोनू विश्वकर्मा, मोनू ठाकुर, गुड्डू विश्वकर्मा, किशन गुप्ता, इंद्रजीत सोनी सहित अनेक शिव सैनिक एवं श्रमिक मौजूद रहे।

"साज और आवाज" म्यूजिकल ग्रुप ने दी सदाबहार पुराने फिल्मी गीतों की प्रस्तुति

जबलपुर। संस्कारधानी, जबलपुर नगर के जाने माने म्यूजिकल ग्रुप "साज और आवाज" के बैनर तले वरिष्ठ गायक एवं गायिकाओं द्वारा सदाबहार पुराने फिल्मी गीतों का कार्यक्रम शनिवार को रानी दुर्गावती संग्रहालय कला वीथिका सभागार में सम्पन्न हुआ, जिसमें शाम 05.30 बजे से ग्रुप के कलाकारों एस.जी. हेलकर, सुधीर श्रीवास्तव, प्रशांत श्रीवास्तव, श्रीमति मुकुल वर्मा, जी.पी. आचार्य, मनीष निगम, एडवोकेट पंकज दुबे, मीनल चौधरी, राकेश चौरसिया, श्रीमति उज्जवला, शबनम मसीह द्वारा सदाबहार पुराने फिल्मी गीतों की प्रस्तुति दी गई।कार्यक्रम का मंच संचालन ग्रुप के संचालक एस.जी. हेलकर, उद्घोधन ऑल इंडिया, रेडियो, दिल्ली की उद्घोधिका शबनम मसीह द्वारा किया गया तथा संगीत संयोजन दिनेश खड़तिया का रहा। संगतकार दिनेश खड़तिया (Key Board), राजेन्द्र कोरी (ढोलक) पर, तबले पर शंभू विश्वकर्मा, पैड पर जयप्रकाश द्वारा संगीत दिया गया, जबलपुर संस्कारधानी के प्रबुद्ध संगीत प्रेमी श्रोता इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

जून माह में टिकट चैकिंग से 15 करोड़ 3 लाख रूपये का राजस्व प्राप्त

जबलपुर। पश्चिम मध्य रेल में प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक के निर्देशानुसार तीनों मंडलों में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य अधिकारियों के नेतृत्व में यात्री गाड़ियों एवं स्टेशनों पर समय-समय पर टिकट जांच अभियान चलाए गए। इन अभियानों के परिणामस्वरूप पश्चिम मध्य रेल ने चालू वित्तीय वर्ष के जून 2026 में अनबुक्ड लगेज, बिना टिकट यात्रा तथा अनियमित टिकट पर यात्रा करने वाले कुल 01 लाख 75 हजार 900 मामले पकड़े गए जिनसे अतिरिक्त किराया एवं जुर्माना सहित कुल 15 करोड़ 03 लाख रुपये का राजस्व अर्जित किया गया।चालू वित्तीय वर्ष के जून 2026 में मुख्यालय एवं मंडलों पर परफॉरमेंस इस प्रकार रहा- मुख्यालय सीसीएम स्क्वाड- मुख्यालय के टिकट निरीक्षकों द्वारा चलाए गए टिकिट जाँच अभियान में बिना टिकिट/अनबुक्ड लगेज/अनियमित टिकिट लेकर यात्रा करने वालों के 3 हजार 400 मामलों से 24 लाख रुपये का राजस्व प्राप्त किया।जबलपुर मंडल- टिकट निरीक्षकों द्वारा चलाए गए जांच अभियान में 84 हजार 900 मामलों से 7 करोड़ 71 लाख रुपये का राजस्व प्राप्त किया। भोपाल मंडल- टिकट जांच के दौरान 56 हजार मामलों से 4 करोड़ 22 लाख रुपये का राजस्व प्राप्त किया। कोटा मंडल- टिकट निरीक्षकों ने अभियान के दौरान 31 हजार 600 मामलों से 2 करोड़ 86 लाख रुपये का राजस्व प्राप्त किया।रेल प्रशासन यात्रियों से अनुरोध करता है कि बिना टिकट यात्रा न करें। यात्रा से पूर्व उचित टिकट अवश्य लें, ताकि यात्रा के दौरान किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। यात्रियों को सुरक्षित एवं व्यवस्थित यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से वाणिज्य विभाग एवं आरपीएफ के समन्वय से पश्चिम मध्य रेल द्वारा ट्रेनों में टिकट चेकिंग अभियान आगे भी निरंतर चलाए जाते रहेंगे।

जबलपुर हेल्पिंग एसोसिएशन ने जरूरतमंद बच्चों को बस्ते एवं जूते प्रदान किए

जबलपुर। हेल्पिंग एसोसिएशन द्वारा दिनांक 07 जुलाई को पीएल शर्मा के सौजन्य से आदर्श कन्या विद्यालय, प्रेमनगर, जबलपुर में अध्ययनरत जरूरतमंद बच्चों को बस्ते एवं जूते प्रदान किए गए। संस्था के मूल मंत्र सेवा परमो धर्म पर समस्त बच्चों को शिक्षा मिले, आर्थिक अभाव से बच्चे शिक्षा से वंचित न हों, इसी उद्देश्य से संस्था महानगर जबलपुर में कार्यरत है।इस सेवामई पुण्य कार्य में प्रमोद वैश्य, पीएल शर्मा, संतोष पटेल, अरविंद पटेल, चरन जीत सिंघ अरोरा अध्यक्ष, राजेंद्र वर्मा सचिव, मुकेश नेमा कोषाध्यक्ष, पूजा कोष्ठा, निधि नेमा, गरिमा विश्वकर्मा, चंद्रकिशोर मोदी, शरद नेमा, संदीप गौर, सुरेंद्र सिंह, राजेश सोनी, आदर्श कन्या विद्यालय की प्रधानाचार्य, शिक्षिकाएं, कर्मचारी, अध्ययनरत बच्चे उपस्थित रहे।

सर्व जनजाति सेवा संघ कार्यकारिणी की प्रथम बैठक संपन्न

जबलपुर। मध्यप्रदेश में कई वर्षों से आदिवासियों के हितार्थ कार्य करने वाला आदिवासी संगठन जो हमेशा आदिवासी संगठनों के लिए कार्य करता हुआ आ रहा है, आज उसके नवीन रजिस्ट्रेशन और नए नामकरण के साथ सर्व जनजाति सेवा संघ की कार्यकारिणी की प्रथम सामूहिक बैठक का आयोजन देवता स्थित राष्ट्रीय अध्यक्ष इन्द्रकुमार कुलस्ते के कार्यालय में किया गया, जिसमें शहर और ग्रामीण इलाहों से आये सभी सदस्यों ने अपने विचार रखे और आने वाले माह में विश्व आदिवासी दिवस को भव्य समारोह आयोजित किए जाने पर गहन मंथन किया गया, वहीं कार्यकारिणी में नए सदस्यों को नियुक्ति पत्र सौंपकर उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलीई गई। सभी नए पदाधिकारियों ने भी अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष को विश्वास दिलाया कि वे उनके साथ कदम से कदम मिलाकर चलने और समाजहित में कार्य करने संकल्पित हैं। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष इन्द्रकुमार कुलस्ते, उपाध्यक्ष विनोद कोल,कार्यकारिणी सदस्य राजकुमार तेकाम, रमेश धुर्वे, लखन कुलस्ते, राकेश भलावी, मनोज गोंड, प्रेमसिंह पंदरे, संदीप कुराम, बड्डेलाल मरकाम, सोमनाथ गोंटिया, राजेश कोल, रविसिंह धुर्वे, मुनाराम उइके के साथ ही अनेक पदाधिकारी मौजूद रहे।

पदोन्नति हेतु पात्र शिक्षकों की सी.आर. मंगाई जाए: मांग

जबलपुर। मध्य प्रदेश जागरूक अधिकारी कर्मचारी संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन ने बताया कि वर्तमान में पूरे प्रदेश में पदोन्नति की प्रक्रिया प्रारंभ हो गयी है, इसी श्रृंखला में प्रदेश के शिक्षा विभाग के हर जिले में शिक्षकों की पदोन्नति हेतु सी.आर. मंगाई जा रही है जो कि सिर्फ उन्हीं शिक्षकों की मंगाई जाना चाहिए जो पदोन्नति पाने हेतु पात्र हैं, जिससे विभाग का समय भी बचेगा और पदोन्नति प्रक्रिया को समय पर पूंर्ण किया जा सकेगा। संगठन ने आगे बताया कि पदोन्नति देने हेतु पात्र शिक्षकों के अलावा सभी की सी.आर. (गोपनीय चरित्रावली) मंगवाने से शिक्षकों को तो परेशानी उठानी पड़ रही है वहीं संबधित प्राचार्य भी परेशान हो रहे हैं, क्योंकि नवनियुक्त शिक्षकों से भी सी.आर. (गोपनीय चरित्रावली) मंगवाई जा रही है जिन्हें इतनी जल्दी पदोन्नति मिलनी ही नहीं है। जहां एक तरफ ई अटेंडेन्स लगाने हेतु लॉग इन और लॉग आउट स्कूल कैंपस से ही होना है तो ऐसे में शिक्षकों को बार-बार संकुल जाना फिर वापस आना पड़ता है जिससे परेशानियों का सामना करना पड़ता है खासकर महिला शिक्षकों को जिससे शिक्षकों में रोष व्याप्त है। अतः संगठन वरिष्ठ अधिकारियों से मांग करता है कि सिर्फ जिन पात्र शिक्षकों को पदोन्नति मिलनी है केवल उन्हीं की सी.आर मंगाई जाए। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन, हेमन्त ठाकरे, राजेश सहारिया, राजकुमार यादव, सुरेन्द्र चौधरी, रऊफ खान, राकेश श्रीवास, गुडविन चार्ल्स, फिलिप अन्थोनी, लालजी प्रसाद, नीरज मरावी, क्रिस्टोफर नरोन्हा, दिपेश जैन, राकेश गुप्ता, गोपीशाह आदि ने मांग की है।

उत्कृष्ट परिणाम लाने जी-जान लगाती हैं बेटियां

चेरीताल स्कूल में प्रतिभाशाली बच्चियों का सम्मान समारोह और लेखन सामग्री का किया वितरण

जबलपुर। "परिवार की आन-बान-शान बढ़ाने में बेटियां जी-जान लगाकर मेहनत करती हैं और हर क्षेत्र में उत्कृष्ट परिणाम लाती हैं। मेहनत और परिश्रम के साथ काम करने की लगन हो तो परिणाम अच्छा आता है। बेटियां मन को एकाग्र कर हर काम को पूरा करती हैं। स्कूल में बेटियां पढ़ लिखकर सिर्फ अपना ही नहीं अपनी स्कूल, परिवार के साथ हम सभी का मान बढ़ाती हैं। अभावों को पूरा करने सहयोगी सहायता तो करते हैं, लेकिन सफलतापूर्वक काम को संपन्न स्वयं को ही करना पड़ता है। हर उच्च स्थान प्राप्त व्यक्ति अभावों में ही आगे बढ़ा है।" उक्त उद्गार पार्षद प्रतिभा भापकर, अखिल खंडेलवाल, दिलीप पटेल ने शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चेरीताल स्कूल में रोटरी इंटरनेशनल जबलपुर साउथ क्लब, आचार्य श्री विद्यासागर मंडल के तत्वावधान में आयोजित प्रतिभाशाली बच्चियों के सम्मान और लेखन सामग्री वितरण समारोह में व्यक्त किए। पिछले चार वर्ष की परांपरा के अनुसार चेरीताल स्कूल में उत्कृष्ट अंक प्राप्त बच्चियों का सम्मान और बच्चियों को निःशुल्क

लेखन सामग्री वितरण समारोह में पार्षद प्रतिभा भापकर, रोटरी इंटरनेशनल जबलपुर साउथ क्लब अध्यक्ष अखिल खंडेलवाल, मंडल अध्यक्ष दिलीप पटेल, प्राचार्य डीके जैन, नरेंद्र साहू, इंद्रपुरी गोस्वामी, नरेंद्र खरे, प्रशांत महानूर, राजेन्द्र गुप्ता, निशांत गुलाबवानी सहित शिक्षक, शिक्षिकाओं व बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इस अवसर पर कक्षा 12वीं गणित विज्ञान संकाय में खुशी अहिरवार 82.6%, खुशबू चक्रवर्ती 75.6%, रूपाली सिंह 71.2% को सम्मान पत्र, शाल, श्रीफल माला पहनाकर सम्मानित किया तथा शाला की 280 बच्चियों को लेखन सामग्री वितरित की गई। कार्यक्रम का संचालन आशा यादव, विध्येश भापकर व स्कूल प्राचार्य डीके जैन ने आभार प्रदर्शन किया।

नगर परिषद भेड़ाघाट एवं गायत्री परिवार ने लम्हेटा घाट भ्रगु उद्यान में लगाये 501 पौधे

गायत्री परिवार ने आयोजित किया हवन पूजन कार्यक्रम

जबलपुर। नगर परिषद भेड़ाघाट एवं गायत्री परिवार द्वारा लम्हेटा घाट के भ्रगु उद्यान में 501 पौधे लगाए गए एवं गायत्री परिवार द्वारा हवन पूजन का कार्यक्रम रखा गया। कार्यक्रम में विधायक नीरज सिंह एवं विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष संदीप जैन, नगर परिषद भेड़ाघाट के अध्यक्ष चतुर सिंह लोधी, विधायक प्रतिनिधि ओम नारायण दुबे, पार्षद महेश तिवारी, अजय पटेल, सजल तिवारी एवं नगर परिषद के प्रभारी सीएमओ अनुज सिंह, उद्यान प्रभारी

राज्य पुरस्कार जाँच शिविर में जबलपुर के 12 स्काउट-गाइड ने दिखाई प्रतिभा

जबलपुर। भारत स्काउट एवं गाइड, मध्य प्रदेश द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय राज्य पुरस्कार जाँच शिविर का आयोजन 06 से 10 जुलाई 2026 तक जिला प्रशिक्षण केंद्र, वारासिवनी (बालाघाट) में किया गया। शिविर में जबलपुर जिले के 10 स्काउट एवं 02 गाइड ने सहभागिता करते हुए विभिन्न परीक्षणों एवं गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले का गौरव बढ़ाया। राज्य पुरस्कार जाँच शिविर स्काउट एवं गाइड आंदोलन का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है, जिसमें प्रतिभागियों की नेतृत्व क्षमता, सेवा भावना, अनुशासन, प्राथमिक उपचार, गांठ एवं बंधन, मानचित्र अध्ययन, ध्वज शिष्टाचार, कैंप क्राफ्ट, सामुदायिक सेवा तथा स्काउटिंग के व्यावहारिक एवं सैद्धांतिक ज्ञान का मूल्यांकन किया जाता है। पाँच दिवसीय शिविर में प्रतिभागियों ने सभी निर्धारित परीक्षाओं एवं गतिविधियों में उत्साह

और आत्मविश्वास के साथ भाग लिया। शिविर में सफल घोषित होने वाले स्काउट एवं गाइड को महामहिम राज्यपाल के हस्ताक्षरयुक्त राज्य पुरस्कार प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। यह पुरस्कार स्काउट एवं गाइड के लिए राज्य स्तर का सर्वोच्च सम्मान माना जाता है, जो उनके उत्कृष्ट प्रशिक्षण, अनुशासन एवं सेवा भावना का प्रतीक है। जबलपुर जिले की टीम ने सहायक राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट) ललित कुमार मिश्रा एवं जिला मुख्य आयुक्त डॉ. विजयकांत तिवारी के मार्गदर्शन में शिविर में सहभागिता की। दल का नेतृत्व स्काउट मास्टर शुभम ठाकुर एवं गाइड कैप्टन किरण येवले ने किया। दोनों प्रशिक्षकों ने प्रतिभागियों को पूर्व प्रशिक्षण देकर राज्य स्तरीय परीक्षण के लिए तैयार किया, जिसके परिणामस्वरूप सभी प्रतिभागियों ने अनुशासन, दक्षता एवं टीम भावना का उत्कृष्ट परिचय दिया। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी गौतम बर्वे, जिला संरक्षक अजय तिवारी एवं जिला सचिव वी.के. झारिया ने प्रतिभागियों एवं प्रशिक्षकों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण शिविर विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, आत्मनिर्भरता, सामाजिक उत्तरदायित्व, राष्ट्रसेवा एवं व्यक्तित्व विकास के गुणों का विकास करते हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जबलपुर जिले के स्काउट एवं गाइड भविष्य में भी राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा का प्रदर्शन कर जिले एवं प्रदेश का नाम रोशन करेंगे। जबलपुर जिले के स्काउट एवं गाइड संगठन ने इस उपलब्धि को जिले के लिए गौरवपूर्ण बताते हुए सभी प्रतिभागियों के उज्जवल भविष्य की कामना की तथा उनके राज्य पुरस्कार प्राप्त करने की अग्रिम शुभकामनाएँ दीं।

जबलपुर में जिला स्तरीय शालेय जूडो प्रतियोगिता 16 जुलाई से, तैयारियाँ शुरू

जबलपुर। जिला शिक्षा अधिकारी, जबलपुर के मार्गदर्शन एवं नर्मदा नर्सरी एवं वल्लभ उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, हनुमानताल के संयोजन में जिला स्तरीय शालेय बालक एवं बालिका (14, 17 एवं 19 वर्ष) जूडो प्रतियोगिता का आयोजन होने जा रहा है। वरिष्ठ कार्यालय के निर्देशानुसार, यह प्रतियोगिता दिनांक 16 जुलाई से 18 जुलाई 2026 तक नर्मदा नर्सरी एवं वल्लभ उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, हनुमानताल, जबलपुर के परिसर में खेली जाएगी। प्रतियोगिता में भाग लेने के इच्छुक सभी विद्यालयों को निर्देशित किया जाता है कि वे अपने प्रतिभागियों के ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की समस्त औपचारिकताएँ एवं आवश्यक दस्तावेज़ दिनांक 16/07/2026 को आयोजन संस्था के पास अनिवार्य रूप से जमा करें।महत्वपूर्ण निर्देश- केवल उन्हीं विद्यालयों और प्रतिभागियों को प्रतियोगिता में सम्मिलित किया जाएगा जिनके समस्त दस्तावेज़ एवं रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया पूर्ण होगी। दस्तावेज़ अपूर्ण होने की स्थिति में संबंधित संस्था स्वयं जिम्मेदार होगी।प्रत्येक खिलाड़ी को ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की 5 प्रतियाँ लानी होंगी। प्रत्येक प्रति के साथ पिछले तीन वर्षों की अंकसूची, (आधार कार्ड ओमिटेड), समग्र आईडी तथा बैंक पासबुक की छायाप्रति और साथ में दो पासपोर्ट आकार के नवीनतम फोटोग्राफ संलग्न करना अनिवार्य है। इसके अलावा, ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की प्रत्येक प्रति पर संबंधित संस्था के प्राचार्य एवं संकुल प्राचार्य के हस्ताक्षर व सील होना भी अनिवार्य किया गया है। सभी विद्यालयों के कोचों को सूचित किया जाता है कि वे अपना रजिस्ट्रेशन पूर्ण कर उसे संकुल स्तर तक फॉरवर्ड कराएँ तथा संकुल द्वारा चयनित खिलाड़ियों की आधिकारिक सूची अपने साथ अनिवार्य रूप से लाएँ। इसके साथ ही, दिनांक 16/07/2026 (गुरुवार) को नर्मदा नर्सरी एवं वल्लभ विद्यालय में उपस्थित होकर अपने सभी प्रतिभागियों के दस्तावेजों का सत्यापन कराना अनिवार्य है। इसके बिना टीम को प्रतियोगिता में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। अपूर्ण दस्तावेज अथवा सत्यापन न कराने की स्थिति में संबंधित विद्यालय या प्रतिभागी को प्रतियोगिता में सम्मिलित नहीं किया जाएगा, जिसकी समस्त जिम्मेदारी संबंधित संस्था की होगी। प्रतियोगिता से जुड़ी अधिक जानकारी या संपर्क के लिए वरिष्ठ जूडो कोच आबिद हुसैन खान से संपर्क किया जा सकता है।

मनमानी के विरोध में बच्चों के माता-पिता एवं पनागर क्षेत्रीयजनों ने कार्यवाही की मांग की

जिला कलेक्टर को पुनः सौंपा आवेदन

जबलपुर। संदीपनी शास. उ.मा. शाला सिंगोद, पनागर में लगभग 1000 से अत्यधिक बच्चे पढ़ते हैं नर्सरी से पहली व बारहवीं तक लगभग 1200 से अधिकतम बच्चे अध्ययनरत हैं। इस स्कूल में गेट पर ताला लगा दिया और स्कूल बंद है। इस स्कूल को चालू करने 23 मार्च 2026 को जिला कलेक्टर के माध्यम से ज्ञापन दिया गया, 01 अप्रैल 26 को स्कूल बच्चों ने स्कूल के सामने प्रदर्शन कर क्षेत्रीय शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन दिया जो जिला शिक्षा अधिकारी के साथ म.प्र.शासन को भेजा गया। 23 अप्रैल 2026 को रा.पि. वर्ग मोर्चा के माध्यम से भारत बंद कर पनागर बंद किया गया जिसका ज्ञापन जिला कलेक्टर के द्वारा म.प्र. सरकार को दिया गया। मुख्यमंत्री के आदेश पर जिला कलेक्टर द्वारा जनसुनवाई में भी लगातार 28.04.2026 को निराकरण की सीमा 30.05.2026 पर जवाक क्रमांक 83 दिनांक 23.06.2026 को निराकरण करने हेतु पत्र प्रेषित किया गया। दिनांक 23.06.2026 को पत्र दिया जा चुका जिस पर आज दिनांक तक कोई कार्यवाही नहीं हुई, जिस कारण विद्यार्थी दर-ब-दर भटक रहे हैं, स्कूल के गेट का ताला आज तक नहीं खोला गया है, जिससे छात्र, अभिभावकों एवं पनागर क्षेत्रीय लोगों में

आक्रोश व्याप्त है। शासन, प्रशासन की हिटलरशाही के चलते आदेशों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। लापरवाह जिला शिक्षा अधिकारी को सत्र प्रारंभ होने पर स्कूल बंद क्यों है? स्कूल ओपन करावें एवं दोषी पर कार्यवाही करें। कलेक्टर के आदेश देने के बावजूद भी इनके कान में जूं तक नहीं रेंगी है। इन्हें क्षेत्रीय शिक्षा अधिकारी को तत्काल प्रभाव से आदेशित करना तो दूर जो नहीं किया गया है। जिला कलेक्टर के आदेश की खुली अवहेलना की गयी है। क्षेत्रीय जनता ने सांसद, क्षेत्रीय विधायक, जिला पंचायत सदस्य, जनपद सदस्य को भी इस गंभीर समस्या से अवगत कराया पर मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों के साथ खिलवाड़ कर 1000 से ज्यादा बच्चे अध्ययनरत थे उस स्कूल को बंद कर ताला जड़ दिया, इसके लिये पूर्ण रूप से दोषी पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी, रत्नेश कुमार शर्मा प्राचार्य एवं अशोक मिश्रा सहायक प्राचार्य पर विधि अनुरूप दण्डात्मक कार्यवाही की मांग एस.पी. से जनसुनवाई में की गई। जनसुनवाई में ए.एस.पी. ने पनागर की गंभीर समस्या को गंभीरता से लेते हुये एक सप्ताह में स्कूल चालू करने का आश्वासन दिया और कहा कि अगले मंगलवार तक स्कूल ओपन नहीं हुआ, तो आप पुनः यहां आकर हमसे मुलाकात करें, हम दोषियों पर कार्यवाही करेंगे। आज रा.कि. मोर्चा के जिलाध्यक्ष छोटे भाई कुर्मी, इंजी. प्रवीण गजभिये दादा, ओम प्रकाश कुर्मी, राजेश्वरी पटेल, मिथिला पटेल, मिथिला गौंड़, रंजीत दाहिया, रीना पटैल, पूजा, रंजना, प्रीति कोल, ज्योति, अंगूरी गौड़, सरोज चक्रवर्ती, पूजा चौधरी, मंगना गौड़, यूनिस अली, पुरूषोत्तम चौधरी, संजय बौद्ध इत्यादि की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

खबर संक्षेप

एजेस फेडरल ने लांच किया इंडिजीनियस फंड

मुंबई। एजेस फेडरल लाइफ इंश्योरेंस ने रविवार को 'इंडिजीनियस फंड' लांच करने की घोषणा की। यह अपनी तरह का अनोखा थीमैटिक इन्वेस्टमेंट सॉल्यूशन है, जो कंपनी के यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान के माध्यम से उपलब्ध होगा। यह फंड एक डाइवर्सिफाइड (विविध) इन्वेस्टमेंट पोर्टफोलियो के जरिए तीन दीर्घकालिक संरचनात्मक विषयों -भारत की विकास गाथा, स्वदेशीकरण, और सरलता/प्रतिभा से जुड़े व्यवसायों में निवेश करता है।

फ्लिपकार्ट और ई-नाम से हुए समझौते

नई दिल्ली। मेघालय सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा आयोजित तीन दिवसीय महोत्सव का उद्देश्य राज्य के प्रीमियम गुणवत्ता वाले अनानास को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंचाना, किसानों को बड़े खरीदारों, रिटेल कंपनियों, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग और निर्यातकों से जोड़ना है। महोत्सव के दौरान फ्लिपकार्ट और नेशनल एग्रीकल्चर मार्केटिंग लिमिटेड (ई-नाम) के साथ महत्वपूर्ण समझौते भी किए गए।

सैमसंग का बीस्पोक एआई एयर कंडीशनर्स पेश

मुंबई। सैमसंग ने अपने बीस्पोक एआई एयर कंडीशनर्स पेश किए हैं। एआई तकनीक, स्मार्ट फीचर्स और स्वच्छ हवा की सुविधा से लैस ये एयर कंडीशनर्स हर मौसम में बेहतर कूलिंग और आरामदायक वातावरण सुनिश्चित करने के लिए डिजाइन किए गए हैं। सैमसंग के नए एसी में दिया गया 3-इन-1 मानसून केयर फीचर खास तौर पर बारिश के मौसम की चुनौतियों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

बर्गंडी हुरुन इंडिया 500 की पांचवीं सूची जारी

मुंबई। एक्सिस बैंक के प्राइवेट बैंकिंग व्यवसाय बर्गंडी प्राइवेट और हुरुन इंडिया ने '2025 बर्गंडी प्राइवेट हुरुन इंडिया 500' रिपोर्ट का पांचवां संस्करण जारी किया है। रिपोर्ट के अनुसार भारत की 500 सबसे मूल्यवान गैर-सरकारी कंपनियों का संयुक्त मूल्य 3.4 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया है।

मानसून का छलावा: कमजोर बारिश से खेती पर संकट के बादल

मानसून की अनिश्चितता यूं ही रही तो उत्पादन घटेगा और किसानों को होगा आर्थिक नुकसान

सक्रिय सुपर अल नीनो का प्रभाव इस बार मानसून को कमजोर और धीमा कर रहा

जुलाई और अगस्त का महीना ही खेती- बाड़ी की दृष्टि से सबसे महत्वपूर्ण माने जाते हैं

वाणिज्य प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

जून माह में कमजोर और लगभग गतिहीन रहे दक्षिण-पश्चिम मानसून ने जुलाई माह में भी वर्षा की भारी कमी पैदा कर दी, जिसका सीधा असर खरीफ फसलों की बुआई पर पड़ा है। खरीफ फसलों का रकबा बीते साल की तुलना में 20 प्रतिशत से अधिक घट गया है। जुलाई के प्रारंभ में मानसून ने कुछ रफ्तार पकड़ी है और कई राज्यों में अच्छी बारिश दर्ज की गई है, लेकिन मौसम विशेषज्ञों के अनुमान भविष्य को लेकर चिंता बढ़ा रहे हैं। सक्रिय सुपर अल नीनो का प्रभाव इस बार मानसून को कमजोर और धीमा कर रहा है।

गौरतलब है कि जुलाई और अगस्त खेती- बाड़ी की दृष्टि से सबसे महत्वपूर्ण महीने माने जाते हैं, क्योंकि इसी दौरान सबसे अधिक वर्षा होती है और खरीफ फसलों की अधिकांश बुआई पूरी होती है। यदि इन महीनों में पर्याप्त वर्षा नहीं हुई तो कृषि उत्पादन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था दोनों पर गंभीर असर पड़ सकता है। यदि आने वाले सप्ताहों में मानसून ने अपेक्षित गति नहीं पकड़ी, तो इस वर्ष कई राज्यों में मानसून उम्मीदों पर खरा नहीं उतर पाएगा। ऐसे में किसानों की निगाहें अब जुलाई माह आगामी 15 दिन और अगस्त की बारिश पर टिकी हैं, क्योंकि यही महीने इस खरीफ सीजन और देश की कृषि अर्थव्यवस्था की दिशा तय करेंगे।

खरीफ सीजन दो महीने ही देश के कृषि अर्थव्यवस्था की दिशा तय करेंगे

समय पर पर्याप्त बारिश नहीं होने से खरीफ फसलों की बुआई प्रभावित : पाटीदार

कृषि उपज मंडी समिति भोपाल के पूर्व मंडी अध्यक्ष भागीरथ पाटीदार ने कहा कि इस बार मानसून की अनिश्चितता ने उनकी चिंता बढ़ा दी है। कई क्षेत्रों में समय पर पर्याप्त बारिश नहीं होने से खरीफ फसलों की बुआई प्रभावित हुई है, जबकि जिन किसानों ने बुआई कर दी है, वे अब लगातार बारिश का इंतजार कर रहे हैं। उनका कहना है कि यदि जुलाई और अगस्त में भी अच्छी वर्षा नहीं हुई तो फसलों की वृद्धि प्रभावित होगी, उत्पादन घटेगा और आर्थिक नुकसान उठाना पड़ेगा।

असमान वर्षा के कारण बन सकती है दोबारा बुआई की स्थिति

किसान भगवान सिंह परमार ने कहा कि यदि जुलाई और अगस्त में पर्याप्त एवं समान रूप से वर्षा नहीं हुई तो खरीफ फसलों के उत्पादन पर व्यापक असर पड़ सकता है। कई क्षेत्रों में किसान बारिश का इंतजार कर रहे हैं, जबकि कहीं-कहीं असमान वर्षा के कारण दोबारा बुआई की स्थिति बन सकती है। किसान संगठनों के पदाधिकारी और किसान नेता त्रिवेणी दत्त त्रिपाठी ने केंद्र एवं राज्य सरकारों से मांग की है कि संभावित सूखे की स्थिति को देखते हुए जिला स्तर पर आकस्मिक योजनाओं को तत्काल लागू किया जाए। सिंचाई के वैकल्पिक साधन उपलब्ध कराए जाएं, किसानों को पर्याप्त बिजली, बीज और उर्वरक समय पर मिलें तथा फसल बीमा दावों का शीघ्र भुगतान सुनिश्चित किया जाए। किसानों कहा कि यदि मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियां बनी रहती हैं तो किसानों के लिए विशेष राहत पैकेज और ब्याज मुक्त सहायता की भी व्यवस्था की जानी चाहिए, ताकि कृषि और किसानों की आजीविका पर पड़ने वाले प्रभाव को कम किया जा सके।

छोटा लिंग निराश क्यों? जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंगको 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ाएं। नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
09083218330

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाइड) में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

अब तक 176 उत्पादों को मिला जीआई टैग, 538 जीआई उत्पादों चल रहा काम

नाबार्ड ने 28 नए उत्पादों को दिलाया जीआई टैग, घरेलू और वैश्विक बाजार में मिली पहचान

वाणिज्य प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

मप्र का खजुराहो धातु शिल्प सहित कई पारंपरिक हस्तशिल्प हथकरघा, धातु एवं बांस शिल्प शामिल

नाबार्ड का उद्देश्य ब्रांडिंग मजबूत बनाना

राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) ने देश की पारंपरिक कला, शिल्प और ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा देते हुए 28 नए उत्पादों को भौगोलिक संकेतक (जीआई) पंजीकरण दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसके साथ ही नाबार्ड अब तक 176 उत्पादों को जीआई टैग दिलाने में सहयोग कर चुका है, जबकि देशभर में 538 जीआई उत्पादों के संवर्धन के लिए विभिन्न संस्थाओं के साथ काम कर रहा है। नए जीआई पंजीकरण प्राप्त उत्पादों में बिहार की नालंदा बावनबूटी साड़ी, गया पत्थरकट्टी शिल्प, झारखंड की कुचाई सिल्क साड़ी, असम का बा बांस शिल्प और बिहू पेपा, हिमाचल प्रदेश की वुड कार्विंग तथा मध्य प्रदेश का खजुराहो धातु शिल्प सहित कई पारंपरिक हस्तशिल्प, हथकरघा, धातु एवं बांस शिल्प शामिल हैं। इन उत्पादों को जीआई टैग मिलने से उन्हें कानूनी संरक्षण के साथ घरेलू और वैश्विक बाजार में नई पहचान मिलेगी।

13 हजार से ज्यादा लोगों को बाजारों से जोड़ा

नाबार्ड के अध्यक्ष डॉ. शाजी कृष्णन वी. ने कहा कि जीआई पंजीकरण पारंपरिक ज्ञान के संरक्षण, स्थानीय उद्यमिता को बढ़ावा देने और ग्रामीण उत्पादकों के लिए बेहतर आय का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कहा कि नाबार्ड उत्पादकों के सामूहिकीकरण, कौशल विकास, ब्रांडिंग, बाजार से जुड़ाव और निर्यात को बढ़ावा देकर जीआई आधारित मूल्य श्रृंखलाओं को मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। नाबार्ड की जीआई आधारित पहलों से अब तक 13 हजार से अधिक कारीगरों और उत्पादकों को उच्च मूल्य वाले बाजारों से जोड़ा गया है, जबकि 50 हजार से अधिक प्रत्यक्ष रोजगार सृजित हुए हैं। वर्तमान में मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार, जम्मू-कश्मीर, कर्नाटक और गुजरात में 14 ग्रामीण उद्यम उत्पादक संगठन विभिन्न जीआई उत्पादों के उत्पादन और विपणन पर कार्य कर रहे हैं।

जीआई प्रमाणित उत्पादों को उपलब्ध कराया विशेष मंच

जीआई उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए नाबार्ड ने अहमदाबाद, बिहार और तमिलनाडु में जीआई सुविधा केंद्र स्थापित करने में सहयोग दिया है। इसके अलावा कर्नाटक के ऐहोल में जीआई स्टोर की स्थापना कर जीआई प्रमाणित उत्पादों के प्रदर्शन और विपणन के लिए विशेष मंच उपलब्ध कराया गया है।

परिवहन जरूरत को ध्यान में रख किए विकसित

टाटा मोटर्स ने लांच की नई 'अल्ट्रा प्राइम' और 'स्टारबस प्राइम' रेंज

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

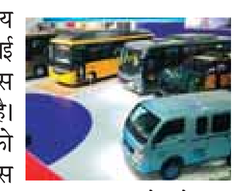

टाटा मोटर्स ने भारतीय बाजार के लिए अपनी नई अल्ट्रा प्राइम और स्टारबस प्राइम बस रेंज लांच की है। बसों की इस नई रेंज को हाल ही में आयोजित प्रवास 5.0 कार्यक्रम में लांच किया गया। टाटा मोटर्स ने एलपीओ 1620 सीएनजी, अल्ट्रा प्राइम एलपीओ 412, अल्ट्रा स्कूल 9/9 ईवी, मैजिक ईवी, विंगर प्लस और अल्ट्रा प्राइम आरई कॉन्सेप्ट सहित कई नए मॉडल पेश किए। ये वाहन इंटर-सिटी, इंट्रा-सिटी, स्कूल, स्टाफ, टूरिज्म और लास्ट-माइल कनेक्टिविटी जैसी विभिन्न परिवहन जरूरतों को ध्यान में रखकर विकसित किए गए हैं। टाटा मोटर्स के वाइस प्रेसिडेंट एवं बिजनेस हेड आनंद एस ने कहा कि 'प्रवास' कंपनी के लिए फ्लीट ऑपरेटर्स और उद्योग से जुड़े हितधारकों के साथ संवाद का महत्वपूर्ण मंच है।

कार्यालय नगर परिषद लखनादौन, जिला सिवनी (म.प्र.)
Phone:07690-240139, E-Mail- cmolakhnadoan@mpurban.gov.in

NIT:248/E-Tender/Lakhnadon/2026 DATE :- 09.07.2026

/ / निविदा सूचना / /

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है । निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट*https://www.mptenders.gov.in* पर देखा जा सकता है ।

टेण्डर क्र. एवं जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं ईएमडी	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5
2026_UAD_498056_2 DATE- 09-07-2026	वार्ड क्र. 05 में सुहाने पेट्रोल पंप के पास सार्वजनिक शौचालय निर्माण कार्य	03 माह 4,65,847/-	2,000/- 4,700/-	27-07-2026
2026_UAD_517295_2 DATE- 09-07-2026	वार्ड क्र. 08 में नेहरू पार्क के पास बाउन्ड्रीवाल निर्माण कार्य	03 माह 3,11,321/-	2,000/- 3,200/-	27-07-2026

शर्त :- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://www.mptenders.gov.in की वेबसाईड पर ही किया जावेगा, पृथक से सामाचार पत्र में प्राकशन नहीं किया जायेगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद लखनादौन
जिला - सिवनी (म.प्र.)

अल्पाइन टेक्सवर्ल्ड का आईपीओ कल खुलेगा

मुंबई। अल्पाइन टेक्सवर्ल्ड लिमिटेड अपना प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (मेनबोर्ड आईपीओ) मंगलवार, 14 जुलाई, 2026 को खोलने का प्रस्ताव कर रही है। अपर प्राइस बैंड पर कंपनी का लक्ष्य 1,262.52 मिलियन तक जुटाने का है। इश्यू का आकार 1,262.52 मिलियन तक है तथा प्राइस बैंड 100 से 105 रुपए प्रति शेयर निर्धारित किया गया है। यह इश्यू मंगलवार, 14 जुलाई 2026 को खुलेगा और गुरुवार, 16 जुलाई 2026 को बंद होगा।

कार्यालय अधीक्षक केन्द्रीय जेल, नरसिंहपुर (म.प्र.)
एम.पी. टेण्डर सिस्टम के माध्यम से
-:: द्वितीय ई-निविदा सूचना ::-

पंजीकृत एवं प्रतिष्ठित फर्मों की ओर से केन्द्रीय जेल नरसिंहपुर में स्थापित इलेक्ट्रिक तार फेसिंग सिस्टम एवं सह उपकरण के वार्षिक रख-रखाव हेतु अनुबंध (A.M.C.) वर्ष 2026-27 के लिए ऑनलाईन द्वितीय वार्षिक ई-निविदा बेवसाईट www.mptenders.gov.in पर दिनांक 25.07.2026 तक निविदाएं आमंत्रित की जाती है । (A.M.C.) निविदा विवरण निम्नानुसार है

क्रं.	विवरण	दिनांक एवं समय	स्थान
1	प्रीबिड मिटिंग	20.07.2026 दोपहर 12.30 बजे	कार्यालय केन्द्रीय जेल, नरसिंहपुर
2	ऑन लाईन निविदा फार्म क्रय करने की अंतिम तिथि एवं निविदा फार्म की कीमत रू. 1000– लेखा शीर्ष 0056, जेलें – 800 अन्य प्राप्तियां में ऑन लाईन जमा की जावेगी ।	24.07.2026 शाम 05.30 बजे तक	बेवसाईट mptenders.gov.in से प्राप्त किया जा सकता है ।
3	ऑन लाईन निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	25.07.2026 शाम 05.30 बजे तक	बेवसाईट mptenders.gov.in पर ऑन लाईन स्वीकार की जावेगी ।
4	तकनीकी निविदा (आवश्यक दस्तावेज) खोलने की तिथि	27.07.2026 दोपहर 11.30 बजे	कार्यालय केन्द्रीय जेल, नरसिंहपुर
5	ऑन लाईन वित्तीय निविदा खोलने की तिथि	28.07.2026 दोपहर 11.30 बजे तक	कार्यालय केन्द्रीय जेल, नरसिंहपुर

निविदा फार्म नियम व शर्ते तथा (A.M.C.) निविदा से संबंधित अन्य आवश्यक विवरण बेवसाईड mptenders.gov.in पर उपलब्ध है ।

G-15533/26

जेल अधीक्षक
केन्द्रीय जेल, नरसिंहपुर (म.प्र.)

कार्यालय नगर परिषद लखनादौन, जिला सिवनी (म.प्र.)
Phone:07690-240139, E-Mail- cmolakhnadoan@mpurban.gov.in

/ / निविदा सूचना / /

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है । निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट*https://www.mptenders.gov.in* पर देखा जा सकता है ।

टेण्डर क्र. एवं जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं ईएमडी	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5
2026_UAD_517295_1 DATE- 10-07-2026 NIT NO. 150/PWD/NP/2026	Supply of ALUM AT, Lakhnadon	07 दिन 5,00,000/-	2,000/- 10,000/-	27-07-2026
2026_UAD_520635_1 DATE- 10-07-2026 NIT NO. 146/PWD/NP/2026	Supply of Filter Media For WTP, AT Lakhnadon	07 दिन 5,00,000/-	2,000/- 10,000/-	27-07-2026
2026_UAD_520636_1 DATE- 10-07-2026 NIT NO. 148/PWD/NP/2026	Handpump Material Items for the Year 2026-27 in Lakhnadon.	07 दिन 5,00,000/-	2,000/- 10,000/-	27-07-2026

शर्त :- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://www.mptenders.gov.in की वेबसाईड पर ही किया जावेगा, पृथक से सामाचार पत्र में प्राकशन नहीं किया जायेगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद लखनादौन
जिला - सिवनी (म.प्र.)

राशिफल

मेष – मन परेशान हो सकता है। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। पिता का साथ मिलेगा। नौकरी में यात्रा पर जा सकते हैं।

वृष – नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। शैक्षिक या बौद्धिक कार्यों में मान-सम्मान मिलेगा। घर-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। खर्च अधिक रहेंगे।

मिथुन – कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च बढ़ेंगे। मन प्रसन्न रहेगा। व्यर्थ के क्रोध से बचें।

कर्क – किसी मित्र के सहयोग से रोजगार के अवसर मिल सकते है। क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। पारिवारिक समस्याएं परेशान कर सकती हैं।

सिंह – परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। सम्मान में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। पिता से धन की प्राप्ति हो सकती है। यात्रा पर जाना हो सकता है।

कन्या – संयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त हो सकते हैं। अफसरों से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं।

तुला – नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। वाणी में मधुरता रहेगी। अपनी भावनाओं को वश में रखें। कारोबार की स्थिति में सुधार होगा।

वृश्चिक – मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। सेहत का ध्यान रखें। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।

धनु – सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च बढ़ेंगे। पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफल रहेंगे। परिवार में व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें।

मकर – किसी भवन या सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं। कारोबार में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। परिश्रम अधिक रहेगा। भाई-बहनों का साथ मिलेगा।

कुंभ – आय में वृद्धि तो होगी, परन्तु अनियोजित खर्चों में वृद्धि होगी। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। शैक्षिक या बौद्धिक कार्यों के लिए यात्रा पर जा सकते

मीन – शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। आय भी बढ़ेगी। क्रोध के अतिरेक से बचें। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा।

शब्द पहेली - 6285

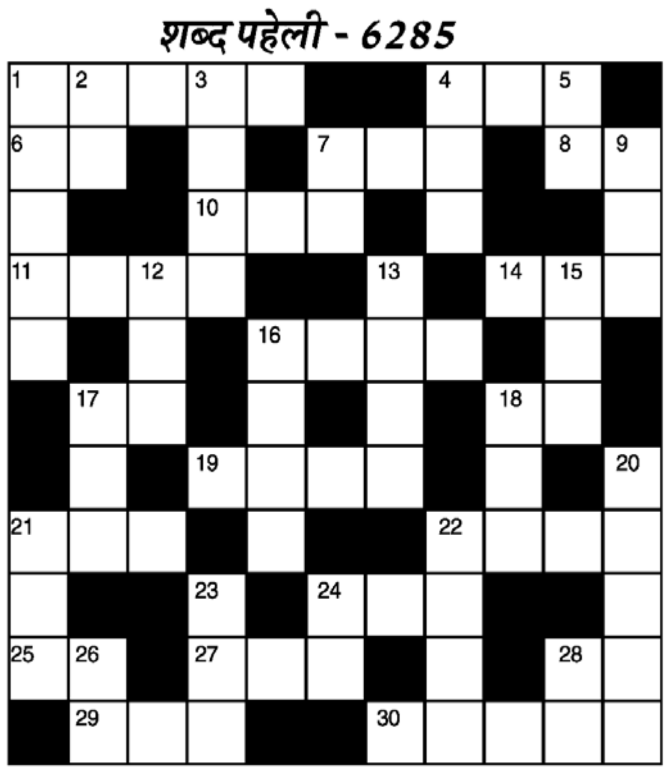

बाएँ से दाएँ
1.शरीफ,नेकनीयत-5
4.जिसे सुनाई न दे-3
6.मां का भाई-2
7.एकमात्र,सिर्फ एक-3
8.अधिकार-2
10.सिर झुकाना-3
11.दुर्घटना-4
14.दूध फाड़कर बनाया जानेवाला पदार्थ-3
16.राजदार-4
17.राजा की पत्नी-2
18.वीज, वीर्य-2
19.मीठा पेय पदार्थ-4
21.पानी की बूंद-3
22.अवरोध,बाधा-4
24.मैला,अस्वच्छ-3
25.पानी,जल-2
27.पुत्र,लड़का-3
28.लाश,पार्थिव देह-2
29.थकावट-3
30.मन मोहने वाला-5

ऊपर से नीचे
1.समाजवाद को माननेवाला अनुयायी-5
2.अस्थमा-2
3.राज्य,सल्तनत-4
4.तन,काया,देह-3
5.रास्ता,मार्ग-2
7.नखरा,भुगतान-2
9.डोली उठाने वाले-3
12.बिजली,विद्युत रश्मि-3
13.भद्रता,नेकनियत -4
15.कमल,पंकज-3
16.बुखरा,ज्वर ताप-4
17.आराम,मदद-3
18.घना वन-3
20.मन को भाने वाला -2,3
21.कथा,गाथा-3
22.कहासुनी-4
23.मनन करना-3
24.शराब-2
26.घोड़ागाड़ी-2
28.बढ़ावा देना-2

शब्द पहेली-6284 का हल

सूडोकु नवताल - 6295

★★★★☆ कठिन

4							1	8
			6	7				2
			8					
	8	5						
	2			1			7	
						3	5	
					5			
1				4	7			
9	6							4

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6294 का हल

1	9	7	4	8	6	2	3	5
4	5	3	9	1	2	7	6	8
2	6	8	7	3	5	9	1	4
5	3	1	2	7	9	4	8	6
9	2	4	8	6	1	5	7	3
7	8	6	5	4	3	1	9	2
3	4	9	6	2	7	8	5	1
6	7	2	1	5	8	3	4	9
8	1	5	3	9	4	6	2	7

हनुमान अंश के टीजर में नीम करोली बाबा की कहानी

नई दिल्ली। श्री नीम करोली बाबा की कहानी पर आधारित फिल्म 'हनुमान अंश' 31 जुलाई को बड़े पर्दे पर रिलीज होगी। इस फिल्म का मकसद आस्था, विनम्रता और सेवा की भावना के सफर को पर्दे पर उतारना है। विशाल चतुर्वेदी की लिखित और निर्देशित इस फिल्म में शोभिना डब्ल्यू. सत्या, विहान एस. हेगड़े, चंदन आनंद, पूर्णिमा तिवारी, अनिल के. रस्तोगी और गुलशन पांडे लीड रोल्स में हैं। इसे रागिनी एस., नम्रता जी. सिंह, अनुप्रिया ए. नागर और विशाल चतुर्वेदी ने प्रोड्यूस किया है। रिलीज से पहले, मेकर्स ने फिल्म का टीजर भी जारी कर दिया है। फिल्म 'हनुमान अंश' आस्था, विनम्रता और असीम प्रेम की यात्रा पर आधारित है। इस फिल्म का मकसद उस संत की कहानी को सामने लाना है।

लाइफ Style

दिशा

ऑस्कर विजेता निर्देशक की फिल्म का बनीं हिस्सा

एजेंसी ▶▶ मुंबई

प्रियंका चोपड़ा, दीपिका पादुकोण और तब्बू जैसी अदाकाराओं के बाद अब दिशा पाटनी ने भी हॉलीवुड में कदम बढ़ा दिए हैं। वे ऑस्कर विजेता निर्देशक केविन स्पेसी की सुपरनैचुरल थ्रिलर फिल्म 'हॉलीगार्ड्स सागा- द पोर्टल ऑफ फोर्स' में नजर आएंगी।

इस फिल्म के जरिए वे इंटरनेशनल स्तर पर अपनी पहचान बनाने को तैयार हैं। हाल ही में दिशा ने स्पेसी के साथ शूटिंग के अनुभव साझा किए। फिल्म 'हॉलीगार्ड्स सागा' में दिशा के साथ डॉल्फ लुंडग्रेन, टायरेस गिब्सन, ब्रायना हिल्डेब्रांड और एरिक रॉबर्ट्स जैसे बड़े ग्लोबल स्टार्स अहम भूमिकाओं में हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में दिशा ने हॉलीवुड में सफल होने के लिए जरूरी चीजों के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एक्टर्स सिर्फ भारत में बैठकर इंटरनेशनल ऑडिशन, टैलेंट रिप्रेजेंटेशन और वीजा से जुड़ी मुश्किल प्रक्रियाओं को समझे बिना ग्लोबल रोल पाने की उम्मीद नहीं कर सकते। दिशा पाटनी ने कहा, 'वे (केविन स्पेसी) कमाल के हैं। एक एक्टर होने के नाते, वे अपने एक्टर्स को समझते हैं। एक्सपेरिमेंट करने के लिए काफी आजादी देते हैं। वे हमसे कहते थे कि हम अपने अनुभवों का इस्तेमाल करें। वह हमें ऐसे सवाल सोचने के लिए प्रोत्साहित करते थे, जैसे- 'आप ऐसी स्थिति में कैसा रिएक्ट करेंगे?' 'क्या आप रोएंगे?' 'आप कैसा महसूस करेंगे?' 'आप अपनी भावनाएं कैसे जाहिर करेंगे?' हर सुबह, वे हमारे साथ बैठते थे और हमें सीन समझाते थे। मुझे यह बात बहुत खास लगी।

हॉलीवुड मसाला

द ओडिसी के प्रीमियर से पहले लिया ब्रेक

मुंबई। हॉलीवुड के बेहतरीन अभिनेता टॉम हॉलैंड की फिल्म 'द ओडिसी' जल्द ही भारत में रिलीज होने वाली है। इसके प्रीमियर के लिए अभिनेता टॉम हॉलैंड, मैट डेमन और निर्देशक क्रिस्टोफर नोलन भारत आए हैं। ये सभी लोग फिल्म के प्रीमियर के लिए जा रहे थे। इससे पहले एक होटल में चाय के लिए रुके। सोशल मीडिया पर उनका यह वीडियो वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि टॉम हॉलैंड, मैट डेमन और क्रिस्टोफर नोलन अपनी गाड़ी से उतरे और एक कॉफी हाउस में पहुंचे। होटल के कर्मचारियों ने उन्हें चाय परोसी और इसके साथ बन भी दिया।

फिर साथ रहने लगे विल और पत्नी जेडा?

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड एक्टर विल स्मिथ और पत्नी जेडा पिंकेट की शादी को लगभग 29 साल हो चुके हैं। 57 वर्षीय विल स्मिथ और 54 वर्षीय जेडा की शादी 1997 में हुई थी। 2023 में जेडा स्मिथ ने खुलासा किया कि वह और विल स्मिथ 2016 से अलग रह रहे थे। हालांकि उन्होंने कभी तलाक के लिए अर्जी नहीं दी। विल स्मिथ और उनकी पत्नी जेडा पिंकेट पिछले दो साल से फिर से एक ही घर में रह रहे हैं। जबकि पहले वे अलग-अलग घरों में रहते थे। एक सूत्र ने पीपल्स मैगजीन को बताया कि जेडा पिंकेट और विल स्मिथ साथ रहकर खुशहाल जिंदगी जी रहे हैं। वह खुश हैं, एक-दूसरे से प्यार करते हैं।'बीते दिनों भी इस कपल को पेरिस फैशन वीक के दौरान साथ देखा गया। वह अपने बेटे जेडन स्मिथ को सपोर्ट करने पहुंचे थे।

बेटी को ट्रोल करने वालों पर आगबबूला

मुंबई। अभिनेत्री और पॉलिटिशियन खुशबू सुंदर ने अपनी बेटियों, अवंतिका और आनंदिता का बचाव करते हुए ट्रोल्स को करारा जवाब दिया है। हाल ही में, बेटी की शादी के बाद लुक को लेकर खुशबू की बेटी को ऑनलाइन ट्रोल किया गया था। खुशबू सुंदर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट साझा करके इसकी आलोचना की है और साफ कहा है कि परिवार पर निशाना साधने पर वे चुप नहीं रहेंगी। खुशबू सुंदर ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट शेयर करते हुए उन्होंने चेतावनी दी कि उनकी चुप्पी को कभी भी सहमति नहीं समझा जाना चाहिए। ट्रोल करने वालों को जवाब देते हुए उन्होंने अपने परिवार के सफर का जिक्र किया और कहा कि यह वर्षों की कड़ी मेहनत, त्याग और लगन से बना है।

आंख पर बैठी मक्खी भी नहीं हटाई...

नई दिल्ली। सनी देओल और अक्षय खन्ना अभिनीत फिल्म 'इक्का' में तिलोत्तमा शोम ने पहली बार वकील की भूमिका निभाई है। एक बातचीत में उन्होंने शूटिंग के दौरान का एक ऐसा किस्सा साझा किया। तिलोत्तमा कहती हैं, 'यह घटना शायद मैं कभी नहीं भूल पाऊंगी। हम एक सीन की शूटिंग कर रहे थे। पहले सनी सर का हिस्सा शूट हुआ। फिर कैमरा मेरी तरफ आ गया। सनी सर बिल्कुल मेरे सामने खड़े थे और मैं अपना लंबा संवाद बोल रही थी। इसी दौरान कई मक्खियां उनके चेहरे के आसपास मंडराने लगीं। फिर एक मक्खी उनकी आंख के बिल्कुल किनारे जाकर बैठ गई। मैं मन ही मन सोच रही थी कि अब तो शूटिंग जरूर रोक दी जाएगी, क्योंकि ऐसी स्थिति किसी के लिए भी असहज हो सकती है। लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

टीवी मसाला

जोक्स जिन्हें सुनाने के बाद स्टेज के पीछे जाकर रोते हैं कॉमेडियन

नई दिल्ली। लंबे वक्त से कॉमेडी किंग कपिल शर्मा के शो से जुड़े आर्टिस्ट राजीव ठाकुर का शुरुआती दौर काफी मुश्किल रहा है। राजीव खुद एक इंटरव्यू में यह बता चुके हैं कि उनका बचपन बहुत गरीबी में बीता था और उन दिनों ने उनके जीवन पर बहुत प्रभाव डाला। राजीव ने बताया कि वह कई बार अपने उन दिनों के अनुभवों को अपने जोक्स में डालने की कोशिश करते हैं, लेकिन फिर वह खुद ही भावुक हो जाते हैं। भले ही वह उन तजुर्बों की मदद से लोगों को हंसा देते हैं, लेकिन फिर वह खुद ही भावुक हो जाते हैं, और पर्दे के पीछे जाकर रोते हैं। एक बातचीत में राजीव ने बताया कि उन्हें अपने बचपन के बारे में याद करके बहुत तकलीफ होती है। राजीव ने कहा, 'मेरी जर्नी उन हालातों में शुरू हुई थी, जिन्हें मैं याद भी नहीं करना चाहता हूं। अगर मैं आज लोगों को इसके बारे में बताऊं, तो यह आपको किसी काल्पनिक कहानी जैसा लग सकता है। क्योंकि कोई ऐसा नहीं है जो इसकी पुष्टि कर सके।' राजीव ने बताया कि क्यों वह अक्सर अपने बचपन और करियर के शुरुआती दिनों को अपनी कॉमेडी में उतारने से बचते हैं। राजीव ठाकुर ने कहा, 'लोग मुझसे अक्सर कहते हैं कि आपको अपने दर्द को स्टैंडअप कॉमेडी में बदल देना चाहिए। मैं कभी-कभी ऐसा करता भी हूं, लेकिन उन जोक्स को सुनाते वक्त मेरा दर्द इतना रियल होता है कि मैं स्टेज के पीछे जाकर रोने लगता हूं। यही वजह है कि मैं अपनी जिंदगी के उस दौर के बारे में बहुत कम बात करता हूं।'

'कोई दूध का धुला नहीं होगा'

नई दिल्ली। अभिनेता गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा रियलिटी शो 'लॉक अप- सच या सजा' से बाहर हो गई हैं। बीते दिन शनिवार को 'जजमेंट डे' एपिसोड में गोविंदा और उनकी बेटी टीना आहूजा उन्हें शो से बाहर ले जाने के लिए आए थे। शो के दौरान, सुनीता ने कई बार शादी में धोखा देने का जिक्र किया था। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि गोविंदा के कई वर्षों तक कई अफेयर रहे हैं। इसके बावजूद, उन्होंने कहा कि वह कभी भी उन्हें छोड़कर नहीं जाएंगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि तमाम मुश्किलों के बावजूद शादी में उनका भरोसा और प्यार अटूट बना हुआ है। सुनीता आहूजा ने 'लॉक अप 2' से निकलने के बाद बातचीत में शादी में धोखे के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने कहा, 'भरोसा बहुत बड़ी चीज है। मुझे नहीं लगता कि फिल्म इंडस्ट्री का कोई भी हीरो दूध का धुला होगा। हमसे ज्यादा तो वो लोग हीरोइनों के साथ टाइम बिताते हैं। तो ये आपके प्यार पर निर्भर करता है कि आप कैसे लेते हो'।

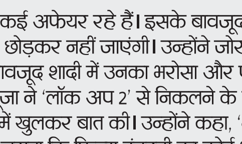

किशोर कुमार ने मांगी थी मोटी फीस तो बेटे से गंवाया 'पर्दा है पर्दा' गाना...

नई दिल्ली। 1977 में मनमोहन देसाई की चार बड़ी फिल्में रिलीज हुई थीं। उनमें से एक थी 'अमर अकबर एंथनी'। इस फिल्म में अमिताभ बच्चन, विनोद खन्ना और ऋषि कपूर लीड रोल में थे। फिल्म की कहानी तीन ऐसे भाइयों की होती है जिन्हें उनका पिता एक पार्क में छोड़ आता है। बाद में तीनों भाइयों का अलग धर्मों में पालन पोषण होता है। इस फिल्म की कहानी को ऑडियंस ने खूब पसंद किया था। लेकिन, इसके गानों की अपनी एक अलग जगह रही। इस फिल्म ने उस साल के सबसे बेहतरीन गाने दिए। भक्ति गीत हो या कव्वाली, इस फिल्म का अहम हिस्सा रहे।

अमर अकबर एंथनी का म्यूजिक

फिल्म अमर अकबर एंथनी का म्यूजिक उस समय की सबसे हिट जोड़ी लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल की जोड़ी ने तैयार किया था। फिल्म में कुल कुल 7 गाने थे। शिरड़ी वाले साईं बाबा, तैय्यब अली प्यार के दुश्मन हाय हाय, टाइटल सॉन्ग अमर अकबर एंथनी, हमको तुमसे हो गया है प्यार क्या करें जैसे गाने शामिल थे। लेकिन, जिस गाने को सबसे ज्यादा पॉपुलैरिटी मिली वो था ऋषि कपूर पर फिल्माया 'पर्दा है पर्दा' था। फिल्म के इस कव्वाली गाने को मोहम्मद रफी ने अपनी आवाज से सजाया था और इसके गीत लिखे थे आनंद बक्शी ने। ये गाना उस साल का नंबर 2 पर था जिसे दुनियाभर में खूब सुना गया। गाने में ऋषि कपूर की एक्टिंग और एक्सप्रेशन आज भी हिट है। लेकिन, कम ही लोग जानते हैं कि इस गाने की एक लाइन गाने के लिए पहले किशोर कुमार से बात की गई थी। लेकिन, वो सिर्फ एक लाइन के लिए इस गाने का हिस्सा नहीं बनना चाहते थे।

आज भी पसंद किया जाता है यह गाना

किशोर कुमार ने फिल्म के गाने 'पर्दा है पर्दा'में एक लाइन गाने के लिए मोटी फीस की मांग कर दी। ऐसे में म्यूजिक डायरेक्टर की जोड़ी निराश हो गई। बाद में ये लाइन किशोर कुमार के बेटे अमित कुमार ने कम पैसों में गाकर पूरी की। ये गाना आज भी उतना ही पसंद किया जाता था जितना करीब 39 साल पहले था।

अमिताभ ने जीता था पहला बेस्ट एक्टर अवॉर्ड

फिल्म अमर अकबर एंथनी की कहानी डायरेक्टर मनमोहन देसाई ने एक न्यूज पेपर में पढ़ी थी। खबर में था कि एक पिता तंगहाली से परेशान हो कर अपने बच्चों को पार में छोड़ गया। इस पर उनकी पत्नी और लेखक ने फिल्म की स्क्रिप्ट लिख डाली। फिल्म 1975 में लगी इमरजेंसी की वजह से करीब दो साल बाद 1977 में रिलीज हुई। उस साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बनी। इसी फिल्म के लिए अमिताभ बच्चन ने अपना पहला बेस्ट एक्टर फिल्मफेयर अवॉर्ड जीता था।

सैन डिएगो कॉमिक-कॉन में दिखाया जाएगा रामायण का फर्स्ट लुक...

नई दिल्ली। नितेश तिवारी की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'रामायण' का फर्स्ट लुक सैन डिएगो कॉमिक कॉन में दिखाया जाएगा। 23 जुलाई को वहां फर्स्ट लुक रिवील होगा। सैन डिएगो कॉमिक-कॉन दुनिया का सबसे बड़ा वार्षिक पॉप-संस्कृति और कॉमिक बुक सम्मेलन है। इसकी शुरुआत 1970 से हुई थी। 23 जुलाई से 26 जुलाई 2026 तक इसका आयोजन होगा। पहले दिन ही यहां 'रामायण' की पहली झलक देखने को मिलेगी। फिल्म के प्रोड्यूसर नमित मल्होत्रा, डायरेक्टर नितेश तिवारी के अलावा मुख्य सितारे रणबीर कपूर और यश फर्स्ट लुक पेश करेंगे। यह खबर ऐसे समय में आई है, जब कुछ दिन पहले ही ऐसी खबरें आई थीं कि मेकर्स 18 जुलाई को नई दिल्ली में फिल्म का जबर्दस्त ट्रेलर लॉन्च करने की योजना बना रहे हैं। फिल्म 'रामायण' मेगा बजट फिल्म है, जिसे करीब 4000 करोड़ रुपये की लागत के साथ बनाया जा रहा है।

रणबीर कपूर इसमें भगवान राम की भूमिका अदा कर रहे हैं, वहीं साई पल्लवी को माता सीता के रोल में देखा जाएगा। यश रावण का किरदार निभाते दिखेंगे। वहीं, सनी देओल प्रभु हनुमान की भूमिका में होंगे। इस फिल्म में रकुल प्रीत सिंह, कुणाल कपूर, लारा दत्ता, अरुण गोविल और शीबा चड्ढा जैसे सितारे भी हैं। फिल्म दो हिस्सों में रिलीज होगी। पहला हिस्सा इस साल दिवाली पर आएगा और दूसरा हिस्सा अगले साल दिवाली पर दस्तक देगा।

एक प्रेम कहानी नहीं, बल्कि मानवीय कमजोरियों और बदलते सामाजिक मूल्यों का ऐसा जीवंत आईना है

9 भाषाएं, 24 फिल्में, सिनेमा में 98 साल पुराना और गहरा है देवदास का इतिहास

मुंबई । स्व. शरत चंद्र चट्टोपाध्याय का कालजयी उपन्यास देवदास एक शताब्दी से भारतीय सिनेमा की धड़कन बना हुआ है। संदीप भूतोड़िया के अनुसार यह सिर्फ एक प्रेम कहानी नहीं, बल्कि मानवीय कमजोरियों और बदलते सामाजिक मूल्यों का ऐसा जीवंत आईना है जो हर पीढ़ी को अपना सा लगता है।

सिनेमा में साहित्य

भारतीय साहित्य की बहुत कम कृतियों को सिनेमा की दुनिया में ऐसा जादुई और असाधारण जीवन मिला है, जैसा शरत चंद्र चट्टोपाध्याय के कालजयी उपन्यास देवदास को मिला। वर्ष 1917 में प्रकाशित यह लघु उपन्यास एक युवा जमींदार के बेटे देवदास की कहानी कहता है। देवदास का अपने बचपन के प्यार पार्वती (पारो) के साथ रिश्ता पारिवारिक घमंड और कठोर सामाजिक रूढ़ियों की भेंट चढ़ जाता है।

देवदास की कहानी

अपनी दुविधा और भावनात्मक कमजोरी के कारण देवदास पारो को एक अधिक अमीर परिवार में ब्याहे जाते हुए देखता है। इसके बाद शराब की लत में डूबकर वह तवायफ चंद्रमुखी के संपर्क में आता है, जिसकी सच्ची सहानुभूति देवदास की जीवन से भागने की लाचारी से बिल्कुल अलग दिखती है। यह कहानी भारतीय साहित्य के सबसे दर्दनाक मोड़ पर खत्म होती है, जहां देवदास आखिरी बार पारो से मिले बिना उसके घर के बाहर दम तोड़ देता है।

हिंदी में सहगल को किया कास्ट

इसकी भारी सफलता के बाद उन्होंने अगले ही वर्ष इसे हिंदी में बनाया और के.एल. सहगल को कास्ट किया। सहगल के अभिनय और अमर गानों ने पूरे भारत में देवदास को अमर कर दिया। बरुआ ने बाद में इसका असमिया संस्करण भी बनाया, जिससे यह भारतीय सिनेमा के शुरुआती बहुभाषी प्रोजेक्ट्स में से एक बना। बरुआ ने अकेले ट्रेन का सफर और बंद दरवाजों के बाहर मौत जैसे दृश्यों से एक ऐसा विजुअल ढांचा तैयार किया, जिसे बाद के निर्देशक हमेशा दोहराते रहे।

24 फिल्में अब तक बनी हैं देवदास उपन्यास पर

9 से ज्यादा भारतीय भाषाओं में पर्दे पर उतरी है देवदास की कहानी। यह हैं हिंदी, बंगाली, तेलुगु, तमिल,मलयालम, असमिया, भोजपुरी, ओड़िया और उर्दू। अकेले निर्देशक पी.सी. बरुआ ने ही 3 अलग भाषाओं (बंगाली, हिंदी, असमिया) में इस पर तीन फिल्में बनाईं। 3 अन्य देशों (पाकिस्तान, बांग्लादेश और सिंगापुर) में भी देवदास पर फिल्में बनी हैं।

दुनिया के सामने भव्य प्रदर्शन

वर्ष 2002 में संजय लीला भंसाली की देवदास के साथ इस कहानी में एक बहुत बड़ा और नाटकीय बदलाव देखने को मिला। शाहरुख खान, ऐश्वर्या राय और माधुरी दीक्षित के अभिनय से सजी इस फिल्म ने यथार्थवाद को पूरी तरह छोड़कर एक भव्य और ओपेरा जैसी नाटक शैली को अपनाया। आलीशान सेट, चमचमाते महंगे कपड़े और गानों के भव्य दृश्यों ने शरत चंद्र की इस भावुक और शांत त्रासदी को एक विशाल सिनेमाई उत्सव में बदल दिया। कान फिल्म फेस्टिवल में प्रीमियर के बाद इस फिल्म को वैश्विक पहचान मिली और दुनिया भर के दर्शकों ने देवदास को जाना। जहां पुरानी शैली के आलोचक इसके भारी तड़क-भड़क पर सवाल उठा रहे थे, वहीं भंसाली ने यह साबित कर दिया कि कहानी की मूल आत्मा को खोए बिना इसे नए युग की भव्यता के साथ पेश किया जा सकता है।

अल्वारेज के जादू से सेमीफाइनल पहुंची अर्जेंटीना, स्विट्ज़रलैंड लौटी घर

अतिरिक्त समय में जूलियन अल्वारेज और लौतारो मार्तिनेज के गोल की मदद से मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना ने स्विटजरलैंड को 3-1 से हराकर विश्व कप सेमीफाइनल में जगह बना ली, जहां उसका सामना इंग्लैंड से होगा हालांकि यह मुकाबला उतना आसान नहीं था, जिनका सोचा जा रहा था।

एजेंसी ▸▸| कंसास सिटी

विश्व कप में लगातार गोल करने का लियोनेल मेस्सी का 9 मैचों का सिलसिला टूट गया लेकिन लगातार दूसरे खिताब से अब वह सिर्फ दो जीत दूर हैं। सेमीफाइनल में उसे इंग्लैंड से खेलना है। दूसरे सेमीफाइनल में फ्रांस का सामना स्पेन से होगा और पहली बार फीफा रैंकिंग की शीर्ष चारों टीमें विश्व कप सेमीफाइनल में पहुंची हैं।

दूसरा हाफ काफी नाटकीय रहा और एक बार फिर रैफरी के फैसले के बाद आलोचक मुखर हो जाएंगे कि टूर्नामेंट में अर्जेंटीना का पक्ष लिया जा रहा है। स्विटरजलैंड ने 67वें मिनट में डैन एनडोये के गोल की मदद से बराबरी की थी जब ब्रील एम्बोलो से टकराने के कारण लिएंड्रो पेरेदेस को येलो कार्ड दिखाया गया। वीडियो से हालांकि जाहिर था कि स्विस खिलाड़ी एम्बोलो अर्जेंटीना के मिडफील्डर से टकराने से पहले ही गिर रहे थे। एम्बोलो को मैच में पहले ही येलो कार्ड मिल चुका था, जो उसे रेडकार्ड में बदल दिया गया। स्विटजरलैंड को आखिर में दस खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा।

इस विश्व कप में दूसरी बार येलो कार्ड का फैसला बदला गया है।

दूसरे हाफ में स्विस टीम ने लगातार हमले बोले और रिकार्डो रौड्रिगेज के पास पर एनडोये ने बराबरी का गोल दाग दिया। इसके कुछ देर बाद ही हालांकि एम्बोलो को रेडकार्ड मिला। निर्धारित समय तक स्कोर 1-1 से बराबर रहने के बाद मुकाबला अतिरिक्त समय तक गया।

लगातार गोल का मेस्सी का सिलसिला टूटा

विश्व कप में लगातार गोल का लियोनेल मेस्सी का 9 मैचों का सिलसिला आखिरकार स्विटजरलैंड के खिलाफ टूट गया लेकिन अर्जेंटीना को स्विटजरलैंड पर 3-1 से जीत दिलाने में उन्होंने अहम योगदान दिया। इस विश्व कप में फ्रांस के कीलियन एमबाप्पे के साथ सर्वाधिक आठ गोल कर चुके मेस्सी ने दसवें मिनट में कॉर्नर किक हासिल की और अपने कलात्मक खेल से बॉक्स के भीतर एलेक्सिस मैक एलिस्टर को गेंद सौंपी, जिन्होंने अर्जेंटीना को बढत दिलाई। दूसरे हाफ में दाहिने घुटने के पास ठोकर लगने से मेस्सी को ट्रेनर की मदद लेनी पड़ी थी। स्विटजरलैंड ने 67वें मिनट में बराबरी का गोल किया लेकिन अतिरिक्त समय में जूलियन अल्वारेज और लौतारो मार्तिनेज के गोल के दम पर अर्जेंटीना ने 3-1 से जीत दर्ज की। मैच से पहले स्विटजरलैंड के कोच मुरात याकिन से पूछा गया था कि मेस्सी को कैसे रोकेंगे, जो विश्व कप के कैरियर में अब तक 21 गोल कर चुके हैं और पिछले नौ मैचों में गोल किया है। इस पर उन्होंने मजाकिया लहजे में कहा,' यह काफी हैरान करने वाला सवाल है।

एम्बोलो को रेडकार्ड से आगबबूला स्विटजरलैंड टीम

स्विजटरलैंड के फॉरवर्ड ब्रील एम्बोलो को अर्जेंटीना के खिलाफ विश्व कप क्वार्टर फाइनल मैच के दूसरे हाफ में वीडियो रिव्यू के बाद रेडकार्ड दिखाए जाने के फैसले पर विवाद हो गया है और यह तो तय है कि इससे पूरे टूर्नामेंट में रैफरियों की ओर से अर्जेंटीना का पक्ष लिए जाने की आलोचना करने वाले और मुखर हो जाएंगे।स्विटजरलैंड के लिए डैन एनडोये ने 67वें मिनट में बराबरी का गोल दागा । इसके बाद अर्जेंटीना के मिडफील्डर लिएंड्रो पेरेडेस को एम्बोलो से टकराने के कारण येलो कार्ड दिखाया गया लेकिन वीडियो रिव्यू में नजर आया कि पेरेडेस से टकराने से पहले ही एम्बोलो गिर रहे थे। एम्बोलो को मैच में पहले येलो कार्ड मिल चुका था, जिसकी वजह से उन्हें रेडकार्ड दिया गया। मैच 1-1 से बराबर होने के बाद स्विटजरलैंड को दस खिलाड़ियों के साथ ही खेलना पड़ा।

2018 के बाद पहली बार सेमीफाइनल में इंग्लैंड, नहीं चला हालैंड का जादू

- अब सेमीफाइनल में अर्जेंटीना से महामुकाबला
- इंग्लैंड ने नॉर्वे को 2-1 से हराया, बेलिंगहम ने दागे 2 गोल

मियामी गार्डंस। जूड बेलिंगहम के दो गोल की मदद से इंग्लैंड ने एर्लिंग हालैंड की नॉर्वे को 2-1 से हराकर 2018 के बाद पहली बार विश्व कप फुटबॉल के सेमीफाइनल में जगह बना ली। बेलिंगहम ने अतिरिक्त समय के तीसरे मिनट में विजयी गोल से पहले शुरुआती हाफ में बराबरी का गोल भी किया था। बेलिंगहम के अब हैरी केन के बराबर छह गोल हो गए हैं और वह आठ गोल करने वाले फ्रांस के कीलियन एमबाप्पे और अर्जेंटीना के लियोनेल मेस्सी और नॉर्वे के एर्लिंग हालैंड (सात गोल) से ही पीछे हैं। इस विश्व कप के हर मैच में गोल करने वाले छह फुट पांच इंच लंबे हालैंड का जादू इस मैच में नहीं चल सका। उन्होंने अंतिम 16 के मुकाबले में सह मेजबान मैक्सिको के खिलाफ भी दो गोल किए थे। पिछले 60 साल में खिताब नहीं जीत सकी विश्व कप 1966 विजेता इंग्लैंड का सामना अब अर्जेंटीना से होगा।

क्वार्टर फाइनल में चमक नहीं बिखेर सके हालैंड

मियामी। इस विश्व कप के सबसे चर्चित खिलाड़ियों में से एक और 'वाइकिंग रो' (नॉर्वे का जश्न मनाने का अनूठा अंदाज) के सबसे बड़े स्टार एर्लिंग हालैंड इंग्लैंड के खिलाफ क्वार्टर फाइनल चमक नहीं बिखेर सके और नॉर्वे की टूर्नामेंट से निराशाजनक विदाई हुई। मैच में छह फुट पांच इंच लंबे स्ट्राइकर हालैंड कोई प्रभाव नहीं छोड़ सके। अतिरिक्त समय के अंतिम 15 मिनट में नॉर्वे बराबरी का गोल नहीं दाग सकी। इंग्लैंड ने उसे 2-1 से हराया और इस विश्व कप में पहली बार हालैंड के नाम कोई गोल नहीं चढ़ा। टूर्नामेंट में सात गोल कर चुके हालैंड को दूसरे अतिरिक्त समय में बेंच पर बैठना पड़ा।

नहीं रहे दक्षिण अफ्रीका के मिडफील्डर एडम्स

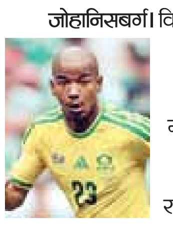

जोहानिसबर्ग। विश्व कप खेल चुके दक्षिण अफ्रीका के मिडफील्डर जेडेन एडम्स का 25 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। दक्षिण अफ्रीका के खेल, कला और संस्कृति मंत्री गेटोन मैकेंजी ने उनके निधन की पुष्टि की। मैकेंजी ने एक्स पर लिखा,' बहुत दुख और भारी मन से यह बता रहा हूं कि मुझे जेडन एडम्स के निधन के बारे में पता चला है, जो टीम के मिडफील्डर थे। वह 25 वर्ष के थे।' उन्होंने लिखा,' दक्षिण अफ्रीका फुटबॉल ने अपने सबसे प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ियों में से एक को खो दिया। उनके परिवार, टीम और लाखों प्रशंसकों के साथ पूरा देश शोक में है।'

खबर संक्षेप

एवियन चैंपियनशिप : संयुक्त 33वें स्थान पर अदिति

एवियन-लेस-बैंस। भारतीय गोल्फर अदिति अशोक ने तीसरे राउंड में दो अंडर 69 का स्कोर बनाया, जिससे वह एवियन चैंपियनशिप में संयुक्त 33वें स्थान पर पहुंच गईं। अदिति ने पार-71 वाले कोर्स पर शुरुआती दो राउंड में एक समान 70 का स्कोर बनाया था। उन्होंने तीसरे राउंड में दो बोगी की और चार बर्डी बनाईं।

पाकिस्तान के क्षेत्ररक्षण कोच मैकडरमॉट ने दिया इस्तीफा

लाहौर। पाकिस्तान के क्षेत्ररक्षण कोच शेन मैकडरमॉट ने एक साल तक काम करने के बाद वेस्टइंडीज और इंग्लैंड के आगामी दौरे से ठीक पहले इस्तीफा दे दिया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के एक सूत्र ने बताया कि मैकडरमॉट टीम के साथ इन दौरों पर नहीं जाएंगे। पीसीबी ऑस्ट्रेलिया के इस कोच की जगह मंसूर अमजद को नियुक्त करने का इच्छुक है, जिन्होंने शाहीन (पाकिस्तान ए टीम) और अंडर-19 टीमों के साथ काम किया है।

टीम इंडिया में करारी हार के बाद दो बदलाव, प्रिंस और बिश्नोई को मौका

एजेंसी ▸▸| बर्मिंघम

युवा तेज गेंदबाज हर्षित राणा और अनुभवी स्पिनर वरुण चक्रवर्ती मांसपेशियों में खिंचाव के कारण अनिश्चितकाल के लिए प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से बाहर हो गए हैं और उनकी जगह भारत की आगामी एकदिवसीय और टी20 अंतरराष्ट्रीय टीमों में क्रमशः प्रिंस यादव और रवि बिश्नोई को शामिल किया गया है। प्रिंस, राणा की जगह इंग्लैंड में भारतीय एकदिवसीय टीम से जुड़ेंगे।

बिश्नोई को मिला एक और मौका

ओल्ड ट्रैफर्ड में इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच के 17वें ओवर में 29 रन खर्च कर भारत की हार के कारण बने लेग स्पिनर बिश्नोई को जिम्बाब्वे में इस महीने के आखिर में शुरू होने वाली तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए चक्रवर्ती की जगह एक और मौका मिला है।

बीसीसीआई ने कहा, 'राणा ने ट्रेंट ब्रिज में इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय के दौरान अपने दाहिने पैर में अचानक तकलीफ महसूस की। बाद में हुए स्कैन में 'ग्रेड-एक हैमसर्टिंग' चोट की पुष्टि हुई।' बयान के अनुसार, ''उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ आगामी एकदिवसीय श्रृंखला से बाहर कर दिया गया है। चक्रवर्ती 'ग्रेड-दो हैमसर्टिंग' चोट से जूझ रहे हैं। इस चोट के कारण उनके पूरी तरह फिट होने में तीन से छह महीने का समय लग सकता है।

इंग्लैंड के खिलाफ वनडे अपडेटेड टीम

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उप-कप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), इशान किशन (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, शिवम दुबे, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, गुरनूर बराड़ और प्रिंस यादव।

जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 अपडेटेड टीम

श्रेयस अय्यर (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा (उप-कप्तान), इशान किशन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, सूर्यांश शेडगे, रिंकू सिंह, हर्ष दुबे, प्रिंस यादव, यश ठाकुर, अशोक शर्मा, मयंक यादव, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर) और रवि बिश्नोई।

लॉर्ड्स के 'ऑनर्स बोर्ड' पर क्रांति का नाम, बनीं पहली महिला गेंदबाज

एजेंसी ▸▸| लंदन

भारतीय तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ ने कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच में पांच विकेट लेने के बाद 'लॉर्ड्स ऑनर्स बोर्ड' (सम्मान पट्टिका) पर नाम दर्ज कराने वाली पहली महिला बनना उनके और उनके परिवार के लिए बेहद गर्व की बात है।

क्रांति ने 37 रन देकर पांच विकेट लिए, जिससे भारत ने इंग्लैंड को 170 रन पर आउट कर दिया। क्रांति ने कहा, ' यह मेरे लिए पूरी तरह से अलग अहसास है। लॉर्ड्स ऑनर्स बोर्ड पर अपना नाम दर्ज कराने वाली पहली महिला बनने पर मुझे बहुत गर्व है। यह मेरे परिवार के लिए भी गर्व की बात है।' इस 22 वर्षीय खिलाड़ी ने पिछले साल इंग्लैंड के खिलाफ एक वनडे मैच में 52 रन देकर छह विकेट लिए थे।

प्रत्येक गेंदबाज का सपना

क्रांति ने कहा, 'प्रत्येक गेंदबाज का सपना होता है कि वह पांच विकेट हासिल करे। हम पहली बार लॉर्ड्स में खेल रहे हैं, इसलिए मैं सोच रही थी कि अगर मैं अगर मैं पांच विकेट लेने में सफल रही तो सम्मान पट्टिका पर अपना नाम दर्ज करा सकती हूं और इससे टीम की जीत में भी मदद कर सकती हूं।' क्रांति ने लॉरेन बेल को आउट ने करके अपना पांचवा विकेट लिया जिनका शेफाली वर्मा ने शानदार कैच लिया था। क्रांति ने कहा, जो भी होता है अच्छे के लिए होता है। आज मुझे ऐसा लग रहा था कि मैं पांच विकेट ले लूंगी। स्नेह राणा (पहली स्लिप पर) ने कैच लेने के लिए वास्तव में अच्छा प्रयास किया था। जब वह उसे नहीं पकड़ पाई तो शेफाली ने उसे लपक लिया। मैं अपने पांच विकेट पूरे होने का जश्न मनाने वाली थी, लेकिन मेरे साथियों ने मुझे रिप्ले और फैसले का इंतजार करने को कहा।'

वनडे सीरीजः वेस्टइंडीज ने न्यूजीलैंड को दी मात, बनाई 1-0 की बढ़त

प्रोविडेंस। केसी कार्टी के 95 और शाइ होप के नाबाद 87 रन की मदद से वेस्टइंडीज ने 5 मैचों की वनडे श्रृंखला के पहले मैच में न्यूजीलैंड को 7 विकेट से हराकर बढत बना ली। कार्टी अपना पांचवां वनडे शतक बनाने से पांच रन से चूक गए लेकिन उनकी और होप की 131 रन की साझेदारी की मदद से वेस्टइंडीज ने 267 रन का लक्ष्य सात गेंद बाकी रहते हासिल कर लिया। होप ने शेरफान रदरफोर्ड (नाबाद 22) के साथ 31 गेंद में 45 रन की अटूट साझेदारी की।

न्यूजीलैंड के डेरिल मिशेल ने जड़ा शतक

न्यूजीलैंड के लिए डेरिल मिशेल ने शतक लगाया जबकि विल यंग ने 49 रन की पारी खेली। दोनों ने पहले विकेट के लिए 80 रन जोड़े। इसके बाद हेनरी निकोल्स (27), माइकल ब्रेसवेल (29), मार्क चैपमैन (27), टॉम लैथम (25) और मिचेल सेंटनेर (21) अच्छी शुरुआत को बड़ी पारियों में नहीं बदल सके।

तीरंदाजी विश्व कप : धीरज और कीर्ति पदक से चूके, रिकर्व वर्ग में उम्मीदें

मैड्रिड। धीरज बोम्मादेवरा और कीर्ति शर्मा की भारतीय रिकर्व मिश्रित जोड़ी 3-1 से बढ़त का फायदा नहीं उठा पाई और रविवार को तीरंदाजी विश्व कप के चौथे चरण में इटली से 3-5 से हारकर कांस्य पदक से चूक गई। अंताल्या विश्व कप चैंपियन धीरज के लिए यह विश्व कप निराशाजनक रहा। उन्होंने पिछले महीने तीसरे चरण में कुमकुम मोहद के साथ रिकर्व मिश्रित टीम का स्वर्ण पदक जीता था लेकिन मैड्रिड से उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ेगा। भारत की रिकर्व वर्ग में उम्मीदें अब पूरी तरह से कीर्ति पर टिकी हैं, जो व्यक्तिगत सेमीफाइनल में प्रतिस्पर्धा करेंगी। इस मैच में

जीत हासिल करने पर 19 वर्षीय कीर्ति विश्व कप में अपना पहला पदक जीतने में सफल रहेंगी। कीर्ति ने पिछले महीने अंताल्या में विश्व कप में पदार्पण किया था।

मेस्सी का जादू, एमबाप्पे की रफ्तार या केन की कप्तानी, अंतिम चार में किसे चुनेंगे?

एजेंसी ▸▸| न्यूयॉर्क

लियोनेल मेस्सी की अर्जेंटीना या कीलियन एमबाप्पे की फ्रांस या फिर हैरी केन की इंग्लैंड ? फुटबॉल के महासमर से अगर आपकी पसंदीदा टीम बाहर हो गई है और आपको समझ में नहीं आ रहा कि सेमीफाइनल में किस टीम का समर्थन करें तो यह आपके लिए है। इसके लिए सेमीफाइनल में पहुंची चारों टीमों के बारे में हम संक्षिप्त जानकारी दे रहे हैं ताकि आप खुद चयन कर सकें।

अर्जेंटीना

स्टार खिलाड़ी : मेस्सी

अर्जेंटीना 1958 और 1962 में ब्राजील के बाद लगातार दूसरी बार खिताब जीतने वाली टीम बनना चाहती है। मेस्सी विश्व कप के इतिहास में सर्वाधिक 21 गोल कर चुके हैं और इस बार टूर्नामेंट में आठ गोल करके शीर्ष पर हैं। क्वार्टर फाइनल में अतिरिक्त समय में दो गोल करके अर्जेंटीना ने स्विटजरलैंड को 3- से हराया।

नारा : ''वामोस, वामोस अर्जेंटीना ''।

अर्जेंटीना को क्यों चुने : शर्तिया अच्छा प्रदर्शन, दस नंबर की जर्सी वाले (मेस्सी) का जादुई खेल।

फ्रांस

स्टार खिलाड़ी : एमबाप्पे, माइकल ओलिसे

2018 में चैंपियन 2022 में उपविजेता और इस साल की प्रबल दावेदार। विश्व कप के दिग्गज फ्रांस के कोच दिदियेर डेसचैम्प्स बतौर कप्तान 1998 में खिताब जीत चुके हैं जब जिनेदीन जिदान टीम में हुआ करते थे। वहीं 20 साल बाद बतौर कोच टीम को खिताब दिलाया।

नारा : 'एलेज लेस ब्लूज '।

फ्रांस को क्यों चुने : अगर आपको गगनचुंबी इमारतें, शैंपेन, फैशन, फ्रेंच ब्रेड पसंद है। फुटबॉल में जबर्दस्त आक्रमण पंक्ति।

इंग्लैंड

स्टार खिलाड़ी : हैरी केन, जूड बेलिंगहम

इंग्लैंड फुटबॉल टीम ने 1966 विश्व कप के बाद कोई बड़ा टूर्नामेंट नहीं जीता है। इंग्लैंड ने फुटबॉल का अविष्कार किया लेकिन सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में नाकाम रहे हैं। 'वाइकिंग रो' स्टार एर्लिंग हालैंड की नॉर्वे को हराकर अंतिम चार में पहुंची इंग्लैंड।

नारा : 'इट्स कमिंग होम'।

इंग्लैंड को क्यों चुने : बरसों की नाकामी का दर्द। इसके अलावा ब्रिटिश रॉकबैंड ओएसिस, शेर, मछली और चिप्स

स्पेन

स्टार खिलाड़ी : लमाइन यमल, रोड्री

स्पेन ने टूर्नामेंट में बेल्जियम के खिलाफ क्वार्टर फाइनल तक एक भी गोल नहीं गंवाया। यमल जैसा विंगर टीम में है, जिसके कमाल के प्रदर्शन से टीम ने 2024 में यूरोपीय चैंपियनशिप जीती थी। सोमवार को यमल 19 साल का हो जाएगा।

नारा : 'लोलोलोलो' ।

स्पेन को क्यों चुने : गेंद पर कमाल का नियंत्रण, जबर्दस्त विंगर और अगर आप स्पेनिश व्यंजनों के दीवाने हैं।

गत वर्ष के मुकाबले जल भंडारण घटा

बरगी बांध में पानी की आवक सुस्त

जबलपुर। मानसून की धीमी सक्रियता का असर बरगी बांध पर भी दिखाई दे रहा है। नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण के बाढ़ नियंत्रण कक्ष के अनुसार शनिवार रात 8 बजे तक बांध का जलस्तर 410.85 मीटर दर्ज किया गया। वर्तमान में बांध में 777 मिलियन क्यूबिक मीटर लाइव स्टोरेज उपलब्ध है, जो इसकी कुल क्षमता का 24.43 प्रतिशत है। जलस्तर अभी न्यूनतम ड्राउन लेवल 403.55 मीटर से ऊपर है, जबकि पूर्ण जलाशय स्तर 422.76 मीटर निर्धारित है।

बीते 24 घंटे में बांध में औसतन 296 घनमीटर प्रति सेकंड पानी की आवक दर्ज की गई। सीमित आवक के कारण बांध के सभी गेट बंद रखे गए हैं। वहीं विद्युत उत्पादन और सिंचाई के लिए दाहिने तट स्थित पावर हाउस से 199 घनमीटर प्रति सेकंड तथा बाईं तट मुख्य नहर से 12 घनमीटर प्रति सेकंड पानी छोड़ा जा रहा है। नदी में कुल 199 घनमीटर प्रति सेकंड जल प्रवाहित हो रहा है।

जल भंडारण पिछले वर्ष से काफी पीछे

आंकड़ों के अनुसार 11 जुलाई 2025 को बरगी बांध का जलस्तर 416.40 मीटर था और लाइव स्टोरेज 1620 मिलियन क्यूबिक मीटर दर्ज की गई थी। इसके मुकाबले इस वर्ष जलस्तर 5.55 मीटर कम है, जबकि जल भंडारण में 26.51 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। हालांकि मौसम विभाग ने अगले 24 से 48 घंटे में जलग्रहण क्षेत्र में अच्छी बारिश की संभावना जताई है। वर्तमान सीजन में अब तक 315.72 मिलीमीटर वर्षा रिकॉर्ड की गई है। अधिकारियों का कहना है कि यदि अनुमान के अनुरूप बारिश होती है तो बांध में पानी की आवक बढ़ सकती है। फिलहाल जल प्रबंधन की स्थिति सामान्य है और पूरे घटनाक्रम पर लगातार नजर रखी जा रही है।

पुलिस व अस्पताल प्रबंधन ने शुरू की जांच

मेडिकल कालेज की डस्टबिन में मिला नवजात का शव

जबलपुर। नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल कॉलेज में नवजात का शव डस्टबिन में मिलने की घटना ने अस्पताल की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। मंडला निवासी एक प्रसूता को प्रसव पीड़ा के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। परिजनों का आरोप है कि प्रसव के बाद उन्हें नवजात की स्थिति के बारे में स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई। बाद में अस्पताल परिसर में डस्टबिन से नवजात का शव मिलने पर परिजनों ने नाराजगी जताते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की। परिजनों का कहना है कि अस्पताल प्रबंधन ने लगातार उनकी शंकाओं का समाधान नहीं किया और बच्चे के संबंध में स्पष्ट जानकारी देने से बचता रहा। घटना सामने आने के बाद अस्पताल परिसर में हड़कंप मच गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस को भी सूचना दी गई है और पूरे घटनाक्रम की जांच शुरू कर दी गई है।

जांच में जुटा अस्पताल प्रशासन

मामला सामने आने के बाद मेडिकल कॉलेज प्रबंधन ने आंतरिक जांच शुरू कर दी है। अस्पताल प्रशासन का कहना है कि प्रसूता के गर्भ में पानी भर जाने के कारण जटिल स्थिति उत्पन्न हुई थी। इसी वजह से सिजेरियन ऑपरेशन किया गया और नवजात मृत अवस्था में पैदा हुआ। इसके बावजूद शव डस्टबिन तक कैसे पहुंचा, यह सबसे बड़ा सवाल बना हुआ है। अस्पताल प्रशासन सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रहा है और संबंधित कर्मचारियों से भी पूछताछ की जा रही है।

प्रसूता की उम्र भी जांच के दायरे में

इस मामले में प्रसूता की उम्र को लेकर भी विरोधाभासी जानकारी सामने आई है। अस्पताल के दस्तावेज और शैक्षणिक प्रमाणपत्रों के अनुसार वह नाबालिग प्रतीत होती है, जबकि परिजन उसकी उम्र 20 वर्ष बता रहे हैं। मेडिकल कॉलेज के डीन प्रो. डॉ. नवनीत सक्सेना ने बताया कि पूरे मामले की जानकारी पुलिस को दे दी गई है। अब पुलिस अस्पताल प्रबंधन के दावों, परिजनों के आरोपों और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर सभी पहलुओं की जांच कर रही है, ताकि घटना की वास्तविक वजह सामने आ सके।

रेलवे मजिस्ट्रेट की कार्रवाई में लिए गए सैंपल, गंदगी मिलने पर भी जुर्माना

रेलवे स्टेशन के भोजनालय में मिला नकली पनीर

जबलपुर। पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर स्टेशन स्थित एक भोजनालय में यात्रियों को परोसे जाने वाले भोजन में कथित रूप से नकली और घटिया गुणवत्ता के पनीर का इस्तेमाल किए जाने का मामला सामने आया है। रेलवे मजिस्ट्रेट वेद प्रकाश सगर ने औचक निरीक्षण के दौरान भोजन की गुणवत्ता की जांच की, जिसमें पनीर संदिग्ध मिलने पर स्वास्थ्य निरीक्षक हेमंत यादव को तत्काल सैंपल लेने के निर्देश दिए। फूड सेफ्टी एक्ट-2006 के तहत दो सैंपल जांच के लिए भोपाल स्थित प्रयोगशाला भेजे गए, जबकि गुणवत्ता परीक्षण के लिए एक अलग सैंपल भी लैब भेजा गया। निरीक्षण के दौरान भोजनालय में गंदगी भी पाई गई। इस पर स्वास्थ्य निरीक्षक द्वारा रेलवे अधिनियम की धारा-145 के तहत कार्रवाई करते हुए संबंधित संचालक पर जुर्माना लगाया गया। पूरी कार्रवाई के दौरान सीटीआई, मजिस्ट्रेट स्क्वॉड, आरपीएफ, जीआरपी और न्यायालय के कर्मचारियों का सहयोग रहा। अब जांच रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

डीआरएम ने सफर कर परखी हकीकत

जबलपुर। रेलवे यात्रियों को बेहतर सुविधाएं देने के दावों की हकीकत परखने के लिए रविवार को जबलपुर रेल मंडल के डीआरएम कमल कुमार तलरेजा खुद जबलपुर–पुणे वीकली सुपरफास्ट एक्सप्रेस में सवार हुए। उन्होंने जबलपुर से इटारसी तक ट्रेन में सफर करते हुए कोचों का बारीकी से निरीक्षण किया और यात्रियों से सीधे बातचीत कर उनकी समस्याएं एवं सुझाव भी जाने। निरीक्षण के दौरान डीआरएम ने कोचों की साफ-सफाई, पेयजल व्यवस्था, शौचालयों की स्वच्छता, पंखे, लाइट और अन्य विद्युत उपकरणों की कार्यशीलता की जांच की। इसके अलावा बेडरोल और कंबलों की गुणवत्ता, फायर सेफ्टी उपकरण, इमरजेंसी एग्जिट तथा सुरक्षा इंतजामों का भी जायजा लिया। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि यात्री सुविधाओं में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और हर शिकायत का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी विवाद में कांग्रेस का हमला

पीएम मोदी और आरएसएस प्रमुख से भी हो पूछताछ

जबलपुर। जबलपुर में कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता साधना भारती ने राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी, जमीन खरीद और निर्माण संबंधी अनियमितताओं को लेकर केंद्र सरकार और राम मंदिर ट्रस्ट पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि पूरे मामले की जांच सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में किसी स्वतंत्र एजेंसी से कराई जानी चाहिए तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत से भी पूछताछ होनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि छोटे कर्मचारियों पर कार्रवाई कर बड़े जिम्मेदार लोगों को बचाने का प्रयास किया जा रहा है।

पत्रकार वार्ता में साधना भारती ने कहा कि राम मंदिर ट्रस्ट की ओर से कुंभ अवधि में 16 करोड़ श्रद्धालुओं के आने और 84 करोड़ रुपये चढ़ावे की जानकारी दी गई है। उनके अनुसार यदि प्रति श्रद्धालु औसतन 100 रुपये का भी दान माना जाए तो राशि इससे कहीं अधिक होनी चाहिए।

उन्होंने सवाल उठाया कि शेष धनराशि का हिसाब सार्वजनिक क्यों नहीं किया गया। उन्होंने मंदिर निर्माण में पत्थर खरीद, निर्माण लागत, दान में मिली चांदी तथा अन्य आभूषणों के रिकॉर्ड को लेकर भी पारदर्शिता की मांग की। पत्रकार वार्ता में विधायक लखन घनघोरिया, शहर कांग्रेस अध्यक्ष सौरभ नाटी शर्मा, ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष संजय यादव सहित कांग्रेस के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जांच दल और ट्रस्ट की कार्यप्रणाली पर उठाए सवाल

साधना भारती ने विशेष जांच दल (एसआईटी) की निष्पक्षता पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि उसके अध्यक्ष पर पहले से दर्ज मामलों के कारण जांच की विश्वसनीयता प्रभावित होती है। उन्होंने आरोप लगाया कि राम मंदिर ट्रस्ट का गठन राजनीतिक प्रभाव में किया गया और इसमें धार्मिक परंपराओं का प्रतिनिधित्व करने वाले संतों की अपेक्षा भाजपा, आरएसएस और विश्व हिंदू परिषद से जुड़े लोगों को प्राथमिकता दी गई। उन्होंने कहा कि इस पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय की जानी चाहिए।

प्रधानमंत्री से जवाब देने की मांग

कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि राम मंदिर ट्रस्ट के गठन, प्राण-प्रतिष्ठा समारोह और ट्रस्ट की संरचना में प्रधानमंत्री की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। ऐसे में करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़े इस विवाद पर उन्हें सार्वजनिक रूप से स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए।

नौकरी और शादी का झांसा देकर दुष्कर्म

जबलपुर। नौकरी दिलाने और शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म करने के मामले में फरार चल रहे आरोपी को सागर पुलिस ने जबलपुर जिले के पाटन बस स्टैंड से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी काफी समय से पुलिस से बचने की कोशिश कर रहा था, लेकिन साइबर सेल की मदद से उसकी लोकेशन ट्रेस होने के बाद उसे घेराबंदी कर दबोच लिया गया। पुलिस के अनुसार सागर निवासी युवती की आरोपी से बातचीत नौकरी दिलाने के बहाने शुरू हुई थी। बातचीत के दौरान आरोपी ने युवती का विश्वास जीत लिया और मिलने के बहाने उसे जबलपुर बुलाया। यहां एक होटल में शादी का वादा कर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। पीड़िता का आरोप है कि इसके बाद आरोपी ने न तो नौकरी दिलाई और न ही शादी का वादा निभाया। जब युवती ने शादी के लिए दबाव बनाया तो आरोपी मुकर गया और उसे धमकियां देने लगा। परेशान होकर युवती ने सागर थाने में शिकायत दर्ज कराई, जिस पर पुलिस ने दुष्कर्म सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी। जांच के दौरान साइबर सेल लगातार आरोपी की गतिविधियों पर नजर रखे हुए थी। इसी बीच सूचना मिली कि आरोपी जबलपुर के पाटन बस स्टैंड पर बस का इंतजार कर रहा है। स

पूर्व विधायक ने एसपी को सौंपा ज्ञापन, निष्पक्ष जांच और मुआवजे की मांग

थाने के सामने खुद को आग लगाने वाले पुनाराम ने तोड़ा दम

जबलपुर। माढ़ोताल थाना क्षेत्र के प्रभात नगर कठोंदा निवासी 55 वर्षीय श्रमिक पुनाराम नुनिया की उपचार के दौरान मौत हो गई। कुछ दिन पहले उन्होंने कथित तौर पर माढ़ोताल थाने के सामने स्वयं पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा ली थी। घटना के बाद अब पुलिस की कार्यप्रणाली को लेकर सवाल उठने लगे हैं। मामले में पूर्व विधायक विनय सक्सेना ने पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर निष्पक्ष जांच कराने और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। जानकारी के अनुसार पुनाराम नुनिया किसी विवाद की शिकायत लेकर माढ़ोताल थाने पहुंचे थे। आरोप है कि शिकायत पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं होने से आहत होकर उन्होंने थाने के सामने आत्मदाह का प्रयास किया। गंभीर रूप से झुलसे पुनाराम को मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। इस घटना के बाद पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग तेज हो गई है।

सीसीटीवी फुटेज और बयान की जांच की मांग

पूर्व विधायक विनय सक्सेना ने कहा है कि घटना के समय थाने में लगे सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग की जांच कराई जाए, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि घटना से पहले क्या परिस्थितियां बनी थीं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उपचार के दौरान पुनाराम द्वारा तहसीलदार और पुलिस के समक्ष दिए गए कथित बयान में मोहन नुनिया, अमर नुनिया और मथानी नुनिया के नाम सामने आए थे, लेकिन अब तक उनके विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई है। साथ ही यह भी जांच की मांग की गई है कि पुनाराम के पास ज्वलनशील पदार्थ कहां से और किन परिस्थितियों में पहुंचा। उन्होंने दोषी पुलिसकर्मियों और संबंधित व्यक्तियों पर कार्रवाई के साथ मृतक के परिजनों को उचित आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की मांग भी की है।

लोक निर्माण विभाग के 83 लिपिक बने सहायक ग्रेड-2

10 साल बाद मिली पदोन्नति की सौगात

जबलपुर। लगभग एक दशक से पदोन्नति का इंतजार कर रहे लोक निर्माण विभाग के 83 सहायक ग्रेड-3 कर्मचारियों को आखिरकार पदोन्नति का लाभ मिल गया। मुख्य अभियंता, लोक निर्माण विभाग, जबलपुर परिक्षेत्र आनंद प्रकाश राणे ने पात्र कर्मचारियों को सहायक ग्रेड-2 के पद पर अस्थायी रूप से आगामी आदेश तक पदोन्नत करने के आदेश जारी किए हैं। पदोन्नति आदेश मध्यप्रदेश लोक निर्माण विभाग (अराजपत्रित) सेवा भर्ती एवं सेवा शर्त नियम, 1972 तथा शासन द्वारा समय-समय पर किए गए संशोधनों के तहत जारी किए गए हैं। पदोन्नत कर्मचारियों को पे-मैट्रिक्स लेवल-6 (25,300–80,500) का वेतनमान मिलेगा। बताया गया कि उच्च न्यायालय में पदोन्नति संबंधी प्रकरण लंबित रहने के कारण वर्षों से विभाग में प्रमोशन की प्रक्रिया प्रभावित थी। इसके चलते अनेक कर्मचारी पात्र होने के बावजूद बिना पदोन्नति के ही सेवानिवृत्त हो गए। न्यायालय के निर्णय के बाद अब विभिन्न विभागों में पदोन्नति प्रक्रिया को गति मिली है। पदोन्नति प्रक्रिया को समयबद्ध और पारदर्शी ढंग से पूरा कराने में मुख्य अभियंता आनंद प्रकाश राणे, अधीक्षण यंत्री (प्रशासन) डी.के. शरीबान, लेखा अधिकारी संजना चौकसे, शशिकिरण खरे, अंजना श्रीवास्तव एवं तंतुवाय का विशेष योगदान रहा। मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष अटल उपाध्याय सहित देवेंद्र पचौरी, आलोक अग्निहोत्री, जी.पी. द्विवेदी, योगेश देशमुख, रवि बांगड़, प्रशांत तिवारी, भूपेंद्र रघुवंशी, अरविंद शाहू, संजय मजूमदार, अनुराग गुप्ता, नितिन सेलेट, आशीष नामदेव, राजेंद्र गुप्ता एवं रोशन पासी ने मुख्य अभियंता आनंद प्रकाश राणे के प्रति आभार व्यक्त किया। कर्मचारी नेताओं ने कहा कि विभाग ने 24 घंटे सतत कार्य करते हुए गोपनीय चरित्रावली (सीआर) एवं सेवा अभिलेखों की जांच कर निष्पक्ष और पात्र कर्मचारियों को पदोन्नति का लाभ दिलाया है, जिससे लंबे समय से प्रतीक्षा कर रहे कर्मचारियों में खुशी का माहौल है।

महाकौशल-विंध्य और बुंदेलखंड कमाए, मालवा निवाड़ उड़ाए

महाकौशल की सियासत पर दो दिग्गजों की जुबानी जंग

जबलपुर। मध्य प्रदेश की राजनीति में महाकौशल का केंद्र रहे जबलपुर में इन दिनों सियासी पारा चरम पर है। विकास, उपेक्षा और क्षेत्रीय अस्मिता को लेकर शहर के दो सबसे कद्दावर नेताओं भाजपा के वरिष्ठ नेता व प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह और कांग्रेस के राज्यसभा सांसद व वरिष्ठ अधिवक्ता विवेक तन्खा के बीच बयानों के सीधे तीर चल रहे हैं। यह बहस अब केवल जबलपुर के विकास तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि तन्खा ने इसे महाकौशल, विंध्य और बुंदेलखंड बनाम पश्चिमी मध्य प्रदेश के राजस्व और खर्च की बड़ी राजनीतिक लड़ाई में तब्दील कर दिया है।

इस जुबानी जंग की शुरुआत लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह के उस कड़े बयान से हुई, जिसमें उन्होंने कांग्रेस को सिरे से खारिज कर दिया। राकेश सिंह ने स्पष्ट लहजे में कहा कि किसी भी कांग्रेसी को जबलपुर के विकास पर बोलने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। उन्होंने आंकड़ों के साथ दावा किया कि शहर में आज जो भी बड़ी परियोजनाएं या सौगातें दिखाई दे रही हैं, वे सभी भाजपा शासनकाल की देन हैं। सिंह ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सरकार में जबलपुर का पूरा ध्यान रखा जा रहा है। अकेले मेरे विभाग (लोक निर्माण विभाग) से जबलपुर में 3000 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाएं चल रही हैं। आने वाले समय में महाकौशल और जबलपुर को विकास की कई और बड़ी सौगातें मिलने जा रही हैं।

तन्खा का पलटवार

जबलपुर के विकास के बारे में कांग्रेस को बोलने का अधिकार नहीं है ₹राकेश सिंह के इस आक्रामक बयान पर राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा ने बेहद तल्ख और भावनात्मक पलटवार किया। तन्खा ने 'परमिशन' वाली बात पर कड़ा एतराज जताते हुए कहा, ₹जबलपुर मेरा घर है और अपने घर के हक की बात करने के लिए मुझे किसी की अनुमति की जरूरत नहीं है। राजनीति और पार्टी बाद में आती है, घर की बात अलग होती है। अपना घर संभालने के लिए जिस भी प्लेटफॉर्म पर जरूरत होगी, मैं आवाज उठाऊंगा। तन्खा ने भाजपा के विकास के दावों की हवा निकालते हुए शहर की खस्ताहाल कनेक्टिविटी मेडिकल यूनिवर्सिटी विखंडन का मुद्दा उछाला। उन्होंने कहा, जबलपुर की हवाई सेवा बदहाल है। यहां नया कुछ नहीं आ रहा है, उलटा जो हमारे पास है, उसे भी छीनकर ले जाया जा रहा है। यहां फूड प्रोसेसिंग यूनिट लगनी चाहिए विडंबना यह है कि सत्ता पक्ष के सारे जनप्रतिनिधि इस अन्याय पर मौन बैठे हैं।

क्षेत्रीय असंतुलन और राजस्व का मुद्दा

इस राजनीतिक बहस में विवेक तन्खा ने महाकौशल, विंध्य और बुंदेलखंड को जोड़कर एक ऐसा मास्टरस्ट्रोक चला है, जिसने प्रदेश सरकार की दुखती रग पर हाथ रख दिया है। पत्रकारों से चर्चा में तन्खा ने सीधा आरोप लगाया कि राज्य सरकार के खजाने में सबसे ज्यादा राजस्व महाकौशल, विंध्य और बुंदेलखंड के इलाकों से जा रहा है, लेकिन जब खर्च करने की बारी आती है, तो यह सारा पैसा जबलपुर और इन क्षेत्रों की उपेक्षा कर प्रदेश के पश्चिमी भाग (मालवा-निमाड़) पर लुटाया जा रहा है। तन्खा का यह बयान एक बड़े क्षेत्रीय असंतुलन की ओर इशारा करता है, जो लंबे समय से पूर्वी और मध्य-उत्तरी मध्य प्रदेश की जनता की दबी हुई पीड़ा रही है।

शहर के लिए आएं साथ

अपने प्रहार के अंत में तन्खा ने एक परिपक्व राजनेता की तरह सुलह का रास्ता भी खुला रखा है. उन्होंने अपील करते हुये कहा मैं मानता हूं राजनीतिक दल आपका और मेरा अलग हो सकता है. लेकिन जहां बात शहर हित की हो वहां दलगत राजनीति से उपर उठना होगा. तभी शहर आगे बढ़ेगा. लेकिन अगर अन्याय होगा तो मैं आवाज उठाता रहूंगा. जबलपुर में राकेश सिंह और विवेक तन्खा के बीच चल रही यह बहस महज दो नेताओं का टकराव नहीं है। यह आगामी राजनीति की रूपरेखा तय कर रही है। एक तरफ भाजपा अपने निवेश, इंफ्रास्ट्रक्चर और 'डबल इंजन' सरकार के नैरेटिव को मजबूत कर रही है, तो दूसरी तरफ कांग्रेस (तन्खा के जरिए) कनेक्टिविटी की कमी, मौजूदा सुविधाओं के छिनने और महाकौशल-विंध्य-बुंदेलखंड के साथ हो रहे 'आर्थिक सौतेलेपन' को एक बड़ा चुनावी और सामाजिक मुद्दा बनाने की कोशिश कर रही है। अब देखना यह है कि जनता 3000 करोड़ के दावों पर मुहर लगाती है, या तन्खा के 'छिनते हक' वाले दर्द से खुद को जोड़ती है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक–डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240